एनसीइआरटी के चैनल पर अपलोड हुई फिल्म तरुणी

जमशेदपुर. बेस्ट प्रोग्राम एवं बेस्ट वीडियो का पुरस्कार पाने वाली डॉक्यूमेंट्री फिल्म को एनसीइआरटी ने अपने ऑफिशियल चैनल पर अपलोड किया है. कुमार विवेक व हेमंत मुखी द्वारा निर्मित निश्चय अभियान पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म तरुणी को एनसीइआरटी द्वारा आयोजित ऑल इंडिया चिल्ड्रन एजुकेशनल कंटेंट प्रतियोगिता में सम्मान मिला था. फिल्म तरुणी झारखंड के पैडमेन के नाम से विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता तरुण कुमार की जीवनी पर आधारित है. झारखंड के सुदूर इलाकों में माहवारी स्वच्छता, किशोरी व महिला स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण समेत कई महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर

तमाम चुनौतियों से जूझते हुए जमीनी बदलाव लाने की लगातार कोशिश कर रहे तरुण कुमार निश्चय अभियान के संस्थापक हैं.

प्रभात खबर
Monday, May 20, 2024
Jamshedpur-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/664a56415336fbdff1818052

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
अपना झारखंड

किशोरियों के पैडमैन भैया बन गये हैं जमशेदपुर के तरुण

हिन्दुस्तान के हीरे

निश्चय संस्था के संस्थापक जमशेदपुर के तरुण पूर्वी सिंहभूम के सुदूर गांवों की बच्चियों के लिए पैडमैन भैया बन गये हैं। वे किशोरियों को ग्रामीणों को माहवारी जैसे मसले पर जागरूक कर रहे हैं। गांवों की जरूरतमंद बच्चियों के बीच सेनिटरी नैपकिन भी पहुंचा रहे हैं।

■**भादो माझी**

जमशेदपुर। जमशेदपुर के पैडमैन तरुण कुमार एक दशक से माहवारी जैसे मुद्दे पर गांवों में बदलाव लाने की कोशिश में जुटे हैं। वे हर सुबह इस लक्ष्य के साथ उठते हैं कि माहवारी की शर्मिंदगी को तोड़कर बदलाव लाया जाए। कोशिश यह कि महिलाएं व किशोरियां इस मुद्दे पर खुलकर बात करें। गांवों में घर-घर के पुरुषों को भी इस चर्चा में शामिल किया जाए, ताकि उन्हें भी पता चले कि यह कोई शर्म की बात नहीं। इससे पुरुष भी महिलाओं के इस गंभीर मुद्दे को समझते हुए मददगार बन सकेंगे। इसके लिए वे जागरूकता की मुहिम के साथ ग्रामीण किशोरियों को सेनिटरी नैपकिन भी उपलब्ध करा रहे हैं।

तरुण सुदूर गांवों की किशोरियों के बीच सेनिटरी नैपकिन बांटते तरुण।

- गांव-घर और सरकारी स्कूलों में सेनिटरी नैपकिन बांटते हैं
- माहवारी के मुद्दे पर लड़कियों-महिलाओं को बना रहे मुखर

50 हजार से ज्यादा किशोरियों से मिले

एक मिशन के तौर पर इससे जुड़े तरुण बदलाव की बयार गांव-घर तक पहुंचा रहे हैं। तरुण कहते हैं कि माहवारी जैसे मुद्दों पर बात कर सुरक्षित समाज का निर्माण किया जा सकता है। तरुण पूर्वी सिंहभूम के 50 हजार से ज्यादा किशोरियां तक पहुंच चुके हैं।

मिशन बनाकर कर रहे काम

तरुण कुमार जमशेदपुर के निवासी हैं और सामाजिक कार्यकर्ता है। वह 11 सालों से भी ज्यादा समय से झारखंड के ग्रामीण इलाकों में बच्चों व युवाओं के मुद्दे व ग्रामीण विकास एवं संबन्धित मुद्दों पर सक्रिय है। उन्हें जमशेदपुर अक्षेस के द्वारा जमशेदपुर के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर के तौर पर भी मनोनीत किया गया है। वह फ़िल्म निर्माण व लेखन में गहरी रुचि रखते है।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
अपना झारखंड

किशोरियों के पैडमैन भैया बन गये हैं जमशेदपुर के तरुण

हिन्दुस्तान के हीरे

निश्चय संस्था के संस्थापक जमशेदपुर के तरुण पूर्वी सिंहभूम के सुदूर गांवों की बच्चियों के लिए पैडमैन भैया बन गये हैं। वे किशोरियों को ग्रामीणों को माहवारी जैसे मसले पर जागरूक कर रहे हैं। गांवों की जरूरतमंद बच्चियों के बीच सेनिटरी नैपकिन भी पहुंचा रहे हैं।

■भादो माझी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के पैडमैन तरुण कुमार एक दशक से माहवारी जैसे मुद्दे पर गांवों में बदलाव लाने की कोशिश में जुटे हैं। वे हर सुबह इस लक्ष्य के साथ उठते हैं कि माहवारी की शर्मिंदगी को तोड़कर बदलाव लाया जाए। कोशिश यह कि महिलाएं व किशोरियां इस मुद्दे पर खुलकर बात करें। गांवों में घर-घर के पुरुषों को भी इस चर्चा में शामिल किया जाए, ताकि उन्हें भी पता चले कि यह कोई शर्म की बात नहीं। इससे पुरुष भी महिलाओं के इस गंभीर मुद्दे को समझते हुए मददगार बन सकेंगे। इसके लिए वे जागरूकता की मुहिम के साथ ग्रामीण किशोरियों को सेनिटरी नैपकिन भी उपलब्ध करा रहे हैं।

तरुण सुदूर गांवों की किशोरियों के बीच सेनिटरी नैपकिन बांटते तरुण।

- गांव-घर और सरकारी स्कूलों में सेनिटरी नैपकिन बांटते हैं
- माहवारी के मुद्दे पर लड़कियों-महिलाओं को बना रहे मुखर

50 हजार से ज्यादा किशोरियों से मिले

एक मिशन के तौर पर इससे जुड़े तरुण बदलाव की बयार गांव-घर तक पहुंचा रहे हैं। तरुण कहते हैं कि माहवारी जैसे मुद्दों पर बात कर सुरक्षित समाज का निर्माण किया जा सकता है। तरुण पूर्वी सिंहभूम के 50 हजार से ज्यादा किशोरियां तक पहुंच चुके हैं।

मिशन बनाकर कर रहे काम

तरुण कुमार जमशेदपुर के निवासी हैं और सामाजिक कार्यकर्ता है। वह 11 सालों से भी ज्यादा समय से झारखंड के ग्रामीण इलाकों में बच्चों व युवाओं के मुद्दे व ग्रामीण विकास एवं संबन्धित मुद्दों पर सक्रिय है। उन्हें जमशेदपुर अक्षेस के द्वारा जमशेदपुर के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर के तौर पर भी मनोनीत किया गया है। वह फ़िल्म निर्माण व लेखन में गहरी रुचि रखते है।

Hindustan 10.03.2022

घाटशिला • बहरागोड़ा • चाकुलिया • जादूगोड़ा

जमशेदपुर, मंगलवार, 19 मार्च, 2024 | 14

उपलब्धि • झारखंड के पैडमेन के नाम से विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता तरुण कुमार की जीवनी पर आधारित है फिल्म

डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'तरुणी' ने जीता बेस्ट प्रोग्राम और वीडियो का पुरस्कार

एनसीईआरटी के ऑल इंडिया चिल्ड्रन एजुकेशनल ई कंटेंट कंपटीशन में छाई फिल्म तरुणी

भास्कर न्यूज | घाटशिला

शिक्षा में तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देते हुए बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध करवाने हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे है। एनसीईआरटी, नई दिल्ली के द्वारा 15-16 मार्च 2024 को मेघालय की राजधानी शिलांग में ऑल इंडिया चिल्ड्रन एजुकेशनल ई कंटेंट कंपटीशन 2023-24 का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में झारखंड के पैडमेन के नाम से जाने जाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता तरुण कुमार के जीवनी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म \'तरूणी\' को स्वतंत्र ई कंटेंट क्रिएटर कैटेगरी में बेस्ट प्रोग्राम / बेस्ट वीडियो फिल्म अवॉर्ड से नवाजा गया। फिल्म का निर्माण जीआर8 फिल्म्स के बैनर तले निर्माता कुमार विवेक व निर्देशक हेमंत मुखी के द्वारा किया गया है। पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि मेघालय सरकार के शिक्षा मंत्री रकम ए संगमा थे, वही एनसीईआरटी के डायरेक्टर प्रो अमरेंद्र बेहरा बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर उपस्थित थे।

डॉक्यूमेंट्री फिल्म \'तरूणी\' में झारखंड के सुदूर इलाकों में माहवारी स्वच्छता, किशोरी व महिला स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण समेत कई महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर तमाम चुनौतियों से जूझते हुए जमीनी बदलाव लाने की लगातार कोशिश कर रहे निश्चय के संस्थापक तरुण कुमार की कहानी को विस्तार से दिखलाया गया है। तरुण पिछले 13 वर्षों से ज्यादा समय से झारखंड के सुदूर इलाकों में बच्चों के मुद्दों पर कार्य कर रहे है। वह अपने अभियानों के माध्यम से अभी तक लगभग 1 लाख बच्चों तक पहुंचे है, वही वह अपने जीवनकाल में 5 लाख बच्चों को जागरूक करने का लक्ष्य रखते है। तरुण के कार्यों को दो बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी स्थान मिला है, वही पिछले वर्ष दूरदर्शन पर भी उनके कार्यों पर आधारित प्रदर्शित की गई थी। तरूणी फिल्म का निर्माण जीआर8 फिल्म्स के बैनर तले पिछले वर्ष किया गया था। फिल्म को ओटीटी प्लेटफार्म \'मेरा टीवी\' लिंक https://www.meratv.i n/play.php?furl=taru ni पर निःशुल्क देखा जा सकता है। इसके अलावा प्रतियोगिता में झारखंड के निर्देशक हेमंत मुखी व कुमार विवेक के द्वारा ही निर्मित लघु फिल्म \'अलार्म\' को भी वीडियो एनिमेशन कैटेगरी में बेस्ट निर्देशन व बेस्ट एक्टर के पुरस्कार से नवाजा गया।

प्रेरक कहानियों पर आधारित दूरदर्शन के शो वेलडन इंडिया में दिखे झारखंड के पैडमैन तरुण कुमार

55 मिनट की डॉक्यूमेंट्री में दिखी तरूण की संघर्षपूर्ण कहानी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : अगर रेंगना आता हो तो चलने की कोशिश करें, अगर चलना आता है तो दौड़ने की कोशिश करें, अगर दौड़ना आता हो तो उड़ने की कोशिश करे, लेकिन बहुत कम लोग इस जुनून को जी पाते है, ऐसे ही जज्बे को जीने वाले है जमशेदपुर के...., इन मशहूर प्रेरणादायी पंक्तियों को पढ़ते हुये दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रम वेलडन इंडिया की शुरूआत सोमवार को होस्ट सुशांत कुमार ने किया।

बच्चों के साथ वार्ता करते तरुण कुमार। • फोटोन न्यूज

सोमवार 31 जुलाई को दोपहर 2 बजे झारखंड के पैडमैन के नाम से चर्चित निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार के जीवनी व संघर्षपूर्ण कार्यों पर आधारित वेलडन इंडिया कार्यक्रम का प्रसारण दूरदर्शन पर किया गया। कार्यक्रम के दौरान तरुण कुमार के कार्यों पर आधारित 55 मिनट 28 सेकंड अवधि के वृतचित्र (डॉक्यूमेंट्री) का प्रसारण किया गया। वेलडन इंडिया कार्यक्रम में समाज के लिए प्रेरक कहानियों पर आधारित एपिसोड प्रसारित किए जाते है।

तरुण कुमार पर आधारित वेलडन इंडिया शो के दौरान गांव की बच्चियों, महिलाओं, शिक्षकों, स्वयंसेवकों व अन्य के साक्षात्कार दिखलाया गया। कार्यक्रम के दौरान तरुण के द्वारा जनभागीदारी से शुरू किए गए माहवारी स्वच्छता अभियान, पैडबैंक, वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप, पुस्तकालय समेत बच्चों, महिलाओं व युवाओं को शिक्षित करने वाले प्रयासों को विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के दौरान विगत 13 साल से भी ज्यादा समय के संघर्षपूर्ण सामाजिक सफर व चुनौतियों के बारे में बताते हुये तरुण ने कहा की हम सभी समाज के संसाधनों का उपयोग करते हुये निर्मित होते है, हम सभी जब भी सक्षम हो जाए, हमें समाज को भूलना नहीं चाहिए, समाज के छोटे बड़े समस्याओं का समाधान करने का प्रयास जरूर करना चाहिए, कोई भी प्रयास छोटा या बड़ा नहीं होता। लगातार ईमानदार निः स्वार्थ प्रयासों से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

तरुण न्यूनतम संसाधनों में बिना हिम्मत हारे लगातार सुदूर इलाको में रह रहे बच्चों के बेहतरी हेतु कई अभियानों पर कार्य कर रहे है। माहवारी स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण, बाल रचनात्मकता, तकनीक का सही उपयोग इत्यादि जैसे बुनियादी मुद्दों के प्रति ग्रामीण इलाकों में रह रहे लोगों को जागरूक करने पर उनका विशेष जोर है। विभिन्न अभियानों के माध्यम से वह पिछले कई सालों में सैकड़ों गांवों व विद्यालय जाकर लगभग 1 लाख से ज्यादा बच्चों व लोगों तक जागरूकता का संदेश पहुंचा चुके है। इस सफर में साथ देने वाले सभी लोगों, संस्था से जुड़े निः स्वार्थ सदस्यों, स्वयंसेवकों व बच्चों का तरुण ने आभार जताया।

दूरदर्शन पर प्रसारित वेलडन इंडिया शो को यू ट्यूब लिंक https://youtu.be/byT-xLnVqb4 पर जाकर देखा जा सकता है। बताते चले की ओटीटी प्लैटफार्म मेरा टीवी पर भी पिछले महीने तरुण के कार्यों पर आधारित फिल्म तरुणी रिलीज किया गया था। फिल्म को लिंक https://www.meratv.in/play.php?furl=taruni पर जाकर निःशुल्क देखा जा सकता है।

दूरदर्शन के शो 'वेलडन इंडिया' में दिखे पैडमैन तरुण कुमार

55 मिनट की डॉक्यूमेंट्री में दिखी 'निश्चय' की संघर्षपूर्ण कहानी

जमशेदपुर, 1 अगस्त (रिपोर्टर) : झारखंड के पैडमैन के नाम से चर्चित निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार के जीवनी व संघर्षपूर्ण कार्यों पर आधारित 'वेलडन इंडिया' कार्यक्रम का प्रसारण दूरदर्शन पर किया गया. कार्यक्रम में तरुण के कार्यों पर आधारित 55 मिनट 28 सेकेंड अवधि के वृतचित्र (डॉक्यूमेंट्री) का प्रसारण किया गया, जिसमें समाज के लिए प्रेरक कहानियों पर आधारित एपिसोड प्रसारित किए जाते हैं.

तरुण पर आधारित उक्त शो के दौरान गांव की कई बच्ची, महिला, शिक्षक, स्वयंसेवकों व अन्य के साक्षात्कार दिखाया गया. कार्यक्रम के दौरान तरुण द्वारा जनभागीदारी से शुरू किए गए माहवारी स्वच्छता अभियान, पैडबैंक, वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप, पुस्तकालय समेत बच्चों, महिलाओं व युवाओं को शिक्षित करनेवाले प्रयासों को विस्तार से बताया गया. इस दौरान विगत 13 साल से भी ज्यादा समय के संघर्षपूर्ण सामाजिक सफर व चुनौतियों के बारे में तरुण ने कहा कि हमें समाज के छोटी बड़ी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास जरूर करना चाहिए. कोई भी प्रयास छोटा या बड़ा नहीं होता, लगातार ईमानदार निःस्वार्थ प्रयासों से कुछ भी हासिल किया जा सकता है.

दैनिक भास्कर | घाटशिला • बहरागोड़ा • चाकुलिया • जादूगोड़ा | जमशेदपुर, बुधवार, 22 मार्च, 2023 | 20

सरोकार • सेवा-भाव को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वर्ष मार्च के तीसरे मंगलवार को मनाया जाता है विश्व सामाजिक कार्य दिवस

निश्चय फाउंडेशन ने झारखंड के सुदूर इलाकों में नि:स्वार्थ सेवा दे रहे कार्यकर्ताओं को समर्पित किया लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड, 2019 में सामाजिक सरोकार के लिए निश्चय फाउंडेशन हुआ था सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | बहरागोड़ा

वर्तमान समय में हमारा समाज तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन विकास के इस दौर में अनगिनत मानवीय मुद्दे है, जिनको सुलझाने के लिए, बदलाव लाने के लिए बड़े पैमाने पर सामुदायिक सहभागिता से नि:स्वार्थ सामाजिक कार्य करने की आवश्यकता होती है। ऐसी ही भावनाओं को बढ़ावा देने हेतु हर वर्ष मार्च के प्रत्येक तीसरे मंगलवार को विश्व सामाजिक कार्य दिवस के तौर पर मनाया जाता है। विश्व सामाजिक कार्य दिवस के मौके पर झारखंड के ग्रामीण इलाकों में बच्चों, महिलाओं व युवाओं के मुद्दों पर सक्रिय सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन ने जनभागीदारी से बनाए गए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड को झारखंड के सुदूर इलाकों में सेवाएं दे रहे सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं के नाम समर्पित किया है। संस्था ने कोरोना काल के शुरुआती महीनों में सामुदायिक भागीदारी से \'सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन\' चलाकर सुदूर गांवों में रहने वाली 10 हजार से ज्यादा जरूरतमंद बच्चियों व महिलाओं तक सेनिटरी पैड पहुंचाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया था।

संस्था के इस अभूतपूर्व कार्य को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड के 2020-22 संस्करण में स्थान मिला है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि यह एक स्थाई रिकॉर्ड है, इसे कभी तोड़ा नही जा सकता। माहवारी स्वच्छता जागरूकता कार्य हेतु संस्था का नाम दूसरी बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया है। इससे पहले संस्था के गिफ्ट सेनिटरी पैड फॉर रूरल गर्ल्स अभियान को 2019 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया था। कोविड काल में चलाए गए सेनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन में लगभग 20 से ज्यादा स्वयंसेवकों ने घर घर जानकर बच्चियों को सेनिटरी पैड पहुंचाने में योगदान दिया था। वही लगभग 400 लोगों ने इस अभियान में अंशदान देकर संकटपूर्ण समय में बच्चियों की सहायता हेतु लगभग 1 लाख रुपए की धनराशि जुटाई थी। बेहद सीमित संसाधनों के बाद भी संस्था लगातार बच्चों व बेहतरी हेतु सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है।

समाज में बदलाव लाने के लिए संस्था प्रयासरत : सचिव

निश्चय के संस्थापक सचिव तरुण कुमार ने बताया की 'समाज में बदलाव लाने, जरूरतमंदों की सहायता हेतु निस्वार्थ सामुदायिक प्रयास बेहद अहम है, कोरोना काल में जब बच्चियां फोन कर सेनिटरी पैड ना मिल पाने की परेशानी को हमारे साथ साझा कर रही थी, उस समय सैकड़ों लोगों के सम्मिलित प्रयास से हम सभी मिलकर बच्चियों की मदद कर पाए। यह एक सामुदायिक भागीदारी का बेहतरीन उदाहरण है, यह हम सभी को समुदाय के लिए दृढ़संकल्प होकर कार्य करने के लिए हमेशा प्रेरित करता रहेगा। यह उपलब्धि झारखंड के सुदूर इलाकों में तमाम चुनौतियों से जूझते हुए समुदाय के लिए निस्वार्थ कार्य करने वाले सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं निस्वार्थ सामाजिक सोच को बढ़ावा देने वाले हर एक व्यक्ति को समर्पित है।

कार्यकर्ताओं ने की फाउंडेशन के कार्य की सराहना, जताया पदाधिकारियों का आभार

निश्चय फाउंडेशन अभियान में शामिल स्वयंसेवकों, शिक्षको, विद्यालयों, बच्चों व अभियान में योगदान देने वाले सभी लोगों को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड प्रदान कर आभार प्रकट कर रही है। सेनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण रूप से तरुण कुमार, बैद्यनाथ हांसदा, सूरज चक्रवर्ती, मीनाक्षी जाना, साजिद अहमद, अरविंद तिवारी, प्राण कृष्णा, पंचानन महतो, करिश्मा शर्मा, अंशु कुमारी, पूजा कुमारी, किशन नायर, सुरभि शर्मा, पूरबी घोष, नीतू सिंह, अनुपम पाल, संजय सोलोमन, पूनम महानंद, संतोष शर्मा, डॉ पोम्पी सेनगुप्ता, विकास प्रकाश, प्रज्ञा सिंह, दुर्गा मंडल, जलाधार पात्रा, सारा काजमी, लक्ष्मी कुमारी, पूजा प्रमाणिक, कल्पना, अरुण कुमार, सोनामुनी, अविनाश कुमार शर्मा, पूजा महतो, शिवेंद्र शास्त्री, अक्षिता शर्मा, अमरनाथ योगी, इप्सिता सिन्हा समेत सैकड़ों लोगों का सहयोग रहा था। संकट के समय जनभागीदारी का अनमोल उदाहरण पेश करने हेतु फाउंडेशन सभी आभारी है।

पहल | लॉकडाउन में किशोरियों व महिलाओं के बीच किया था सैनिटरी पैड का वितरण

निश्चय फाउंडेशन को मिला इनोवेशन एट कोविड-19 का पुरस्कार

- निश्चय फाउंडेशन संस्था ने सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन चलाया था

संवाददाता, गालूडीह

डीइएफ व वर्ल्ड समिट अवार्ड्स ने दक्षिण एशिया स्तर पर आयोजित सातवें ई-एनजीओ चैलेंज अवार्ड्स में झारखंड की सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन को इनोवेशन एट कोविड-19 अवार्ड से सम्मानित किया गया है. यह झारखंड के लिए गौरव की बात है. संस्था ने लॉकडाउन के दौरान पूर्वी सिंहभूम जिले में किशोरियों व महिलाओं को राहत पहुंचाने के लिए सैनिटरी पैड का वितरण किया था. इसमें भारत के अलावा पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश व नेपाल से आए लगभग 68 प्रविष्टियों में चुना गया. इसमें पहला पुरस्कार प्रथम इंफोटेक फाउंडेशन व यूथ4जॉब्स के अभियान को संयुक्त विजेता चुना गया, जबकि निश्चय फाउंडेशन के 'माहवारी स्वच्छता अभियान' को दक्षिण एशिया के 10 प्रमुख स्वास्थ्य अभियानों में जगह मिली. कोविड के कारण अवार्ड की घोषणा ऑनलाइन की गयी है.

गांवों में सैनिटरी पैड बांटते तरुण कुमार .

संस्था ने सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन चलाया था

लॉकडाउन के शुरुआती महीनों में जब बाजार पूरी तरह बंद थे, बच्चियों और महिलाओं को सैनिटरी पैड प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था. उस कठिन समय में कई गांवों की बच्चियों ने संस्था से संपर्क कर तत्काल सहायता करने की अपील की थी. पूर्वी सिंहभूम जिले की बच्चियों और महिलाओं की मदद करने के लिए संस्था ने सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन चलाया था. अभियान के माध्यम से जिले के सभी सुदूर प्रखंडों जमशेदपुर, पोटका, घाटशिला, धालभूमगढ़, मुसाबनी, डुमरिया, गुड़ाबांधा, बहरागोड़ा, चाकुलिया, बोड़ाम, पटमदा के 140 से भी ज्यादा गांवों की लगभग 9000 से ज्यादा बच्चियों को सहायता पहुंचाई गयी थी. संस्था द्वारा माहवारी स्वच्छता पर नियमित तौर पर अभियान चलाया जाता है. इससे महिलाओं व युवतियों में माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूकता आयी है.

शुरुआती के दिन काफी कठिन : तरुण कुमार

निश्चय के संस्थापक सचिव तरुण कुमार ने बताया कि लॉकडाउन के शुरुआती दिन काफी कठिन थे. संस्था माहवारी स्वच्छता को लेकर चार सालों से भी ज्यादा समय से काम कर रही है. काफी संघर्ष के बाद हम बच्चों को जागरूक करने में सफल रहे थे. लॉकडाउन के समय बच्चियों ने जब माहवारी स्वच्छता को लेकर परेशानी महसूस की, तब उन्होंने बेहिचक अपनी बात हमारे साथ साझा किया. बच्चियों की परेशानी को समझते हुए तत्काल उनकी सहायता में जुट गये. लॉकडाउन जैसे कठिन समय में अभियान जनभागीदारी की बदौलत सफल हो पाया. दर्जनों वोलेंटियर्स अभियान से जुड़कर गांवों में बच्चियों की सहायता की. सैकड़ों लोगों ने मिलकर बच्चियों की सहायता के लिए लगभग 1 लाख की आर्थिक मदद भेजी. अभियान को अंतराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में विजयी होना झारखंड के लिए गौरव की बात है. इएनजीओ चैलेंज अवार्ड्स 2020-21 के इनोवेशन कोविड19 कैटेगरी में विजेता चुने जाने के बाद निश्चय फाउंडेशन द्वारा चलाये जा रहे अभियान अब यूनाइटेड नेशन वर्ल्ड समिट अवार्ड्स में भी शामिल हो सकेगी.

epaper.prabhatkhabar.com
प्रभात खबर Fri, 04 June 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/60908090

WINNER

nischay

"Menstrual Hygiene Awareness Campaign through public Participation"

ORGANISATION
Nischay Foundation

INITIATIVE
Sanitary Pad Relief Campaign during Lockdown

WEBSITE
www.nischay.org.in

LOCATION
Jharkhand, India

Sanitary Pad Relief Campaign during Lockdown is Nischay Foundation's effort to ensure the availability of sanitary pads during the nation-wide lockdown due to Covid-19 virus. With markets being shut during the lockdown, women experienced an additional challenge due to the unavailability of sanitary pads — a non-essential item. The campaign was to provide relief for girls living in remote areas through the helpline setup by Nischay Foundation. The local volunteer assistance allowed for door-to-door delivery in approximately 150 villages in East Singhbhum District.
The foundation helped over 7,000 girls, recorded participation of 30+ volunteers, and were able to crowdsource INR. 1 lakh due to scarcity of funds.

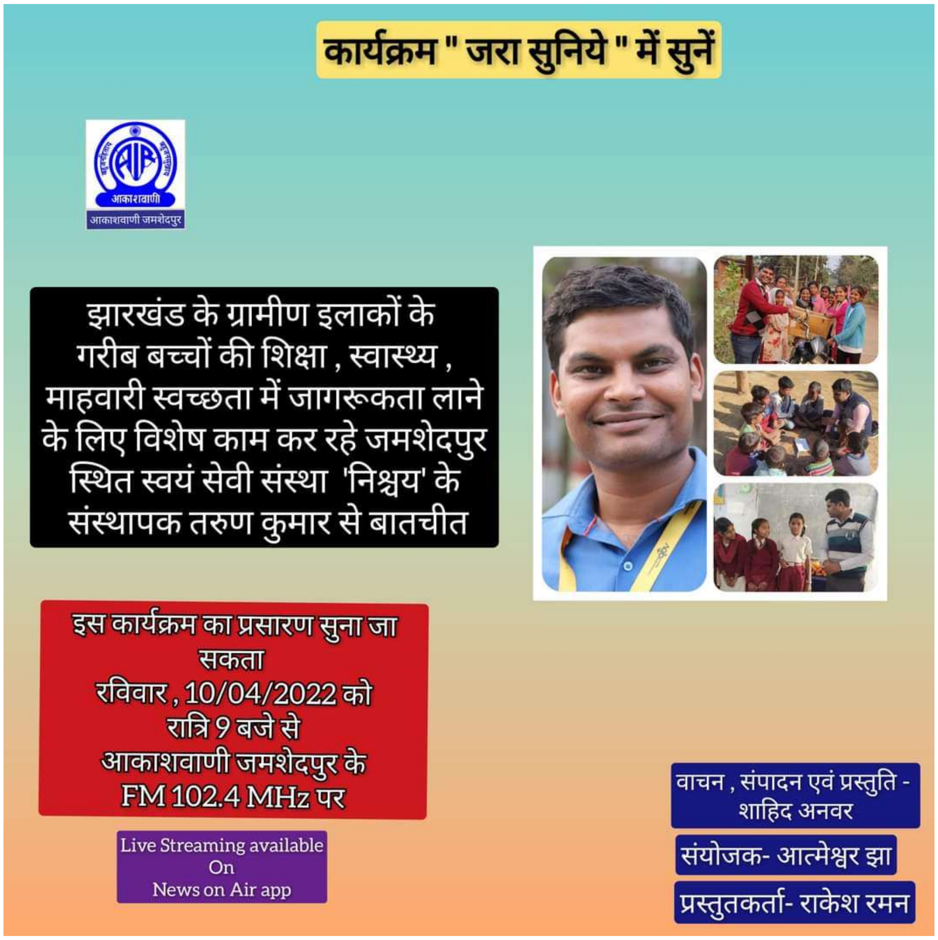

कार्यक्रम में बच्चों को दी गई पर्यावरण की रक्षा कर धरती बचाने का संदेश

पोटका| आधुनिक मानवों के दैनिक क्रियाकलापों से बड़े पैमाने पर प्रदूषण फैलता है, बढ़ते कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन व कार्बन फुटप्रिंट्स के अध्ययन से पता चलता है की हमारी ऊर्जा जरूरते व आदते जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण है। तेजी से बढ़ते तापमान को रोकने के लिए हमें जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता कम करनी होगी। पोटका स्थित तारा पब्लिक स्कूल में एनर्जी स्वराज फाउंडेशन एवं निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ऊर्जा जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों को पर्यावरण की रक्षा कर धरती बचाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर शिक्षक हेमचंद्र पात्र, अंबुज, मिहिर,सपन पात्र, मंटू पुरान बबिता टुडू, शिलू राय, रूमकी पुरान, संगीता सरदार आदि छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

प्रभात खबर घाटशिला

जमशेदपुर, रविवार 30.04.2023 | 07

मासिक धर्म के प्रति झिझक मिटाने के लिए धाधकीडीह में अनोखा अभियान शुरू

महिलाओं को हर माह सेनेटरी पैड खरीदने से मिलेगा छुटकारा

कार्यशाला में शामिल बच्चियां व महिलाएं.

संवाददाता, गालूडीह

घाटशिला प्रखंड के उमवि धाधकीडीह में शनिवार से रियूजेबल सेनेटरी पैड अभियान शुरू किया गया. इससे हर माह सेनेटरी पेड खरीदने से छुटकारा मिलेगा और खर्च भी बचेगा. मासिक धर्म के प्रति शर्म और झिझक मिटाने व पर्यावरण अनुकूल माहवारी अपनाने को लेकर धाधकीडीह में यह अनोखा अभियान शुरू हुआ. माहवारी स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का असर है कि अब विद्यालय के पैड बैंक का संचालन बाल संसद के बच्चे मिलकर कर रहे है, इसमें छात्राओं के साथ छात्र भी भूमिका निभा रहे हैं. माहवारी स्वच्छता के साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए संचालित एक पैड, एक पेड़ अभियान का असर भी विद्यालय में दिख रहा है. विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद ने इस समस्या का अनोखा समाधान निकाला है. अब सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन एवं प्रोजेक्ट बाला के साथ मिलकर गांव की सभी किशोरियों व महिलाओं को रियूजेबल सेनेटरी पैड का तोहफा दिया जायेगा. रियूजेबल सैनिटरी पैड जो पर्यावरण अनुकूल है, महिलाएं इसका इस्तेमाल हर माह कर सकेंगी, इससे उन्हें हर माह सैनिटरी पैड खरीदने से मुक्ति मिल जायेगी.

कार्यशाला आयोजित : कार्यशाला में महुलिया पंचायत की पंसस शीला गोप एवं मुखिया नेहा सिंह ने कहा कि माहवारी स्वास्थ्य के प्रति ग्रामीण इलाको में जागरूकता महत्वपूर्ण है, गरीबी से जूझ रही गांव की महिलाएं आज भी मजबूरन कपड़ों का इस्तेमाल कर रही हैं. उन महिलाओं के लिए निश्चय फाउंडेशन एवं प्रोजेक्ट बाला के माध्यम से मिलने वाला रियूजेबल सेनेटरी पैड मुश्किलों को आसान बनाएगा. इसके लिए विद्यालय परिवार व निश्चय का कार्य बेहद सराहनीय है. मौके पर झारखंड के पैडमेन के नाम से प्रसिद्ध निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने माहवारी स्वच्छता अभियान के माध्यम से माहवारी स्वच्छता, किशोरी महिला स्वास्थ्य, बालक बालिका समानता व पर्यावरण से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की. मौके एचएम साजिद अहमद, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष सोनामनी मुर्मू, स्वास्थ्य सहिया गुरुवारी हांसदा, शिक्षिका सीमो सोरेन, निखिल रंजन, बापी पाल, अमरजीत मांझी समेत अन्य कई लोग उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Sun, 30 April 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/72306446

13 वर्ष तक जूझने के बाद तरुण बने पैडमैन

जमशेदपुर. फिल्मी पर्दे पर पैडमैन के संघर्ष को जितना मुश्किल और कठिन दिखाया गया है, झारखंड के पैड मैन तरुण का संघर्ष इससे कई गुणा ज्यादा है. तरुण कुमार सामाजिक कार्यकर्ता हैं. विगत 13 सालों से भी ज्यादा समय से झारखंड के ग्रामीण इलाकों में बच्चों व युवाओं के मुद्दे काम कर रहे हैं. वे झारखंड के पैडमैन के रूप में भी जाने जाते हैं. उन्हें जमशेदपुर अक्षेस की ओर से जमशेदपुर के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर के तौर पर भी मनोनीत किया गया है. उन्होंने बताया कि स्कूल-कॉलेजों में पैड बैंक बनाने की सोच वर्ष 2014 में आयी, जिसे साकार होने में तीन साल लग गये. बच्चियां पैड का इस्तेमाल सही प्रकार से करें. इसको लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चला, जो काफी सफल रहा. इससे सिर्फ बच्चियां ही नहीं शिक्षिकाओं ने भी इसका लाभ उठाया. तरुण के कार्यों को वर्ष 2019 एवं 2020-22 में लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स में भी शामिल किया गया. अभियान की अगली कड़ी में साउथ एशिया स्तर के प्रतियोगिता में भी विजयी होने का गौरव प्राप्त हुआ. तरुण अब तक एक लाख से अधिक बच्चियों को मेंस्ट्रुअल हाइजीन के विषय पर जागरूक कर चुके हैं. उन्हें लगता है कि यह अभियान तभी सफल होगा जब पुरुष भी इस पर बात करेंगे.

अभियान को लिम्का बुक में जगह

कोरोना काल में सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन चलाकर हजारों बच्चियों की हेल्प की थी

jamshedpur@inext.co.in

JAMSHEDPUR (21 Mar) : संस्था निश्चय फाउंडेशन ने जनभागीदारी से बनाए गए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड को झारखंड के सुदूर इलाकों में सेवाएं दे रहे सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं के नाम समर्पित किया है. संस्था ने कोरोना काल के शुरुआती महीनों में सामुदायिक भागीदारी से सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन चलाकर सुदूर गांवों में रहने वाली 10 हजार से ज्यादा जरूरतमंद बच्चियों व महिलाओं तक सैनिटरी पैड पहुंचाने का चुनौतीपूर्ण कार्य किया था. संस्था के इस अभूतपूर्व कार्य को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड के 2020-22 संस्करण में स्थान मिला है. यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि यह एक स्थाई रिकॉर्ड है, इसे कभी तोड़ा नहीं जा सकता. माहवारी स्वच्छता जागरूकता कार्य हेतु संस्था का नाम दूसरी बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया है. इससे पहले संस्था के गिफ्ट सैनिटरी पैड फॉर रूरल गर्ल्स अभियान को 2019 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया था.

सामुदायिक प्रयास अहम

निश्चय के संस्थापक सचिव तरुण कुमार ने बताया कि समाज में बदलाव लाने, जरूरतमंदों की सहायता हेतु निस्वार्थ सामुदायिक प्रयास बेहद अहम है, कोरोना काल में जब बच्चियां फोन कर सैनिटरी पैड न मिल पाने की परेशानी को हमारे साथ साझा कर रहीं थीं, उस समय सैकड़ों लोगों के सम्मिलित प्रयास से हम सभी मिलकर बच्चियों की मदद कर पाए. यह एक सामुदायिक भागीदारी का बेहतरीन उदाहरण है, यह हम सभी को समुदाय के लिए दृढ़संकल्पित होकर कार्य करने के लिए हमेशा प्रेरित करता रहेगा. यह उपलब्धि झारखंड के सुदूर इलाकों में तमाम चुनौतियों से जूझते हुए समुदाय के लिए निस्वार्थ कार्य करने वाले सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं निस्वार्थ सामाजिक सोच को बढ़ावा देने वाले हर एक व्यक्ति को समर्पित है.

एक लाख की धनराशि

कोविड काल में चलाए गए सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन में लगभग 20 से ज्यादा स्वयंसेवकों ने घर घर जाकर बच्चियों को सैनिटरी पैड पहुंचाने में योगदान दिया था. वहीं लगभग 400 लोगों ने इस अभियान में अंशदान देकर संकटपूर्ण समय में बच्चियों की सहायता हेतु लगभग 1 लाख रुपए की धनराशि जुटाई थी. बेहद सीमित संसाधनों के बाद भी संस्था लगातार बच्चों व बेहतरी हेतु सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है.

इनका रहा था सहयोग

सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन को सफल बनाने में तरुण कुमार, बैद्यनाथ हांसदा, सूरज चक्रवर्ती, मीनाक्षी जाना, साजिद अहमद, अरविंद तिवारी, प्राण कृष्णा, पंचानन महतो, करिश्मा शर्मा, अंशु कुमारी, पूजा कुमारी, किशन नायर, सुरभि शर्मा, पूरबी घोष, नीतू सिंह, अनुपम पाल, संजय सोलोमन, पूनम महानंद, संतोष शर्मा, डॉ पोम्पी सेनगुप्ता, विकास प्रकाश, प्रज्ञा सिंह, दुर्गा मंडल, जलाधार पात्रा, सारा काजमी, लक्ष्मी कुमारी, पूजा प्रमाणिक, कल्पना, अरुण कुमार, सोनामुनी, अविनाश कुमार शर्मा, पूजा महतो, शिवेंद्र शास्त्री, अक्षिता शर्मा आदि का सहयोग रहा.

10 हजार सेनेटरी पैड बांट लिम्का बुक में दर्ज हुआ 'निश्चय फाउंडेशन'

- संस्था ने कोरोना काल में सामुदायिक भागीदारी से सेनेटरी पैड रिलीफ कैंपेन चलाया था
- माहवारी स्वच्छता जागरूकता कार्य के लिए संस्था का नाम दूसरी बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में

संवाददाता, घाटशिला

विश्व सामाजिक कार्य दिवस पर सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन ने जन भागीदारी से बनाये गये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड को झारखंड के सुदूर इलाकों में सेवाएं दे रहे सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं के नाम समर्पित किया है. संस्था ने कोरोना काल में सामुदायिक भागीदारी से सेनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन चलाकर सुदूर गांवों में रहनेवाली 10 हजार से ज्यादा जरूरतमंद बच्चियों व महिलाओं तक सेनिटरी पैड पहुंचाने का कार्य किया था. संस्था के इस अभूतपूर्व कार्य को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड के 2020-22 संस्करण में स्थान मिला है. यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि यह एक स्थायी रिकॉर्ड है, इसे कभी तोड़ा नहीं जा सकता. मालूम हो कि माहवारी स्वच्छता जागरूकता कार्य के लिए संस्था का नाम दूसरी बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया है. इससे पहले संस्था के गिफ्ट सेनिटरी पैड फॉर रूरल गर्ल्स अभियान को 2019 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया था.

स्कूली छात्राओं के साथ फाउंडेशन के तरुण कुमार.

> समाज में बदलाव लाने, जरूरतमंदों की सहायता के लिए निःस्वार्थ सामुदायिक प्रयास बेहद अहम है. कोरोना काल में जब बच्चियां फोन कर सेनेटरी पैड ना मिल पाने की परेशानी को हमारे साथ साझा कर रही थीं, उस समय सैकड़ों लोगों के सम्मिलित प्रयास से हम सभी ने मिलकर बच्चियों की मदद की.
>
> -**तरुण कुमार**, निश्चय के संस्थापक सचिव

कैंपेन को सफल बनने में शामिल थे

सेनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन को सफल बनाने में तरुण कुमार, बैद्यनाथ हांसदा, सूरज चक्रवर्ती, मीनाक्षी जाना, साजिद अहमद, अरविंद तिवारी, प्राण कृष्णा, पंचानन महतो, करिश्मा शर्मा, अंशु कुमारी, पूजा कुमारी, किशन नायर, सुरभि शर्मा, पूरवी घोष, नीतू सिंह, अनुपम पाल, संजय सोलोमन, पूनम महानंद, संतोष शर्मा, डॉ पोम्पी सेनगुप्ता, विकास प्रकाश, प्रज्ञा सिंह, दुर्गा मंडल, जलाधार पात्रा, सारा काजमी, लक्ष्मी कुमारी, पूजा प्रमाणिक, कल्पना, अरुण कुमार, सोनामुनी, अविनाश कुमार शर्मा, पूजा महतो, शिवेंद्र शास्त्री, अक्षिता शर्मा, अमरनाथ योगी, इप्सिता सिन्हा आदि.

प्रभात खबर
Wed, 22 March 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/71983641

Limca
Book of Records

Indian Record

Most sanitary pads distributed – multiple days*

Nischay Foundation from Jamshedpur, Jharkhand, distributed sanitary pads to 5,240 girls from 120 villages of East Singhbhum District during the lockdown imposed due to the Covid-19 pandemic. For 50 days from 14 April 2020 to 31 May 2020, around 20 volunteers walked and cycled to the villages making doorstep deliveries. The Sanitary Pad Relief Campaign was launched with the support of 400 donors and 20 'pad human volunteers' under the leadership of Tarun Kumar, founder-secretary of the foundation.

Vatsala

Vatsala Kaul Banerjee
Editor, *Limca Book of Records*

CERTIFIED AUTHENTIC BY THE HOLOGRAM

Date of Issue: December 2020
(LBR 2020-22)

"LIMCA BOOK OF RECORDS" IS THE COPYRIGHT OF THE COCA-COLA COMPANY; "LIMCA" IS THE REGISTERED TRADEMARK OF THE COCA-COLA COMPANY.
THIS CERTIFICATE DOES NOT NECESSARILY DENOTE AN ENTRY INTO *LIMCA BOOK OF RECORDS*.
*THIS IS A ONE-TIME CATEGORY. FURTHER AND FUTURE CLAIMS FOR THIS CATEGORY WILL NOT BE ACCEPTED.

जलवायु परिवर्तन का कारण बढ़ रहा कार्बन डाई ऑक्साइड : तरुण

स्कूल में आयोजित कार्यशाला में मौजूद बच्चे व अतिथि.

- तारा पब्लिक स्कूल, हाता में ऊर्जा साक्षरता कार्यशाला
- बच्चों ने लिया पर्यावरण की सुरक्षा का संकल्प

पोटका. हाता स्थित तारा पब्लिक स्कूल में एनर्जी स्वराज फाउंडेशन व निश्चय फाउंडेशन की ओर से ऊर्जा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ. इसमें बच्चों को पर्यावरण की रक्षा कर धरती बचाने का संदेश दिया गया. कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों ने अपने घरों में रोजमर्रा उपयोग लाए जाने वाले बिजली के उपकरण, वाहन व घरेलू ईंधन की खपत की गणना कर की. बच्चों को बताया गया कि प्रति यूनिट बिजली की खपत पर्यावरण में एक किग्रा कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जित करती है, वहीं, प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल, प्रति किलो एलपीजी गैस की खपत भी 3-3 किलो कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन करती है. जो वातावरण में सैकड़ों वर्षों तक जलवायु परिवर्तन का कारण बनता है. यह जानकारी निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने बच्चों को दी. वहीं, तारा पब्लिक स्कूल के प्राचार्य कमलेश मिश्रा ने बताया कि विद्यालय में वर्षों पहले उन्होंने सोलर सिस्टम लगाया था, इससे स्कूल के जरूरत की बिजली हर मौसम में बिना किसी समस्या के मिल जाती है, ना ही बच्चों को गर्मियों में बिजली कटौती से होने वाली परेशानियों का सामना करना पड़ता है. मौके पर हेमचंद्र पात्र, अंबुज प्रमाणिक, मिहिर गोप, सपन पात्र, मंटू पुरान बबिता टुडू, शिलू राय, रूमकी पुरान, संगीता सरदार आदि मौजूद थे.

महिलाओं को आगे आने से रोकती हैं समाज में फैली कुरीतियां : तरुण

कार्यक्रम के दौरान मौजूद विद्यार्थी व पदाधिकारी.

- कोवाली : समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों से बचाव को किया जागरूक

कोवाली. पोटका-टू स्थित उत्क्रमित 2 उच्च विद्यालय (चाकड़ी) में शनिवार को कार्यशाला आयोजित की गयी. जिसमें किशोरियों को माहवारी स्वास्थ्य, जेंडर समानता व समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों से बचाव के लिए जागरूक किया गया. कार्यशाला के दौरान पैडमैन के नाम से मशहूर तरुण कुमार ने छात्राओं को बताया कि माहवारी के समय उन्हें पूजा करने की मनाही होती है, वहीं गांव की ज्यादातर महिलाएं आज भी कपड़े का ही इस्तेमाल करती हैं. समाज में भी कई धारणायें कुरीतियां व्याप्त हैं, जो महिलाओं को आगे आने से रोकती हैं.

स्कूल कॉलेज आकार शिक्षा ग्रहण कर रही किशोरियां समाज में महिलाओं से जुड़ी कई धारणाओं को बदलने में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं. कार्यशाला के दौरान ग्रामीण किशोरियों ने माना कि पैसों की कमी के कारण हर महीने सेनेटरी पैड का इस्तेमाल करना थोड़ा मुश्किल होता है.

इस दौरान विद्यालय की सभी बच्चियों को प्रोजेक्ट बाला रियूजेबल सेनेटरी पैड किट का उपहार दिया गया. किट में तीन रियूजेबल पैड शामिल हैं. मालूम हो कि कोल्हान के विभिन्न विद्यालयों व गांवों में लगभग 90 छोटे-बड़े कार्यशालाएं आयोजित कर 5100 बच्चियों व महिलाओं तक पर्यावरण अनुकूल सेनेटरी पैड की सहायता निश्चय व प्रोजेक्ट बाला के द्वारा पहुंचाई गयी हैं. मौके पर प्राचार्य जोबा सोरेन, उज्ज्वल कुमार मंडल, जयहरी सिंह मुंडा, सुबिला सरदार, अनुश्री दास, ममता भकत, मिथुन गुप्ता, बिट्टू सोनकर, अरिंदम मंडल आदि उपस्थित थे.

प्रभात खबर Sun, 01 October 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com

गुड़ाबांदा : निश्चय फाउंडेशन ने तीन गांवों में मासिका महोत्सव मनाया

गांवों के विकास के लिए बच्चों को शिक्षित बनाएं : तरुण

प्रतिनिधि, गुड़ाबांदा

गुड़ाबांदा के सिंहपुरा, चाकसोल और तरासपुर गांव में शुक्रवार को दो दिवसीय मासिका महोत्सव आयोजित हुआ. उक्त गांवों की महिलाएं बांस से सामान बनाकर, खेतों में मजदूरी व जंगलों से महुआ चुनकर जीवन-यापन करती हैं. झारखंड के पैडमैन के नाम से विख्यात निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने अभिभावकों से अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया. बताया गया कि इलाके के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए बच्चों को शिक्षित बनाना ही एकमात्र विकल्प है. अगर हम अभी से अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति अपनी जवाबदेही तय करेंगे, तब बदलाव आयेगा.

मासिका महोत्सव में शामिल बच्चे व अन्य.

मजदूर की बेटी बीएड व पीजी तक पढ़ाई की: चाकसोल की छात्रा पूर्णिमा महाली की कहानी अभिभावकों को सुनायी गयी. पूर्णिमा के पिता मजदूर हैं. पूर्णिमा ने कड़ी मेहनत कर पीजी तक पढ़ाई पूरी की. उसके बाद बीएड की पढ़ाई कर शिक्षिका बनने का सपना देख रही है. कार्यक्रम में बताया गया कि बच्चों की शिक्षा के साथ स्वास्थ्य व पोषण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है.

माहवारी के प्रति जागरूक हुईं महिलाएं : महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य में माहवारी के प्रति अपनी शर्म को तोड़ना व स्वच्छता के सही साधनों का उपयोग करना अहम है. बच्चियों व महिलाओं को विस्तार से गुड टच, बैड टच, माहवारी प्रबंधन साधनों के उपयोग, माहवारी स्वच्छता से जुड़े विज्ञान, पीरियड ट्रैकर के उपयोग, बीमारियों व उससे बचने के उपाय, माहवारी से जुड़े सामाजिक मिथकों पर विस्तार से चर्चा कर उनके मन की भ्रांतियां दूर करने की कोशिश की गयी. **पर्यावरण अनुकूल सेनिटरी पैड वितरित:** कार्यक्रम में शामिल 70 बच्चों व महिलाओं को पर्यावरण अनुकूल सेनिटरी पैड व जागरूकता के लिए मेंसट्रूपीडिया कॉमिक्स और जागरूकता पर्चियां दी गयीं. कार्यक्रम को सफल बनाने में गुड़ाबांधा के सामाजिक कार्यकर्ता सुदाम हेंब्रम व ट्राइबल पैडमैन बैद्यनाथ हांसदा का महत्वपूर्ण योगदान रहा. किशोर-किशोरियों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य व जेंडर की बेहतर जागरूकता के लिए गर्मियों की छुट्टियों के बाद गुड़ाबांधा व डुमरिया के उच्च विद्यालयों में लगातार कार्यशाला आयोजित करने की योजना बनायी गयी.

प्रभात खबर Saturday, June 1, 2024
Ghatsila
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/665a1e5c5d33851fb566d4c1

गुड़ाबांदा. सिंहपुरा पंचायत के चाकसोल, तरासपुर व सिंहपुरा गांव में आयोजन

मासिका महोत्सव में किशोरियों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर जोर

- पैडमैन तरुण कुमार ने अभिभावकों से किया आह्वान
- किशोरियों व महिलाओं को बांटी गयी मेंसट्रूपीडिया कॉमिक्स "वी द चेंज"

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

मासिका महोत्सव में शामिल बच्चे व अन्य.

अभिभावकों व बच्चों को शिक्षा व माहवारी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुड़ाबांदा प्रखंड स्थित सिंहपुरा पंचायत के चाकसोल, तरासपूर व सिंहपुरा गांवों में दो दिवसीय मासिका महोत्सव का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान झारखंड के पैडमैन के नाम से जाने जाने वाले निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने अभिभावकों से अपने बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य पर विशेष महत्व देने का आग्रह किया. इस दौरान किशोरियों व महिलाओं को मेंसट्रूपीडिया कॉमिक्स "वी द चेंज" देकर प्रेरित किया गया.

इन गांवों में महिलाएं बांस का सामान, खेतों में मजदूरी व जंगलों से महुआ चुनकर अपना जीवनयापन करती हैं. कार्यक्रम में बताया गया कि बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ साथ बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके.

साथ ही महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य में माहवारी के प्रति अपनी शर्म को तोड़ने व स्वच्छता के सही साधनों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया. इस दौरान बच्चियों व महिलाओं को विस्तार से गुड टच, बैड टच, माहवारी प्रबंधन साधनों के उपयोग, माहवारी स्वच्छता से जुड़े विज्ञान, पीरियड ट्रैकर के उपयोग, बीमारियों व उससे बचने के उपायों, माहवारी से जुड़े सामाजिक मिथकों को दूर करने की कोशिश की गयी.

विभिन्न गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल लगभग 70 किशोरियों व महिलाओं को पर्यावरण अनुकूल सेनेटरी पैड व जागरूकता के लिए मेंसट्रूपीडिया कॉमिक्स, जागरूकता पर्चियां दी गयी. सामाजिक संस्था निश्चय जनभागीदारी से सुदूर इलाकों के बच्चों के बेहतरी हेतु सहयोग जुटाकर अभियान चलाने की कोशिश करती है. कार्यक्रम में वितरण हेतु पर्यावरण अनुकूल सेनेटरी पैड जागृति फाउंडेशन, पुणे की स्वानंदी रथ जी के द्वारा डोनेट किया गया था. वहीं, मेंसट्रूपीडिया कॉमिक्स "वी द चेंज", नयी दिल्ली की फरहीन नाज के द्वारा मुहैया करवाया गया है. वहीं, कार्यक्रम को सफल बनाने मे गुड़ाबांदा के सामाजिक कार्यकर्ता सुदाम हेंब्रम व ट्राइबल पैडमैन बैद्यनाथ हांसदा का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

प्रभात खबर
Saturday, June 1, 2024
Jamshedpur-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/665a22fd166c5e8ea793d45c

पहल बेटियों के नाम का नेमप्लेट लगानेवाले तिरिंग में मासिका महोत्सव

बेटियों ने ली शर्म और झिझक तोड़ने की शपथ

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर झारखंड के पैडमैन तरुण कुमार ने किया जागरूक

jamshedpur@inext.co.in

JAMSHEDPUR (28 May) : विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के मौके पर बेटियों के सम्मान को महत्व देने वाले गांव तिरिंग में सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन द्वारा मासिका महोत्सव का आयोजन किया गया. झारखंड के पैडमैन के रूप में जाने जाने वाले तरुण कुमार ने किशोरियों और माताओं को संबोधित करते हुए बताया कि तिरिंग गांव के हर घर पर बेटियों और माताओं के नाम का नेमप्लेट गांव को बेहद खास बनाता है, बेटियों के सम्मान को बढ़ाने वाले इस अनोखे अभियान की बदौलत जमशेदपुर पोटका के तिरिंग गांव को देश भर में जाना जाता है. बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति उचित जागरूकता बेहद अहम है. महिलाओं और किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए माहवारी के प्रति शर्म झिझक तोड़ना और माहवारी के दौरान उचित साफ सफाई रखना बेहद जरूरी है. महिलाओं ही नहीं, बल्कि पुरुषों को भी माहवारी स्वच्छता के प्रति बेहतर समझ रखनी जरूरी है.

पैडमैन तरुण कुमार ने किया अवेयर.

पीरियड लाइब्रेरी खुलेगी

मासिका महोत्सव कार्यक्रम के दौरान बच्चियों को पर्यावरण अनुकूल सैनिटरी पैड उपलब्ध करवाए गए. वही गांव में पीरियड पुस्तकालय की शुरुआत की गई. पीरियड पुस्तकालय के माध्यम से बच्चियां कॉमिक्स व किताबों के माध्यम से महिलाओं से जुड़े विषयों पर अपनी समझ बढ़ा सकेंगी. वही अगले छः महीनो में विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से गांव की किशोरियों और महिलाओं में स्वास्थ्य, शिक्षा, जेंडर, महिला अधिकारों व बालक बालिका समानता जैसे प्रमुख विषयों के प्रति समुचित जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा. मौके पर 40 से ज्यादा किशोरियां व महिलाएं समेत जल सहिया चांदनी सरदार, मंजू सरदार, सुमन सरदार, संतोष शर्मा व अन्य उपस्थित थीं.

मिथकों पर विस्तार से चर्चा

गांव में लगभग तीन घंटे तक चले मासिका महोत्सव कार्यक्रम में बच्चियों को विस्तार से माहवारी स्वास्थ्य, स्वच्छता हेतु माहवारी प्रबंधन साधनों के उपयोग, माहवारी स्वच्छता से जुड़े विज्ञान, पीरियड ट्रैकर के उपयोग, बीमारियों व उससे बचने के उपायों, माहवारी से जुड़े सामाजिक मिथकों पर विस्तार से चर्चा की गई. कार्यक्रम के दौरान किशोरियों व महिलाओं ने कई सवाल पूछे, जिससे उनके मन की कई भ्रांतियां दूर हुई.

पोटका. तिरिंग के रोलाघुटू गांव में माहवारी स्वच्छता महोत्सव का आयोजन

कार्यक्रम में मौजूद लोग.

माहवारी के प्रति महिलाएं झिझक तोड़ें

- महिलाओं को माहवारी के दौरान साफ-सफाई के प्रति किया जागरूक

प्रतिनिधि, पोटका

पोटका के तिरिंग के रोलाघुटू में निश्चय फाउंडेशन की ओर से माहवारी स्वच्छता महोत्सव का आयोजन किया गया. इस मौके पर पैडमैन के रूप में विख्यात तरुण कुमार ने किशोरियों और माताओं को माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया. उन्होंने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना अहम है.

महिलाओं और किशोरियों को माहवारी के प्रति झिझक तोड़ना होगा. माहवारी के दौरान उचित साफ सफाई रखना बेहद जरूरी है. महिलाओं के लिए सेहतमंद जिंदगी का आधार माहवारी स्वच्छता है. महिलाओं के अलावे पुरुषों को भी माहवारी स्वच्छता के प्रति बेहतर समझ रखना आवश्यक है. लगभग तीन घंटे तक चले इस कार्यक्रम में बच्चियों को विस्तार से माहवारी स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गयी. इस मौके पर किशोरियों व महिलाओं ने कई सवाल पूछे. तरुण कुमार ने उनकी शंकाओं को दूर किया.

गांव में पीरियड पुस्तकालय का शुभारंभ

माहवारी महोत्सव के दौरान बच्चियों को सेनिटरी पैड उपलब्ध कराये गये. गांव में पीरियड पुस्तकालय की शुरूआत की गयी. पीरियड पुस्तकालय के माध्यम से बच्चियां कॉमिक्स व किताबों के माध्यम से अपनी समझ बढ़ा सकेंगी. वहीं अगले छह माह में कई जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होगा. इस मौके पर जल सहिया चांदनी सरदार, मंजू सरदार, सुमन सरदार, संतोष शर्मा मौजूद थे.

स्वास्थ्य से जुड़ीं समस्याओं को नि:संकोच बताएं

- कोवाली व सानग्राम में युवा ने मनाया विश्व माहवारी दिवस
- माहवारी से जुड़ीं कुरीतियों के कारण महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा पर चर्चा

पोटका. सामाजिक संस्था यूथ यूनिटी फॉर वॉलंटरी एक्शन (युवा) ने पोटका प्रखंड की कोवाली व सानग्राम पंचायत में अलग-अलग विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस मनाया. इस अवसर पर माहवारी से जुड़ी कुरीतियों व इससे महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा पर चर्चा की गयी. कोवाली में युवा संस्था की सदस्य अंजना देवगम व सानग्राम में ज्योति हेंब्रम ने बताया कि महिलाओं की मासिक धर्म का चक्र 28 दिन का होता है, पूरे विश्व में माहवारी स्वच्छता और इससे जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूकता फ़ैलाने के लिए 28 मई को चुना गया है. माहवारी स्वच्छता महिलाओं, लड़कियों की सेहत से जुड़ा हुआ बहुत अहम् मुद्दा है, क्योंकि कई बार माहवारी की वजह से लड़कियों, महिलाओं के साथ भेदभाव व हिंसा भी होती है. क्योंकि समाज में अभी भी माहवारी से जुड़ी कुरीतियां हैं. जिससे महिलाएं प्रभावित हो रही हैं. उन्होंने आग्रह किया कि सेनेटरी पैड की व्यवस्था सुगम व निःशुल्क होनी चाहिए, जिससे हर व्यक्ति आसानी से ले सके. कोई भी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को लेकर शर्माएं नहीं, बल्कि निःसंकोच होकर बताएं. कोवाली में चांदमनी सावैयां, शिवानी भकत, गीतांजलि, कलावती और सानग्राम में रीला सरदार, अवंती सरदार, किरण सरदार आदि मौजूद थीं.

प्रभात खबर
Wednesday, May 29, 2024
Ghatsila
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/66562b603fce2a50178c2035

महिलाओं के साथ पुरुष भी रखें माहवारी स्वच्छता की समझ

तिरिंग गांव में निश्चय फाउंडेशन का मासिका महोत्सव

जमशेदपुर, 28 मई (रिपोर्टर) : विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के मौके पर बेटियों के सम्मान को महत्व देनेवाले गांव तिरिंग में सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन द्वारा मासिका महोत्सव का आयोजन किया गया. इस दौरान झारखंड के 'पैडमेन' तरुण कुमार ने बताया कि महिला व किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए माहवारी के प्रति झिझक तोड़ना और माहवारी के दौरान उचित साफ सफाई रखना बेहद जरूरी है. महिला ही नहीं बल्कि पुरुषों को भी माहवारी स्वच्छता के प्रति बेहतर समझ रखना आवश्यक है. उक्त कार्यक्रम में बच्चियों को माहवारी स्वास्थ्य, स्वच्छता हेतु माहवारी प्रबंधन साधनों के उपयोग, माहवारी स्वच्छता से जुड़े विज्ञान, पीरियड ट्रैकर के उपयोग, बीमारियों व उससे बचने के उपाय, माहवारी से जुड़े सामाजिक मिथकों पर चर्चा की गई.

कार्यक्रम के दौरान बच्चियों को पर्यावरण अनुकूल सैनिटरी पैड उपलब्ध करवाए गए और गांव में पीरियड पुस्तकालय की शुरुआत की गई. उक्त पुस्तकालय के माध्यम से बच्चियां कॉमिक्स व किताबों के माध्यम से महिलाओं से जुड़े विषयों पर अपनी समझ बढ़ा सकेंगी. मौके पर 40 से ज्यादा किशोरी व महिला समेत जल सहिया चांदनी सरदार, मंजू सरदार, सुमन सरदार, संतोष शर्मा व अन्य मौजूद थीं.

प्रकृति संरक्षण एवं पौधरोपण के लिए करते हैं प्रोत्साहित

तरूण कुमार

'कोल्हान के पैडमैन' के नाम से प्रसिद्ध तरुण कुमार कई सालों से 'एक पैड, एक पेड़' अभियान चला रहे हैं. इसके तहत वे जमशेदपुर के सुदूर ग्रामीण इलाकों में जाकर किशोरियों एवं महिलाओं को माहवारी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हैं. साथ ही अपने खर्चे पर सैनिटरी पैड और एक पौधा भी देते हैं. तरुण का मानना है कि माहवारी में स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सैनिटरी पैड का उपयोग करना महिलाओं की एक नैसर्गिक जरूरत है. साथ ही, प्रकृति की नैसर्गिकता को बनाये रखने के लिए पौधारोपण भी जरूरी है. तरुण ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को शिक्षित करने का कार्य भी करते हैं और वहां भी वह बच्चों को प्रकृति संरक्षण एवं पौधरोपण के लिए प्रोत्साहित करते हैं. तरुण जिन बच्चों को पौधा देते हैं, उन बच्चों तथा उनके अभिभावकों की यह जिम्मेदारी होती है कि वे उसका पोषण एवं संरक्षण करें.

उनका मानना है कि जब बच्चे खुद पौधों तथा वृक्षों की देखभाल करना सीखेंगे, तभी वे इससे जुड़ाव भी महसूस करेंगे. अब तक अपने इस अभियान के तहत तरुण जमशेदपुर के ग्रामीण इलाकों में सैकड़ों पौधे लगवा चुके हैं.

प्रकृति है तो हम हैं

बच्चों को मिट्टी में खेलने दें, धूल में लोटने दें,

प्रभात खबर Sunday, June 2, 2024
Ghatsila
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/665b6864088bbba9d43c56ff

घाटशिला कॉलेज. ई-कचरा निस्तारण व सोशल मीडिया पर फेक न्यूज की पहचान पर कार्यशाला

सोशल मीडिया पर आंख मूंदकर भरोसा न करें : तरुण कुमार

संवाददाता, घाटशिला

घाटशिला कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना और राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य डॉ आरके चौधरी की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें फैक्ट कार्यशाला लर्निंग के तहत ई कचरा निस्तारण और सोशल मीडिया पर प्रसारित होनी वाली फेक न्यूज की पहचान करने पर चर्चा हुई. मुख्य वक्ता निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार थे. ई-कचरा निस्तारण के संबंध में प्रो इंदल पासवान ने चर्चा की. सभी से इस पर सहयोग की अपील की.

प्राचार्य ने पौधा देकर मुख्य वक्ता तरुण कुमार का स्वागत किया. स्वागत भाषण दिया. मौके पर तरुण कुमार ने कहा कि गलत सूचनाओं का असर हमारे मन मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाता है. जैसे विद्यार्थी कक्षा में शिक्षकों पर भरोसा कर पढ़ाई करते हैं. वैसे ही हमें गलत सूचनाओं पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए. गलत सूचनाओं को परखना चाहिए. फेक न्यूज के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए. गलत सूचनाएं हमें नुकसान पहुंचाते हैं. हम खुलकर

सोशल मीडिया पर अपनी बातों को रख सकते हैं. सोशल मीडिया पर प्रसारित सूचनाओं को परखने की जरूरत है. 100 में 60 से 65 सूचनाएं भ्रामक मिलेंगी. उन्होंने सूचनाओं को परखने और उससे बचने के उपाय बताये. विद्यार्थियों और शिक्षकों से पुराने इलेक्ट्रॉनिक्स सामान जो खराब अवस्था में घरों में पड़े हैं. उसे एकत्रित कर कॉलेज में जमा करने को कहा. प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक्स सामान से होने वाले खतरों से सभी को अवगत कराया. पर्यावरण संरक्षण के लिए उसे कैसे रिड्यूस, रीयूज और रिसायकल करें इसके उपाय भी बताये गये

मौके पर डॉ नरेश कुमार, डॉ एसके सिंह, डॉ दिलचंद राम, प्रो अर्चना सुरीन, प्रो मो सज्जाद, डॉ कुमार विशाल, प्रो डेजी सेवा, प्रो मल्लिका शर्मा समेत एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस वोलेंटियर्स और और जूलॉजी और राजनीति विज्ञान के विद्यार्थी उपस्थित थे.

प्रभात खबर Thu, 28 April 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/67713615

nischay

वीर शहीद गणेश हांसदा की स्मृति में कोसाफलिया में 54 यूनिट रक्त संग्रह

खबर मन्त्र ब्यूरो

बहरागोड़ा / जमशेदपुर। देश की रक्षा करते हुए झारखंड के वीर सपूत गणेश हांसदा जी ने गलवान घाटी में चीन से लड़ते हुए 16 जून 2020 को अपनी शहादत दी थी। शहादत के दो वर्ष पूरे होने पर पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा स्थित कोसाफलिया में सामाजिक संस्था नई जिंदगी एवं निश्चय फाउंडेशन के द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया। इस दौरान पंचायत के कई गांवों में बच्चों एवं बड़ों ने वीर शहीद गणेश हांसदा की स्मृति में घरों में वृक्षारोपण कर वीर शहीद की शहादत को याद किया। शहादत दिवस के मौके पर ट्राइबल ब्लड डोनर राजेश मार्डी, वीर शहीद गणेश हांसदा के बड़े भाई दिनेश हांसदा जी एवं समस्त शहीद परिवार के सहयोग से रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदाताओं को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र के साथ-साथ एक पैड, एक पेड़ देकर सम्मानित किया गया।

पौधे बांटते निश्चय के संस्थापक और पैडमैन तरुण कुमार।

खबर मन्त्र Sat, 18 June 2022
https://epaper.dailykhabarmantra.com/c/68686775

शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के तीसरे बैच का आया परिणाम

- विज्ञान संकाय से पढ़ाई कर रहे घाटशिला अनुमंडल के सभी पांच बच्चों ने उत्तीर्ण की 12वीं की परीक्षा

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिले के सुदूर प्रखंड बहरागोड़ा स्थित कोसाफलिया गांव के वीर शहीद गणेश हांसदा की स्मृति में सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन द्वारा वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप व पुस्तकालय अभियान चलाया जाता है. इसके तहत हर वर्ष सुविधावंचित परिवारों से आने वाले पांच प्रतिभाशाली बच्चों का चयन किया जाता है. फेलोशिप के तहत बच्चों को मैट्रिक से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई में लगातार मार्गदर्शन व सहयोग किया जाता है. पिछले सप्ताह झारखंड इंटरमीडिएट 2024 के जारी परिणाम में फेलोशिप के तीसरे बैच 2022 के सभी पांच बच्चों ने विज्ञान संकाय से पढ़ाई कर इंटरमीडिएट परीक्षा पास कर ली है. चार बच्चों ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की, वहीं एक बच्चे ने द्वितीय श्रेणी से परीक्षा पास की. मुसाबनी के बादिया गांव की कल्याणी थायल व चाकुलिया के सोनाहातु गांव के अमृत महतो 405 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से अव्वल रहे. इंटरमीडिएट परीक्षा में सफल बच्चों को कोसाफालिया स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में शहीद गणेश हांसदा के पिता सुगदा हांसदा द्वारा सम्मानित किया गया. सम्मान समारोह में बहरागोड़ा के पुटुलियाशोल गांव के जयदीप महाकुड, अर्जुनबेडा गांव की शिवानी घोष, चाकुलिया के सोनाहातू गांव के अमृत महतो, मुसाबनी के बादिया गांव की कल्याणी थायल, लावकेसरा गांव की कोमल मार्डी को सम्मानित किया गया.

abarmantra.net **जमशेदपुर** रांची, बुधवार 29.05.2024 खबर मन्त्र 03

बेटियों के नाम का नेमप्लेट लगा सम्मान देने वाले गांव तिरिंग में मना मासिका महोत्सव

- माहवारी स्वच्छता के विज्ञान को सीख बेटियों ने ली शर्म झिझक तोड़ने की शपथ
- माहवारी के दौरान बीमारियों से बचने हेतु उचित साफ सफाई रखना बेहद अहम

खबर मन्त्र ब्यूरो

छात्राओं को मासिक स्वच्छता के बारे में जागरूक करते निश्चय फाउंडेशन के तरुण कुमार।

पोटका /जमशेदपुर। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर बेटियों के सम्मान को महत्व देने वाले गांव तिरिंग में सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के द्वारा मासिका महोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान झारखंड के पैडमेन के रूप में जाने जाने वाले तरुण कुमार ने किशोरियों और माताओं को संबोधित करते हुए बताया कि ''तिरिंग गांव के हर घर पर बेटियों और माताओं के नाम का नेमप्लेट आपके गांव को बेहद खास बनाता है, बेटियों को सम्मान को बढ़ाने वाले इस अनोखे अभियान के बदौलत जमशेदपुर पोटका के तिरिंग गांव को देश भर में जाना जाता है।

बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति उचित जागरूकता बेहद अहम है। महिलाओं और किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए माहवारी के प्रति शर्म झिझक तोड़ना और माहवारी के दौरान उचित साफ सफाई रखना बेहद जरूरी है। महिलाओं ही नही बल्कि पुरुषों को भी माहवारी स्वच्छता के प्रति बेहतर समझ रखना आवश्यक है।

गांव में लगभग तीन घंटे तक चले मासिका महोत्सव कार्यक्रम में बच्चियों को विस्तार से माहवारी स्वास्थ्य, स्वच्छता हेतु माहवारी प्रबंधन साधनों के उपयोग, माहवारी स्वच्छता से जुड़े विज्ञान, पीरियड ट्रैकर के उपयोग, बीमारियों व उससे बचने के उपायों, माहवारी से जुड़े सामाजिक मिथकों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान किशोरियों व महिलाओं ने कई सवाल पूछे, जिससे उनके मन की कई भ्रांतियां दूर हुई।

पीरियड पुस्तकालय की स्थापना, कमिक्स व किताबों के माध्यम से किशोरियों व महिलाओ की बढ़ेगी समझ, अगले छः महीनों में आयोजित होंगे कई जागरूकता कार्यक्रम मासिका महोत्सव कार्यक्रम के दौरान बच्चियों को पर्यावरण अनुकूल सैनिटरी पैड उपलब्ध करवाए गए। वही गांव में पीरियड पुस्तकालय की शुरुआत की गई। पीरियड पुस्तकालय के माध्यम से बच्चियां कमिक्स व किताबों के माध्यम से महिलाओं से जुड़े विषयों पर अपनी समझ बढ़ा सकेंगी। वही अगले छः महीनो में विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से गांव की किशोरियां व महिलाओं में स्वास्थ्य, शिक्षा, जेंडर, महिला अधिकारों व बालक बालिका समानता जैसे प्रमुख विषयों के प्रति समुचित जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जायेगा।

मौके पर की 40 से ज्यादा किशोरियां व महिलाए समेत जल सहिया चांदनी सरदार, मंजू सरदार, सुमन सरदार, संतोष शर्मा व अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर घाटशिला 31-01-2024

वार्षिक वनभोज व खेलकूद प्रतियोगिता में स्कूल के बच्चों ने जमकर की मस्ती

मिक्स जेंडर क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता बनी हरमनप्रीत कौर एकादश की टीम

भास्कर न्यूज | घाटशिला

उमवि धातकीडीह में वार्षिक खेलकूद व वनभोज कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिवार एवं सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। आयोजन में विद्यालय के सभी छात्र-छात्रा, विद्यालय प्रबंधन समिति, माता समिति, पंचायत प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान व अन्य मुख्य रूप से उपस्थित थे। वनभोज को लेकर विद्यालय के बच्चे बेहद उत्साहित थे। सुबह से ही रंग बिरंगे व पारंपरिक परिधानों में सजे बच्चे विद्यालय पहुंचने लगे।

धूप खिलते ही खेल प्रतिस्पर्धाओं की शुरुआत हुई। विभिन्न आयु वर्ग श्रेणियों में बच्चों ने गणित दौड़, सुई धागा, बोरा रेस, गोली चम्मच रेस, बबल स्ट्रा गेम, हांडी फोड़, बिस्कुट दौड़, म्यूजिकल चेयर इत्यादि समेत दर्जनों खेल आयोजित हुए। इस दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। सभी खेलों के विभिन्न श्रेणी में लगभग 68 पुरस्कार बच्चों ने जीते। बालक बालिका समानता को बढ़ावा देने हेतु मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। रोमांचक मुकाबले में कैप्टन हरमनप्रीत एकादश ने कैप्टन रोहित शर्मा एकादश को 2 रनों से शिकस्त दी। जानकारी हो कि उमवि धातकीडीह पूर्वी सिंहभूम का एकमात्र विद्यालय है, जहां मिक्स जेंडर क्रिकेट टीम है। मिक्स जेंडर क्रिकेट टीम की खासियत यह है की दोनों टीमों में लड़के लड़कियां दोनों ही एक साथ मिलकर क्रिकेट खेलते हैं। जिससे बालक बालिका समानता के संदेश को बल मिलता है। मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच कैप्टन रोहित शर्मा एकादश बनाम कैप्टन हरमनप्रीत कौर एकादश के बीच खेला गया। हरमनप्रीत एकादश की कप्तान अवंति मुर्मू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। हरमनप्रीत एकादश ने निर्धारित पांच ओवर में चार विकेट खोकर कुल 43 रन बनाए। 44 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रोहित शर्मा एकादश की शुरुआत धीमी रही, लेकिन छोटी और रुद्र की सलामी जोड़ी ने तेजी दिखाते हुए, 4 ओवर्स में स्कोर को 32 रन तक पहुंचा दिया। आखिरी ओवर का खेल बेहद रोमांचक रहा, आखिरी गेंद पर जीत के लिए 4 रनों की जरूरत थी, लेकिन रोहित एकादश 2 रन से मैच हार गई। विजेता टीम की कप्तान अवंतिका ने बताया की \'गांव की लड़कियों को खेल के मैदान पर आकर खेलना भी बड़ी बात है, मिक्स जेंडर मैच में लड़कों के साथ मिलकर खेलना बालक बालिका समानता को बढ़ावा देता है। गांव की हम लड़कियां भी खेल में आगे बढ़ सकती है। विजेता व उपविजेता टीम को महुलिया पंचायत की मुखिया नेहा सिंह, उपमुखिया कपिलदेव शर्मा, ग्राम प्रधान लक्ष्मीकांत सोरेन ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

देवेशी के पहले जन्मदिन पर बच्चों के साथ बांटी खुशियां

आदित्यपुर जमशेदपुर की करिश्मा शर्मा व प्रभात शर्मा ने अपनी बिटिया देवेशी के पहले जन्मदिन की खुशियां सुदूर गांव में स्थित विद्यालय के बच्चों के साथ खुशियां बांटकर मनाई। मौके पर विद्यालय के बच्चों ने केक काटकर जन्मदिन मनाया। शर्मा परिवार वनभोज एवं खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम के प्रायोजक रहे। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद की प्रमुख भूमिका रही। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक बापी पाल, निखिल रंजन धावड़िया, सिंगो सोरेन, अमरजीत माझी, बाल संसद, विद्यालय प्रबंधन समिति, माता समिति की सक्रिय भागीदारी रही।

एमबीएनएस में लैंगिक समानता पर कार्यशाला

जमशेदपुर। एमबीएनएस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकशन में लैंगिक समानता के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत प्रिंसिपल इन चार्ज पिंकी सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और व्याख्याता निश्चय के संस्थापक एवं सचिव तरुण कुमार थे। कार्यशाला में तरुण कुमार ने लैंगिक समानता के बारे में बताया।

धातकीडीह उमवि में वार्षिक खेलकूद और वनभोज आयोजित, बच्चों ने 68 पुरस्कार जीते

हरमनप्रीत एकादश दो रन से जीता, मिली ट्रॉफी

संवाददाता, गालूडीह

शिक्षक व अतिथि के साथ पुरस्कृत बच्चे.

उमवि धातकीडीह में वार्षिक खेलकूद व वनभोज मंगलवार को विद्यालय परिवार व सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ. इस दौरान विभिन्न आयु वर्ग श्रेणियों में बच्चों ने गणित दौड़, सुई धागा, बोरा रेस, गोली चम्मच रेस, बबल स्ट्रा गेम, हांडी फोड़, बिस्कुट दौड़, म्यूजिकल चेयर आदि खेलों में भाग लिया. सभी खेलों की विभिन्न कैटेगरी में 68 पुरस्कार बच्चों ने जीते. वहीं, बालक-बालिका समानता को बढ़ावा देने के लिए मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच कैप्टन रोहित शर्मा एकादश बनाम कैप्टन हरमनप्रीत कौर एकादश के बीच खेला गया. जिसमें हरमनप्रीत एकादश की कप्तान अवंति मुर्मू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया. हरमनप्रीत एकादश ने निर्धारित पांच ओवर में चार विकेट खोकर कुल 43 रन बनाये. 44 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रोहित शर्मा एकादश ने 4 ओवर्स में स्कोर को 32 रन तक पहुंचा दिया. आखिरी गेंद पर जीत के लिए 4 रनों की जरूरत थी, लेकिन रोहित एकादश 2 रन से मैच हार गयी. विजेता टीम की कप्तान अवंतिका ने बताया कि गांव की लड़कियों को खेल के मैदान पर आकर खेलना भी बड़ी बात है. विजेता व उपविजेता टीम को महुलिया की मुखिया नेहा सिंह, उपमुखिया कपिलदेव शर्मा, ग्राम प्रधान लक्ष्मीकांत सोरेन ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया.

जन्मदिन पर विद्यालय के बच्चों के साथ बांटीं खुशियां

आदित्यपुर की करिश्मा शर्मा व प्रभात शर्मा ने अपनी बिटिया देवेशी के पहले जन्मदिन की खुशियां सुदूर गांव में स्थित विद्यालय के बच्चों के साथ खुशियां बांटकर मनायी. जहां विद्यालय के बच्चों ने केक काटकर जन्मदिन मनाया. मौके पर साजिद अहमद, बापी पाल, निखिल रंजन धावड़िया, सिंगो सोरेन, अमरजीत माझी आदि मौजूद थे.

aper.prabhatkhabar.com

प्रभात खबर Wed, 31 January 2024
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/74466040

Girls break menstrual taboos at Masika Mahotsav in Patamda

Mail News Service

Jamshedpur, May 19: In a vibrant display of courage, creativity, and consciousness, Project Balika Uchch Vidyalaya, Macha, hosted the Masika Mahotsav under the joint aegis of the School Management Committee and Nishchay Foundation, as part of the Ruar 2025 Back to School Campaign. The festival brought together teenage girls, educators, and community leaders in an inspiring initiative to dismantle the silence, shame, and myths surrounding menstruation.

The event created a safe and inclusive space for girls to express themselves and confront conservative taboos. From designing rangolis of the female reproductive system to showcasing menstruation-themed paintings and wearing Masika Mahotsav mehndi, the school courtyard transformed into a canvas of awareness and empowerment. One of the standout activities was the Sanitary Pad Race, aimed at breaking the stigma of buying and carrying sanitary products publicly.

Six teams of three girls each participated in this unique race. Rinku Pramanik's team emerged victorious, while Nisha Singh's and Neha Singh's teams secured the second and third places respectively. The celebration also featured speech competitions, folk dances, and musical performances by students. Winners across all categories were felicitated by Circle Officer Rajendra Kumar Das, Welfare Officer Abhay Kumar, and Medical Officer C. Besra, who lauded the courage and creativity of the participants.

A special honour was conferred upon Aloka Rani Mahato, a student selected for the Under-17 State-Level National Yoga Olympiad 2025, for bringing pride to the region. The dignitaries addressed the gathering, commending the school's initiative in promoting education, health, and menstrual dignity.

A major highlight of the program was the launch of the Masika Mahotsav Activity Handbook, a resourceful guide filled with creative activities and games to promote menstrual hygiene using minimal community resources.

The handbook aims to assist educators and volunteers in facilitating open discussions around menstrual health.

Prominent attendees included School Principal Dr. Priyanka Jha, Management Committee Chairperson Rupa Mahato, Jharkhand's "Padman" Tarun Kumar, social workers Akash Mahato, Prakash Baske, and Sitesh Mahato. Teachers Dhananjay Kumar, Kumari Poonam, Ajit Singh, and Manik, along with other staff members, played a key role in organizing the event. (w/pb)

The Avenue Mail 20.05.2025

Teen girls redefine Menstrual Dialogue at Masika Mahotsav

PNS : JAMSHEDPUR

In a vibrant display of courage, creativity, and consciousness, Project Balika Uchch Vidyalaya, Macha, hosted the Masika Mahotsav under the joint aegis of the School Management Committee and Nishchay Foundation, as part of the Ruar 2025 Back to School Campaign. The festival brought together teenage girls, educators, and community leaders in an inspiring initiative to dismantle the silence, shame, and myths surrounding menstruation.

The event created a safe and inclusive space for girls to express themselves and confront conservative taboos. From designing rangolis of the female reproductive system to showcasing menstruation-themed paintings and wearing Masika Mahotsav mehndi, the school courtyard transformed into a canvas of awareness and empowerment.

One of the standout activities was the Sanitary Pad Race, aimed at breaking the stigma of buying and carrying sanitary products publicly. Six teams of three girls each participated in this unique race. Rinku Pramanik's team emerged victorious, while Nisha Singh and Neha Singh's teams secured the second and third places respectively.

The celebration also featured speech competitions, folk dances, and musical performances by students. Winners across all categories were felicitated by Circle Officer Rajendra Kumar Das, Welfare Officer Abhay Kumar, and Medical Officer C. Besra, who lauded the courage and creativity of the participants.

A special honour was conferred upon Aloka Rani Mahato, a student selected for the Under-17 State-Level National Yoga Olympiad 2025, for bringing pride to the region. The dignitaries addressed the gathering, commending the school's initiative in promoting education, health, and menstrual dignity.

A major highlight of the program was the launch of the Masika Mahotsav Activity Handbook, a resourceful guide filled with creative activities and games to promote menstrual hygiene using minimal community resources. The handbook aims to assist educators and volunteers in facilitating open discussions around menstrual health.

Prominent attendees included School Principal Dr. Priyanka Jha, Management Committee Chairperson Rupa Mahato, Jharkhand's "Padman" Tarun Kumar, social workers Akash Mahato, Prakash Baske, and Sitesh Mahato. Teachers Dhananjay Kumar, Kumari Poonam, Ajit Singh, and Manik, along with other staff members, played a key role in organizing the event.

The Pioneer, Ranchi 20.05.2025

'Period and Science' campaign launched to promote menstrual hygiene

Mail News Service

Jamshedpur, May 29: On the occasion of World Menstrual Hygiene Day, social organization Nishchay Foundation marked its 8th anniversary with the launch of a new public campaign titled "Period and Science", aiming to bridge the gap between menstrual health education and scientific curiosity among children from rural and underprivileged communities. The campaign was inaugurated through a workshop organized at the Kalpana Chawla Science Club in Pandrashali village, located near the Jharkhand-Odisha border.

The event focused on empowering adolescent girls and boys with accurate knowledge about menstruation, breaking age-old taboos, and fostering a scientific mindset from a young age. Over 60 children and women from various villages of Bada Lagada Panchayat participated, reflecting growing community engagement in menstrual awareness and science education.

Speaking at the event, Pradhan Biruwa, founder of the Kalpana Chawla Science Club, emphasized the importance of quality education in remote areas.

He noted that science education can open up new opportunities for rural youth and help dispel superstitions. Tarun Kumar, popularly known as Jharkhand's Padman and the founder of Nishchay Foundation, said the "Period and Science" campaign seeks to identify and nurture scientific interests in children during workshops on menstruation, health, and environmental awareness. "With proper guidance, tribal children can pursue careers in engineering, medicine, and research, making a mark in fields where their representation is currently minimal," he added.

Over the past eight years, Nishchay Foundation has reached nearly 1 lakh adolescent girls and women, educating them on menstrual hygiene, health, and rights through innovative campaigns like One Pad, One Tree, Period Library, and Mixed-Gender Cricket for Equality.

The foundation's persistent efforts have led to noticeable shifts in community attitudes, reducing stigma and misinformation surrounding menstruation.

Kanhu Murmu, Mukhiya of Keruwadungri Panchayat, lauded the campaign's positive impact on his community. He stated that the initiative has not only raised awareness among women and girls but also inspired broader acceptance and understanding of menstrual health in the region.

The workshop also featured the presence of Tribal Padman Baidyanath Hansda, along with active community members like Mithila Biruwa, Sumitra Biruwa, Ranjita Bari, and Shubham Dorai. As a gesture of support, participants received Project Bala reusable sanitary pads and educational books. (W-pb)

The Avenue Mail, 30.05.2025

Karim City College Empowers Students with UN Sustainable Development Goals

Mail News Service

Jamshedpur, Feb 7: In a concerted effort to foster awareness about the United Nations' Sustainable Development Goals (SDGs) and instill a sense of global citizenship, the Department of Mass Communication at Karim City College organized a capacity - building workshop today. The event, held in collaboration with prominent social organizations Nishchay and Rubaru, aimed at educating students on the importance of mutual harmony and coordination among the people of India to achieve the global goals of happiness and peace. Tarun Kumar from Nishchay organization, serving as the workshop instructor, introduced over 40 Mass Communication students to all 17 Sustainable Development Goals. Emphasis was placed on sensitizing participants to societal fractures stemming from differences like religion, caste, and class.

The workshop featured interactive sessions where students were encouraged to ask questions and engage in discussions on various topics related to the SDGs.

Participants were divided into groups, where they passionately presented their views on crucial issues such as quality education, health, poverty, justice, and gender equality. To deepen understanding, students assumed roles such as disabled individuals, farmers, and villagers, gaining insight into the challenges faced by different segments of society. A DNA film was screened to convey the message that the source of life for all human beings is the same. Dr. Neha Tiwari, head of the Mass Communication Department, outlined the purpose of the workshop and assigned students the task of creating a one-page newspaper, which will undergo future review. College Principal Dr. Mohammad Riaz extended special congratulations to the Mass Communication Department for the success of the workshop. Dr. Rashmi Kumari from the department was present, along with Sajid Parvez and Shahzeb Parvez, who played pivotal roles in organizing the program.

In her opening remarks, Dr. Neha Tiwari emphasized the need for such workshops to cultivate a holistic understanding of global challenges among the students. The active participation and enthusiasm displayed by the students were commendable, reflecting a commitment to shaping responsible and informed individuals. The success of this workshop underscores Karim City College's dedication to nurturing socially aware and responsible professionals in the field of Mass Communication. The engaging activities and discussions held during the session are expected to resonate with the students, promoting a deeper understanding of their roles in achieving sustainable development.

The Avenue Mail 07.02.2024

Breaking Taboos: Period and science workshop for rural girls

Mail News Service

Jamshedpur, June 15: As rural Jharkhand and Odisha celebrated the culturally significant Rajo festival, a tradition that symbolically marks the Earth's menstruation and rests agricultural activity for three days, the village of Dhatkidih in Ghatshila block witnessed a powerful blend of tradition and science. In a remarkable initiative, a Period and Science workshop was organized under the shade of a peepal tree, where women and girls engaged in an open, stigma-free discussion on menstruation—challenging long-held social taboos and myths.

Led by the village's women volunteers and adolescent girls, the event served as a platform to explore the cultural, scientific, and hygienic aspects of menstruation. The workshop drew participation from over 80 women and adolescent girls, reflecting growing awareness and readiness to break free from restrictive beliefs around periods.

The gathering focused on social beliefs and legends surrounding menstruation, particularly the perception of impurity associated with menstruating women. Participants shared personal experiences, noting that awareness around periods has significantly increased in Dhatkidih over the past few years. Still, they acknowledged that conservative views persist in other

nearby areas. Topics discussed included menstrual hygiene, the health of adolescent girls, the use of reusable menstrual products, and the scientific understanding of menstruation. The discussions were inclusive, honest, and aimed at educating women not just about physical health, but also about self-esteem and dignity. Dhatkidih has become a model village in the menstrual hygiene campaign, with nearly all women using reusable cloth pads for the past two years. These sustainable alternatives have brought relief from the financial burden of monthly pads and eliminated concerns about waste disposal. At the event, every participating woman was gifted a reusable pad from Project Bala, and a pledge was taken to identify and support newly settled women in the village who may not yet be connected with the menstrual health campaign. Speaking on the occasion, Tarun Kumar, founder of Nishchay Foundation and known across Jharkhand as the "Padman", emphasized the need for science-backed menstrual education rooted in cultural sensitivity. He shared, "This campaign is not just about hygiene. It's about equality, awareness, and reclaiming dignity." The event saw active participation and words of encouragement from Umvi Dhatkidih Principal Sajid Ahmed, Health Sahia Guruvari Soren, Water Sahia Sonamuni Murmu, teachers like Singhon Soren, and volunteers including Moumita Murmu, Basi Hansda, Sanjana, Kiran, Phulmani, and Sushmita. They discussed ways to further strengthen the campaign and expand it to neighboring villages. (W-pb)

The Avenue Mail 16.06.2025

धातकीडीह उमवि के बच्चों ने किया जमशेदपुर का शैक्षणिक भ्रमण

'हर व्यक्ति समाज के लिए खास है'

गालूडीह. धातकीडीह उमवि के बच्चों ने रविवार को जमशेदपुर का शैक्षणिक व सांस्कृतिक भ्रमण किया. लिटिल इप्टा और जमशेदपुर के बाल कलाकार और मेधावी बच्चों ने गोलमुरी स्थित मिराज सिनेमा में आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर देखी. फिल्म में विशेष रूप से सक्षम (स्पेशली एबल्ड) बच्चों के प्रति संवेदनशीलता और समानता का पाठ पढ़ाया गया है. फिल्म देखने के बाद सभी बच्चे लिटिल इप्टा पुस्तकालय पहुंचे, जहां फिल्म समीक्षा व चर्चा सत्र हुआ. बच्चों ने बताया कि उन्होंने सीखा कि हर व्यक्ति खास होता है. समाज को हर किसी को समझने व अपनाने की जरूरत है. बच्चों को बताया गया कि हर ऑनलाइन कंटेंट उपयोगी नहीं होता है. विवेकपूर्ण चयन जरूरी है. हूल दिवस की पूर्व संध्या पर बच्चों ने सोनारी स्थित ट्राइबल कल्चर सेंटर का दौरा कर संग्रहालय में आदिवासी सभ्यता की झलक देखी. उन्होंने संताल, हो, मुंडा, उरांव समेत 32 जनजातियों के इतिहास, रहन-सहन, परिधान, कृषि यंत्र, व अन्य परंपराओं को जाना. बिरसा मुंडा व सिदो-कान्हू की प्रतिमाएं देख बच्चों में उत्साह रहा. मौके पर करिश्मा शर्मा के सहयोग से बच्चों का जमशेदपुर भ्रमण आयोजित किया गया. करिश्मा ने अपना जन्मदिन ग्रामीण बच्चों संग मनाया. उन्हें उपहार भी दिये. कार्यक्रम निश्चय फाउंडेशन की पहल पर लिटिल इप्टा, कला मंदिर, मिराज सिनेमा व अन्य संस्थाओं के सहयोग से आयोजित हुआ. मौके पर प्राचार्य साजिद अहमद, निश्चय फाउंडेशन के तरुण कुमार, कलाकार इंद्रजीत महतो, फिल्मकार प्रकाश केसरी, इप्टा की अर्पिता, कलामंदिर से विपुल, नवोदय विद्यालय एलुमनी संतोषी गुप्ता, कलाकार इंद्रजीत महतो, फिल्मकार प्रकाश केसरी, कम्युनिटी टीचर मौमिता मुर्मू आदि उपस्थित थे.

जमशेदपुर में शैक्षणिक भ्रमण पर स्कूली बच्चे.

प्रभात खबर
Tuesday, July 1, 2025
Ghatsila
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/6862dc32481480241ed7847c

'विज्ञान की शिक्षा से बदलाव की संभावना'

जागरण संवाददाता, चाईबासाः विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन ने अपनी आठवीं वर्षगांठ के तहत "पीरियड एंड साइंस" जनअभियान का शुभारंभ पांड्राशाली गांव स्थित कल्पना चावला साइंस क्लब में "पीरियड एंड साइंस" कार्यशाला के माध्यम से किया। इस कार्यक्रम में कल्पना चावला साइंस क्लब के संस्थापक प्रधान बिरुवा, झारखंड के पैडमैन तरुण कुमार, ट्राइबल पैडमैन बैद्यनाथ हांसदा, और केरूवाडूंगरी पंचायत के मुखिया कान्हु मुर्मू उपस्थित थे।

कार्यशाला में उपस्थित बालिकाएं व महिलाएं • जागरण

कार्यशाला में महिला किशोरी स्वास्थ्य, माहवारी स्वच्छता का महत्व, पीरियड का विज्ञान, बालिका शिक्षा और वैज्ञानिक सोच से समाज में बदलाव पर चर्चा की गई। प्रधान बिरुवा ने कहा कि सुदूर गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आवश्यक है, और विज्ञान की शिक्षा समाज के लिए नए रास्ते खोलती है।

तरुण कुमार ने बताया कि पीरियड एंड साइंस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण विद्यालयों में शिक्षा, माहवारी स्वच्छता, किशोरी महिला स्वास्थ्य, और पर्यावरण जागरूकता पर कार्यशालाओं के माध्यम से बच्चों में वैज्ञानिक अभिरुचि को बढ़ावा देना है। इससे ग्रामीण और सुविधावंचित समुदाय के बच्चों को विज्ञान शिक्षा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

No pad waste for two years: Dhatkidih emerges as zero-waste role model

PNS : JAMSHEDPUR

On the occasion of World Menstrual Hygiene Day Week, a unique workshop titled "Period and Science" was held under the open sky beneath a tamarind tree in Patherdih village of Ghatshila. The initiative, jointly organized by Upgraded Middle School Dhatkidih and social organization Nishchay Foundation, aimed to spread awareness on menstrual hygiene while promoting science education among adolescent girls and women from rural and underprivileged communities. The workshop was led by former students of Dhatkidih School — Lilmani Munda and Moumita Murmu — and featured Tarun Kumar, popularly known as the Padman of Jharkhand, as the main speaker. He explained in detail the importance of menstrual hygiene, proper nutrition during adolescence, safe sanitary practices, and the science behind menstruation. He also touched on the harmful effects of child marriage and the positive social changes resulting from girls' education.

To ensure every participant could understand the session clearly, Lilmani translated Tarun's message into Bengali, while Moumita translated it into Santhali. This multi-lingual approach allowed for inclusive and impactful communication with rural women.

One of the highlights of the event was the distribution of eco-friendly reusable sanitary pads under Project Bala to all participating girls and women. This sustainable solution has already been adopted widely in nearby Dhatkidih village, where almost all women have been using reusable pads for the past two years. As a result, no pad waste is generated from the village, setting a powerful example of zero-waste menstrual hygiene management.

The event saw the participation of over 50 women and girls and was attended by Sajid Ahmed, Headmaster of UMV Dhatkidih, and Malti Murmu, President of the School Management Committee, among others.

Encouraged by the success, the school and Nishchay Foundation now plan to expand this campaign to every village in the school's catchment area, ensuring all adolescent girls and women are empowered with knowledge and sustainable solutions. The school has also been recognized for its continued efforts in keeping students engaged in education and social awareness activities even during long holidays.

This grassroots initiative is not just about health — it's about empowerment, environment, and education.

बेटियों को माहवारी स्वच्छता की दें जानकारी, स्वास्थ्य के लिए जरूरी

जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं व संस्था के लोग ● जागरण

- घाटशिला प्रखंड के पाथेरडीह गांव में पीरियड एंड साइंस कार्यशाला आयोजित
- उत्क्रमित मध्य विद्यालय धातकीडीह में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संस, जागरण ● घाटशिला : विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर पीरियड एंड साइंस जन अभियान की शुरुआत सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन झारखंड के द्वारा किया गया। अभियान के माध्यम से माहवारी स्वच्छता की शिक्षा के साथ साथ विज्ञान शिक्षा में भी ग्रामीण इलाके व सुविधा वंचित समुदायों के बच्चों की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि समाज में व्याप्त कई रूढ़िवादी धारणाओं से समाज को निकट भविष्य में सुरक्षित किया जा सके। रविवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय धातकीडीह परिवार व सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में घाटशिला के पाथेरडीह गांव में पीरियड एंड साइंस कार्यशाला का आयोजन सार्वजनिक रूप से किया गया।

कार्यशाला का आयोजन धातकीडीह विद्यालय के भूतपूर्व छात्राएं लीलमणि मुंडा व मौमिता मुर्मू के नेतृत्व में किया गया। कार्यशाला के दौरान झारखंड के पैडमैन तरुण कुमार ने गांव की महिलाओं व किशोरियों को माहवारी स्वच्छता, किशोरी महिला स्वास्थ्य, उचित पोषण, पीरियड के समय साफ सफाई का महत्व, सैनिटरी पैड के उपयोग समेत पीरियड के विज्ञान को विस्तार से बताया। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह के दुष्प्रभाव, बालिका शिक्षा से समाज में आने वाले बदलावो पर भी विस्तृत चर्चा की गई। वहीं बताया गया कि विज्ञान शिक्षा से भी कई सामाजिक कुरीतियों को समाज से बखूबी कम किया हटाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान उमवि धातकीडीह के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष मालती मुर्मू व बाल संसद के प्रधानमंत्री मानकों हांसदा सहित पूरी टीम मुख्य रूप से उपस्थित थे।

khabarmantra.net
जमशेदपुर
रांची, सोमवार
02.06.2025
खबर मन्त्र
03

पाथेरडीह गांव में 'पीरियड एंड साइंस' सेमिनार आयोजित, हिंदी, संथाली और बांग्ला भाषा में किशोरियों व महिलाओं को किया गया जागरूक

धातकीडीह गांव की सभी किशोरियां और महिलाएं रियूजेबल पैड का करती हैं इस्तेमाल

● अभियान से सभी किशोरियों व महिलाओं को जोड़ने की है योजना

खबर मन्त्र ब्यूरो

माहवारी स्वच्छता जागरुकता अभियान का दिखने लगा रंग

सेमिनार में महिलाओं और किशोरियों को जागरुक करते कोल्हान के पैडमैन तरुण कुमार।

घाटशिला/जमशेदपुर। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर 'पीरियड एंड साइंस' जन अभियान की शुरुआत सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन, झारखंड के द्वारा किया गया था।

अभियान के माध्यम से माहवारी स्वच्छता की शिक्षा के साथ साथ विज्ञान शिक्षा में भी ग्रामीण इलाके व सुविधावंचित समुदायों के बच्चों की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि समाज में व्याप्त कई रूढ़िवादी धारणाओं से समाज को निकट भविष्य में सुरक्षित किया जा सके।

रविवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय धातकीडीह परिवार और सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में घाटशिला के पाथेरडीह गांव में इमली पेड़ के नीचे 'पीरियड एंड साइंस' कार्यशाला का आयोजन सार्वजनिक रूप से किया गया। कार्यशाला का आयोजन धातकीडीह विद्यालय के भूतपूर्व छात्राएं लीलमणि मुंडा और मौमिता मुर्मू के नेतृत्व में किया गया। कार्यशाला के दौरान झारखंड के पैडमैन तरुण कुमार ने गांव की महिलाओं और किशोरियों को माहवारी स्वच्छता, किशोरी महिला स्वास्थ्य, उचित पोषण, पीरियड के समय साफ सफाई का महत्व, सैनिटरी पैड के उपयोग समेत पीरियड के विज्ञान को विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह के दुष्प्रभाव, बालिका शिक्षा से समाज में आने वाले बदलावों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। वही बताया गया कि विज्ञान शिक्षा से भी कई सामाजिक कुरीतियों को समाज से बखूबी कम किया, हटाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान पैडमैन तरुण कुमार के वक्तव्यों को लीलामणि मुंडा ने बांग्ला और मौमिता मुर्मू ने संथाली में भी बारी बारी से अनुवाद कर महिलाओं को बताया, ताकि ग्रामीण महिलाएं जरूरी बातों को बेहतर ढंग से समझ सके।

आज पाथेरडीह गांव में आयोजित कार्यक्रम ग्रासरूट्स पर चलाए जा रहे अभियानों के लिए एक ठोस मिशाल है। जहां समुदाय के जरूरतों के हिसाब से कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार की गई थी। गांव की महिलाएं हर महीने महंगा सैनिटरी पैड नहीं खरीद पाती, उनकी इस समस्या से छुटकारा दिलाने हेतु कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किशोरियों व महिलाओं को पर्यावरण अनुकूल प्रोजेक्ट वाला रियूजेबल पैड का उपहार भी दिया गया। बताते चले कि धातकीडीह गांव की लगभग सभी किशोरियां व महिलाएं पिछले दो वर्षों से रियूजेबल पैड का उपयोग करती है, जिससे उपयोग किए गए पैड का कोई भी अपशिष्ट संभवतः गांव से नहीं निकलता। कार्यक्रम के दौरान उमवि धातकीडीह के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष मालती मुर्मू व अन्य मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में दौरान 50 से ज्यादा लोग मौजूद रहे। जल्द ही विद्यालय के पोषक क्षेत्र के प्रत्येक गांव में कार्यशाला आयोजित कर अभियान से सभी किशोरियों व महिलाओं को जोड़ा जाएगा। लंबी छुट्टियों के दौरान भी गांव के बच्चे पढ़ाई और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहे, इस दिशा में विद्यालय हमेशा से उल्लेखनीय कार्य करते आ रहा है।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर निश्चय फाउंडेशन ने किया पीरियड एंड साइंस जनअभियान का शुभारंभ

■ अभियान से पीरियड शिक्षा के साथ विज्ञान शिक्षा में ग्रामीण इलाके व सुविधावंचित समुदायों के बच्चों की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास

■ झारखंड-ओडिशा सीमा के समीप पांड्राशाली स्थित कल्पना चावला साइंस क्लब में पीरियड एंड साइंस विषय पर सेमिनार आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

पीरियड एंड साइंस जन अभियान लांच करते निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार व समाजसेवी।

चाईबासा / जमशेदपुर। सुदूर ग्रामीण इलाके में निवास करने वाले बच्चे गुणवतापूर्ण शिक्षा के अभाव में विज्ञान की शिक्षा के प्रति रुचि जागृत नहीं कर पाते। वही समाज में व्याप्त रूढ़िवादी विचारधारा व अंधविश्वास को दूर भगाने के लिए देश के भविष्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकसित किया जाना भी जरूरी है। सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन ने शिक्षा, माहवारी स्वच्छता, किशोरी महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, एक पैड, एक पेड़ अभियान, पीरियड पुस्तकालय, बालक बालिका समानता पर आधारित मिक्स जेंडर क्रिकेट इत्यादि कई अभियानों के माध्यम से पिछ्ले 8 साल में कम से कम 1 लाख किशोरियों व महिलाओं को पीरियड के विज्ञान के प्रति जागरूक कर पीरियड से जुड़े शर्म झिझक, कई रूढ़िवादी धारणाओं व सामाजिक भ्रांतियों कुरीतियों से निजात दिलवाने का प्रयास किया है। अभियान के माध्यम से समाज में माहवारी व महिलाओं के प्रति व्याप्त कई रूढ़िवादी सोच के प्रति भी समुदाय में बेहतर समझ बनी है। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर निश्चय फाउंडेशन ने अपने 8वें वर्षगांठ के मौके पर पीरियड एंड साइंस जनअभियान का शुभारंभ झारखंड ओडिशा सीमा के समीप पांड्राशाली गांव स्थित कल्पना चावला साइंस क्लब में पीरियड एंड साइंस कार्यशाला की। कार्यक्रम में मंझारी स्थित कल्पना चावला साइंस क्लब, पांड्राशाली के संस्थापक प्रधान बिरुवा, झारखंड के पैडमैन सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार, ट्राइबल पैडमैन बैद्यनाथ हांसदा आदि उपस्थित थे।

डॉ कलाम ने विजन 2020 से देखा था विकसित भारत का सपना

खबर मन्त्र ब्यूरो

■ डॉ कलाम के प्रेरक कथनों और जीवन प्रसंगों से बच्चों को कराया गया अवगत

■ बच्चों व बड़ों ने डॉ कलाम के सपनों को साकार करने की दिशा में कार्य करने का लिया संकल्प

■ डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी के जन्मदिवस पर पटमदा +2 उच्च विद्यालय में कई कार्यक्रम

पटमदा। भारत के 11वे राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी के जन्मदिवस पर पटमदा स्थित राज्य संपोषित +2 उच्च विद्यालय, पटमदा में समूचे दिन कई कार्यक्रम आयोजित कर डॉ कलाम के उपलब्धियों व उनके आदर्शों से बच्चों को जागरूक किया गया। सुबह प्रार्थना सत्र के दौरान डॉ कलाम के तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद बाल संसद के बच्चों ने बारी बारी से डॉ कलाम के प्रेरक कथनों को सुनाया। वही शिक्षकों ने प्रेरक कथनों के पीछे की समूची कहानी से बच्चों को अवगत करवाया।

इस दौरान डॉ कलाम के प्रेरक कथनों - अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलो। इससे पहले कि सपने सच हों आपको सपने देखने होंगे। अगर हमें अपने सफलता के रास्ते पर निराशा हाथ लगती है इसका मतलब यह नहीं है कि हम कोशिश करना छोड़ दें, हर निराशा और असफलता के पीछे ही सफलता छिपी होती है। इत्यादि जैसे दर्जनों कथनों पर विस्तृत चर्चा हुई।

प्रधानाध्यापक डॉ मिथिलेश कुमार व निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने डॉ कलाम के रामेश्वरम में जन्म लेने, कठिनाइयों से जूझते हुए अपनी पढ़ाई पूरी करने, भारतीय सेना में नियुक्ति ना होने, फिर डीआरडीओ, इसरो से जुड़ अनुसंधान करने, मिसाइल बनाने, अंतरिक्ष में उपलब्धियों, भारत को परमाणु शक्ति बनाने, भारत के राष्ट्रपति बनने की कहानी, युवाओं को प्रेरित करने की कहानी विस्तार से सुनाई। इस दौरान डॉ कलाम से जुड़े कई प्रसंगो को बच्चों के साथ साझा किया गया। डॉ कलाम ने विजन 2020 के माध्यम से भारत को विकसित बनाने का सपना देखा था, जिसे हम सभी बच्चों व बड़ों को मिलकर साकार करना है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण इप्टा की अर्पिता के नेतृत्व में लिटिल इप्टा के बच्चों की प्रस्तुति रही, लिटिल इप्टा के नन्हें कलाकार नम्रता, वर्षा, सुरभि, श्रवण, सुजल, दिव्या ने भारत मां की आंख के तारे..., किताबें करती है बातें..., ढाई आखर प्रेम के पढ़ ले जरा... व अन्य गीत गाकर बच्चों व शिक्षकों का मन मोह लिया।

डॉ कलाम के जन्मदिवस पर विद्यालय परिसर में उनके प्रेरक प्रसंगो व कथनों के पोस्टर्स की गैलरी का शुभारंभ किया गया।

इवेंट्स @ सिटी

निश्चय फाउंडेशन ने की पीरियड एंड साइंस जन अभियान की शुरुआत

जमशेदपुर. विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर निश्चय फाउंडेशन ने अपनी 8वीं वर्षगांठ पर 'पीरियड एंड साइंस' जन अभियान की शुरुआत की. झारखंड-ओडिशा सीमा पर स्थित पांड्राशाली गांव के कल्पना चावला साइंस क्लब में इस अभियान के तहत एक कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यक्रम में कल्पना चावला साइंस क्लब के संस्थापक प्रधान बिरुवा, निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक "पैडमैन" तरुण कुमार, "ट्राइबल पैडमैन" बैद्यनाथ हांसदा और केरूवाडूंगरी पंचायत के मुखिया कान्हु मुर्मू उपस्थित थे. तरुण कुमार ने बताया कि अभियान का उद्देश्य गांवों और विद्यालयों में शिक्षा, माहवारी स्वच्छता, किशोरी स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना हैकार्यक्रम में छोटा लागडा पंचायत के कई गांवों से लगभग 60 बच्चे और महिलाएं शामिल हुईं.

प्रभात खबर
Thursday, May 29, 2025
Jamshedpur-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/683769859bc4de959ae4c1fa

छात्राओं ने मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों पर खुलकर रखे विचार

झिझक तोड़ने के लिए सैनिटरी पैड रेस में हुईं शामिल, मेहंदी भी रचाई

PHOTON NEWS JSR : रूआर 2025 बैक टू स्कूल अभियान के तहत पटमदा स्थित प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, माचा में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति व सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में मासिका महोत्सव हुआ। महोत्सव के दौरान किशोरियों ने महिला प्रजनन तंत्र पर रंगोली व पेंटिंग बनाई। पेंटिंग की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कई छात्राओं ने अपने हाथों में मासिका महोत्सव से जुड़ी मेहंदी भी रचाई थी। बाजार से सैनिटरी पैड खरीदने के बाद कई बच्चियां उसे छुपाकर घर लाती है, इस शर्म को तोड़ने के लिए सैनिटरी पैड रेस कराया गया। पैड रेस में 6 टीम शामिल थी, जिसमें रिंकू प्रमाणिक की टीम प्रथम, निशा सिंह की टीम द्वितीय और नेहा सिंह की टीम तृतीय रही। कई छात्राओं ने भाषण प्रतियोगिता में भी भाग लिया, वही रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य व संगीत की प्रस्तुति दी। पैड रेस, चित्रांकन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पटमदा के सर्किल ऑफिसर राजेंद्र कुमार दास, कल्याण पदाधिकारी अभय कुमार एवं चिकित्सा पदाधिकारी सी. बेसरा ने सम्मानित कर हौसला बढ़ाया। अंडर 17 राज्य स्तरीय नेशनल योग ओलंपियाड 2025 के लिए चयनित होकर इलाके का मान बढ़ाने वाली विद्यालय की छात्रा आलोका रानी महतो को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। महोत्सव के दौरान अतिथियों ने मासिका महोत्सव एक्टिविटी हैंडबुक का भी लोकार्पण किया। हैंडबुक में न्यूनतम संसाधनों के साथ समुदाय में माहवारी स्वच्छता को बढ़ाना देने की गतिविधियों व रोचक खेलों का वर्णन किया गया है। इस दौरान प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय, माचा की प्राचार्य डॉ. प्रियंका झा, प्रबंधन समिति की अध्यक्ष रूपा महतो, झारखंड के पैडमैन तरुण कुमार, आकाश महतो, चित्रकार प्रकाश बास्के, सितेश महतो आदि भी उपस्थित थे।

मेहंदी लगाती छात्राएं

धातकीडीह उमवि में किशोरी-महिला स्वास्थ्य व जेंडर समानता पर कार्यशाला आयोजित

मासिक धर्म में स्वच्छता बरतें : तरुण

स्तन व सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूक हुईं महिलाएं

संवाददाता, गालूडीह

धातकीडीह उमवि में बुधवार को सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन व उमवि धातकीडीह का साझा कार्यक्रम के तहत किशोरी-महिला स्वास्थ्य व जेंडर समानता पर कार्यशाला का आयोजन हुआ. इस मौके पर पैडमेन के नाम से मशहूर तरुण कुमार ने कहा कि माहवारी स्वच्छता से संक्रमण और सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव है. इस मौके पर महिलाओं को स्तन और सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूक किया गया. बताया गया कि ब्रेस्ट कैंसर की समय पर पहचान हो जाने पर इलाज संभव है, प्रधानाध्यापक साजिद अहमद की पहल पर किशोर बच्चों व माताओं का साझा कार्यक्रम भी आयोजित हुआ. कार्यक्रम के दौरान बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य पर विस्तार से बात की गयी. बताया गया की समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए किशोरियों की कम से कम स्नातक तक पढ़ाई जरूरी है. इस पर महिलाओं को जागरूक किया गया. कार्यशाला में सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक, झारखंड के पैडमेन के नाम से मशहूर तरुण कुमार ने कई अहम जानकारियां दी.

धाधकीडीह स्कूल में खोले गये पुस्तकालय में पढ़तीं छात्राएं.

कॉमिक्स व किताबों से महिलाओं की बढ़ेगी समझ

धातकीडीह उमवि में पीरियड पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया. कहा गया कि कॉमिक्स व किताबों से किशोरियां व महिलाओं की समझ बढ़ेगी. बच्चियों व महिलाओं को पर्यावरण अनुकूल पैड भी दिया गया. कार्यशाला में धातकीडीह, पाथरडीह, हेंसलडीह, जगन्नाथपुर गांवों से लगभग 100 महिलाएं व बच्चियों ने भाग लिया. कार्यशाला के आयोजन में प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, सिनगो सोरेन, अमरजीत माझी, निखिल धावड़िया व अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

प्रभात खबर
Thursday, October 10, 2024
Ghatsila
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/6706d0214da73dc6288f3d3a

किशोरियों व माताओं के साथ किशोरी महिला स्वास्थ्य और जेंडर समानता कार्यशाला आयोजित

धातकीडीह उत्क्रमित मध्य विद्यालय में शुरू हुआ पीरियड पुस्तकालय

जमशेदपुर: समाज में बच्चों के लिए बेहतर माहौल निर्माण हेतु बच्चों के साथ साथ अभिभावकों के साथ भी निरंतर संवाद आवश्यक है. घाटशिला स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धातकीडीह में प्रधानाध्यापक साजिद अहमद की पहल पर किशोर बच्चों व माताओं का साझा कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम के दौरान बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य पर विस्तार से बातचीत की गई. बताया गया की समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु किशोरियों महिलाओं की कम से कम स्नातक तक पढ़ाई बेहद आवश्यक है. वहीं महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य हेतु माहवारी स्वच्छता व महिला मुद्दों की समुचित जानकारी भी अहम है. चर्चा के दौरान कई माताओं ने अपनी आपबीती साझा करते हुए बताया कि उनका विवाह कम उम्र में ही हो गया था, इस कारण वह पढ़ाई पूरी नहीं कर पाई, जिससे उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है. कार्यशाला के दौरान सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक, झारखंड के पैडमेन के नाम से मशहूर तरुण कुमार ने महिला व किशोरी स्वास्थ्य कार्यशाला के दौरान किशोरियों को माहवारी स्वच्छता, बढ़ते उम्र में होने वाले शारीरिक व मानसिक बदलाव, बालक बालिका समानता व जेंडर के विज्ञान पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई उपयोगी जानकारियां दी. माहवारी के दौरान साफ सफाई, सैनिटरी पैड के उपयोग व निस्तारण, उचित स्वच्छता के अभाव में होने वाले संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर इत्यादि पर पर भी चर्चा करते हुए बचाव के बारे में बताया गया.

पीरियड पुस्तकालय की स्थापना

कार्यक्रम के दौरान बच्चियों व महिलाओं को पर्यावरण अनुकूल सैनिटरी पैड का उपहार दिया गया. वही विद्यालय में पीरियड पुस्तकालय की शुरुआत की गई. पीरियड पुस्तकालय के माध्यम से विद्यालय के बच्चों में कॉमिक्स व किताबों के माध्यम से महिलाओं से जुड़े विषयों पर समझ बढ़ सकेंगी. वहीं विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से गांव की किशोरियां व महिलाओं में स्वास्थ्य, शिक्षा, जेंडर, महिला अधिकारों व बालक बालिका समानता जैसे प्रमुख विषयों के प्रति समुचित जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा. बच्चियों व माताओं के साथ आयोजित जागरूकता कार्यशाला में धातकीडीह, पाथरडीह, हेंसलडीह, जगन्नाथपुर गांवों से लगभग 100 महिलाएं व बच्चों ने भाग लिया. आयोजन में प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, शिक्षक शिक्षिका सिंगों सोरेन, अमरजीत माझी, निखिल धौडिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

कानून के क्षेत्र में युवा बनायें बेहतर कैरियर

- राज्य संपोषित +2 उच्च विद्यालय, पटमदा में विधिक व कानूनी शिक्षा जागरूकता कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

पटमदा/जमशेदपुर। देश के अंतिम व्यक्ति तक कानून की पहुंच ही समाज में प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों की सुरक्षा करते हुए समाज में न्याय, शांति व समानता को बढ़ावा दे सकता है। इसके लिए कानूनी शिक्षा ग्रहण कर विधि क्षेत्र में कार्य युवाओं के लिए बेहतरीन कैरियर विकल्प हो सकता है। आईडीआईए, बेंगलुरु व निश्चय फाउंडेशन, झारखंड के संयुक्त तत्वाधान में पदमदा स्थित राज्य संपोषित +2 उच्च विद्यालय में कानूनी शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम किया गया। राष्ट्रीय विधि अनुसंधान एवं शोध विवि, रांची के विधि छात्र रजत तंवर, आयुष उन्नीकृष्ण, अभिषेक दत्ता, मेघा चौहान, शैलजा सिंह, शिखा शर्मा और कृष साहा ने निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार के नेतृत्व में लगभग 400 बच्चों को कानून के क्षेत्र में उच्च शिक्षा हासिल करने की संभावनाओं के बारे में जागरूक किया। इनक्रीजिंग डाइवर्सिटी बाय इनक्रीजिंग एक्सेस द्वारा वर्ग 9 वी से 12वी कक्षा के विद्यार्थियों को क्लैट (कॉमन लॉ एंट्रेंस टेस्ट) व उसकी तैयारी के बारे में विस्तार से बताया।

खेलकूद : राष्ट्रीय खेल दिवस पर बच्चों ने मेजर ध्यानचंद और पेरिस ओलंपिक के पदक विजेताओं को किया याद

मनु भाकर एकादश जीता क्रिकेट मैच, फुटबॉल में नीरज चोपड़ा एकादश ने हराया

भास्कर न्यूज | गालूडीह

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर पूरे भारतवर्ष में राष्ट्रीय खेल दिवस में रूप में मनाया जाता है। गालूडीह स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धातकीडीह के दिन की शुरूआत देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को याद कर किया गया।

प्रार्थना सभा में मेजर ध्यानचंद के जादुई खेल को याद करते हुए उनके प्रेरक जीवनी से बच्चों को रूबरू करवाया गया। ध्यानचंद के खेल, ओलंपिक में लगातार 8 बार स्वर्ण पदक विजेता भारतीय हॉकी की बादशाहत, जर्मनी के तानाशाह हिटलर के सामने ध्यानचंद के ना झुकने की प्रेरक कहानी हम सभी को हमेशा प्रेरित करती है। वही 2024 में भारतीय क्रिकेट टीम के टी 20 चैंपियन बनने, भारतीय हॉकी टीम के पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने, नीरज चोपड़ा के रजत पदक जीतने समेत मनु भाखर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुशाले व अमन सहरावत के कांस्य पदक जीतने के बारे में बच्चों को बताया गया। खिलाडियों के सफलता की कहानी के माध्यम से बच्चों को यह बतलाने की कोशिश की गई कि पढ़ाई के अलावा खेल के क्षेत्र में भी कड़ी मेहनत कर सफलता पाई जा सकती है। पेरिस ओलंपिक में भारत के बेमिसाल खेल को किया गया याद, नीरज चोपड़ा एकादश बनाम मनु भाकर एकादश के बीच मिक्स जेंडर क्रिकेट व फुटबॉल मैच हुआ। मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच के दौरान नीरज चोपड़ा एकादश की कप्तान नेहा हांसदा व सागेन सोरेन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित मनु भाकर एकादश ने निर्धारित पांच ओवर्स में चार विकेट के नुकसान पर 27 रन बनाए। नीरज चोपड़ा एकादश लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 22 रन बना सकी। मनु एकादश ने 5 रनों से मैच जीत लिया। शानदार बल्लेबाजी कर नाबाद 14 रन बनाने वाले मनु एकादश के राहुल सोरेन को बैटर ऑफ द मैच चुना गया। वही शानदार 3 विकेट लेने वाली शेफाली मुंडा को बॉलर ऑफ़ द मैच चुना गया। मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच के ठीक बाद दोनों टीमों ने फुटबाल मुकाबले में अपना हाथ आजमाया। 10-10 मिनट के दो हाफ वाले मैच में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। दूसरे हाफ के आखिरी मिनट में नीरज चोपड़ा एकादश के कप्तान आमिर हांसदा ने शानदार फॉरवर्ड शॉट से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर अपनी टीम को 1-0 से मैच जीता दिया। मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच में मनु भाकर एकादश 5 रनों से विजेता रही, वही मिक्स जेंडर फुटबाल मैच में नीरज चोपड़ा एकादश 1-0 से विजयी रही। मध्य विद्यालय धातकीडीह में खेल दिवस के आयोजन में विद्यालय प्रबंधन, मेमोरी मेकर्स स्टूडियो व निश्चय फाउंडेशन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, एसएमसी के अध्यक्ष मालती मुर्मू,निखिल रंजन धावड़िया, सिंगो सोरेन, अमरजीत माझी, निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सोमाय लोहार, मेमोरी मेकर्स स्टूडियो, जमशेदपुर के राहुल कुमार, गंजेंद्र कुमार, सिम्पी पिंगुआ, विशाल दास समेत विद्यालय की नव निर्वाचित विद्यालय प्रबंधन समिति एंव माता समिति के सदस्य उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान

बच्चों ने पेरिस ओलंपिक के पदक विजेताओं को दिया सम्मान

- क्रिकेट व फुटबॉल मैच खेल दिया बालक-बालिका समानता का संदेश
- मनु भाखर ने जीती क्रिकेट मैच, फुटबॉल में नीरज चोपड़ा एकादश बना विजेता

गालूडीह, संवाददाता। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर पूरे भारतवर्ष में राष्ट्रीय खेल दिवस में रूप में मनाया जाता है। गालूडीह स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धातकीडीह के दिन की शुरुआत देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को याद कर किया गया। प्रार्थना सभा में मेजर ध्यानचंद के जादुई खेल को याद करते हुए उनके प्रेरक जीवनी से बच्चों को रूबरू करवाया गया।

वही 2024 में भारतीय क्रिकेट टीम के टी-20 चैंपियन बनने, भारतीय हॉकी टीम के पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने, नीरज चोपड़ा के रजत पदक जीतने समेत मनु भाखर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुशाले व अमन सहरावत के कांस्य पदक जीतने के बारे में बच्चों को बताया गया। खिलाड़ियों के सफलता की कहानी के माध्यम से बच्चों को यह बतलाने की कोशिश की गई कि पढ़ाई के अलावा खेल के क्षेत्र में भी कड़ी मेहनत कर सफलता पाई जा सकती है। पेरिस ओलंपिक में भारत के बेमिसाल खेल को किया गया याद, नीरज चोपड़ा एकादश बनाम मनु भाखर एकादश के बीच मिक्स जेंडर क्रिकेट व फुटबॉल मैच खेल दिया बालक-बालिका समानता का संदेश। विद्यालय के बच्चों ने नीरज चोपड़ा एकादश बनाम मनु भाखर एकादश के बीच मिक्स जेंडर क्रिकेट व फुटबॉल मैच खेलकर बालक बालिका समानता का संदेश दिया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, एसएमसी के अध्यक्ष मालती मुर्मू, निखिल रंजन धावड़िया, सिंगो सोरेन, अमरजीत माझी, निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सोमाय लोहार, मेमोरी मेकर्स स्टूडियो, जमशेदपुर के राहुल कुमार, गंजेंद्र कुमार, सिम्पी पिंगुआ, विशाल दास समेत समिति के सदस्य उपस्थित थे।

ट्रॉफी के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी व शिक्षक। • हिन्दुस्तान

खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांज

घाटशिला। घाटशिला महाविद्याल परिवार ने प्रो. इंचार्ज डॉ. पी के गु की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। उपस्थित सभी शिक्षकों ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की तस्वीर पर पुष्प अर्पि कर श्रद्धांजलि दी और उनके खेल योगदानों को याद किया।

इधर, चाकुलिया प्रखंड की सरडी पंचायती स्थित मध्य विद्यालय दक्षिणशोल में गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इस अव पर कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यान चंद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गयी खेलकूद प्रतियोगिताएं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गय

कोलकाता में निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार व पर्वतारोही आलोक कुमार को मिला डॉ. कलाम यूथ रत्न अवॉर्ड

छठे कलाम इंटरनेशनल यूथ लीडरशिप कांफ्रेंस में विभिन्न देशों के सैकड़ों युवाओं व बच्चों ने की शिरकत

भास्कर न्यूज | बहरागोड़ा

भारत के 11वें राष्ट्रपति व मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जी के विचारों से प्रेरित होकर, उनके विजन को अपने जीवन में उतारकर युवा देश की प्रगति को एक नई दिशा दे सकते हैं। कलाम के विजन से प्रेरणा लेकर समाज में बदलाव ला रहे देश-विदेश के सैकड़ों युवाओं और बच्चों ने कोलकाता में 27-28 जुलाई को आयोजित कलाम इंटरनेशनल यूथ लीडरशिप कांफ्रेंस में शिरकत की। कांफ्रेंस के दौरान शिक्षा, प्रौद्योगिकी, बाल विकास, पर्यावरण, जल संरक्षण, साहित्य, कला, नवाचार, सामाजिक क्षेत्र व अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे युवाओं ने अपने विचारों व कार्यों को साझा किया।

कांफ्रेंस के दौरान झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार व पर्वतारोही आलोक कुमार को इंटरनेशनल डॉ कलाम यूथ रत्न अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। स्वामी विवेकानंद सभागार, कोलकाता में आयोजित समारोह के दौरान तरुण कुमार ने देश के सुदूर इलाकों में रह रहे बच्चों व समुदायों के उत्थान व मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, जेंडर, पर्यावरण व मानवाधिकार से जुड़े बुनियादी मुद्दों पर भावनात्मक संवेदना के साथ जमीनी स्तर पर कार्यों की वकालत की। वहीं पर्वतारोही आलोक कुमार ने स्कूली पाठ्यक्रम में फिजिकल एजुकेशन, आत्मरक्षा, खेलों में आगे बढ़ने हेतु बच्चों के उचित पोषण व ट्रेनिंग को विशेष महत्व देने पर जोर दिया।

मौके पर पद्मश्री निरंजन गोस्वामी, ख्वाब फाउंडेशन के मुन्ना कुमार, चार्ली चैपलिन का अभिनय करने वाले अभिनेता राजन कुमार, वरिष्ठ समाजसेविका अर्चना भट्टाचार्य, श्रीलंका की इंतिजा करीम व अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर जमशेदपुर 30-07-2024

तरुण को मिला कलाम इंटरनेशनल यूथ लीडरशिप कान्फ्रेंस में मिला सम्मान

जमशेदपुर | कोलकाता में 27-28 जुलाई को आयोजित छठे कलाम इंटरनेशनल यूथ लीडरशिप कांफ्रेंस में निश्चय संस्था के संस्थापक तरुण कुमार व पर्वतारोही आलोक कुमार को सम्मानित किया गया। स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित समारोह में तरुण ने सुदूर इलाकों में रह रहे बच्चों व समुदायों के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, जेंडर, पर्यावरण व मानवाधिकार से जुड़े बुनियादी मुद्दों पर जमीनी स्तर पर कार्यों की वकालत की। वहीं, पर्वतारोही आलोक कुमार ने स्कूली पाठ्यक्रम में फिजिकल एजुकेशन, आत्मरक्षा, खेलों में आगे बढ़ने हेतु बच्चों के उचित पोषण व ट्रेनिंग को विशेष महत्व देने पर जोर दिया। तरुण कुमार ने बताया कि इस कांफ्रेंस में भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल सहित अन्य देशों के युवाओं ने भाग लिया। इसमें पद्मश्री निरंजन गोस्वामी, ख्वाब फाउंडेशन के मुन्ना कुमार आदि मौजूद थे।

तरुण को डॉ कलाम यूथ रत्न अवॉर्ड

जमशेदपुर. कोलकाता में 27-28 जुलाई को कलाम इंटरनेशनल यूथ लीडरशिप कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया. इसमें झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार को डॉ कलाम यूथ रत्न अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया. स्वामी विवेकानंद सभागार, कोलकाता में आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान मिला. दो दिवसीय कलाम इंटरनेशनल यूथ लीडरशिप कॉन्फ्रेंस में भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल व अन्य देशों के सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया. मौके पर पद्मश्री निरंजन गोस्वामी, ख्वाब फाउंडेशन के मुन्ना कुमार, अभिनेता राजन कुमार, वरिष्ठ समाजसेवी अर्चना भट्टाचार्य, श्रीलंका की इंतिजा करीम व अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Tuesday, July 30, 2024
Jamshedpur-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/66a7ef3975d8f9a72b47e217

माहवारी स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण के साझा संदेश अभियान को मिली सराहना

निश्चय के 'एक पैड, एक पेड़' अभियान को एनवायरो केयर ग्रीन अवार्ड मिला

सम्मान के साथ आकाश महतो.

संवाददाता, घाटशिला

कोल्हान में सक्रिय सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन को 'एनवायरो केयर ग्रीन अवार्ड-2024' से सम्मानित किया गया. शनिवार को ठाणे (मुंबई) में आयोजित समारोह में निश्चय के युवा प्रतिनिधि आकाश महतो ने सम्मान ग्रहण किया. संस्था को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट व 10 हजार रुपये की इनामी राशि दी गयी. निश्चय फाउंडेशन समेत पांच संस्थानों ने महाराष्ट्र के रामटेक में जियो टैग वाले 5-5 पौधे लगाये, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने में अपनी भूमिका निभायेंगे. एनवायरो केयर ग्रीन अवार्ड एनवायरो केयर लैब्स की ओर से अंतराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता है. इसमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने वाले लघु उद्यम, कॉरपोरेट, एकेडमिक व सामाजिक संस्थानों को सम्मानित किया जाता है.

निश्चय के अभियान ‘एक पैड, एक पेड़’ व

मुंबई में निश्चय के युवा प्रतिनिधि आकाश महतो ने ग्रहण किया सम्मान

अन्य शैक्षणिक प्रयासों को दुनिया भर से आये 65 प्रविष्टियों में विजेता चुना गया. अभियान के माध्यम से निश्चय माहवारी स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण के साझा संदेश को समुदाय के बीच प्रचलित कर रही है. अभियान के माध्यम से पिछले चार वर्षों में 20 हजार से ज्यादा पौधे लगाये गये हैं. निश्चय के संस्थापक तरुण कुमार ने कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि हम बेहद सीमित संसाधनों में जन भागीदारी से झारखंड के सुदूर इलाकों में समुदाय को जागरूक करने का प्रयास कर रहे है, अंतराष्ट्रीय मंच पर सराहना मिलना हमें और बेहतर कार्य लगातार करने के लिए प्रेरित करेगा.

प्रभात खबर
Tuesday, July 23, 2024
Ghatsila
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/669ea436c3c09e1a2ed4ef91

Dr. Kalam Youth Ratna Awards: Jharkhand's Tarun Kumar and Alok Kumar recognised

Mail News Service

Jamshedpur, July 29: The 6th Kalam International Youth Leadership Conference held in Kolkata on 27-28 July 2024, celebrated the achievements of exceptional youth from around the globe. The conference, which drew participants from India, Sri Lanka, Bangladesh, Nepal, and other countries, was a tribute to the vision of India's 11th President and Missile Man, Dr. APJ Abdul Kalam.

This year's conference, held at the Swami Vivekananda Auditorium, culminated in the awarding of the prestigious International Dr. Kalam Youth Ratna Award 2024 to two distinguished individuals: Tarun Kumar, founder of the Nishchay Foundation, and mountaineer Alok Kumar, both hailing from Jharkhand. The award recognizes their exemplary contributions to society, inspired by Dr. Kalam's principles and vision.

Tarun Kumar, honored for his work with the Nishchay Foundation, has made significant strides in addressing basic issues related to education, health, gender equality, environment, and human rights. His efforts focus on uplifting and integrating children and communities in remote areas into the mainstream. During the award ceremony, Kumar emphasized the importance of ground-level work combined with emotional sensitivity to effect meaningful change.

Mountaineer Alok Kumar was also recognized for his efforts in promoting physical education and sports among children. Kumar advocates for the inclusion of self-defense, proper nutrition, and training within school curricula to foster athletic development from an early age.

The two-day conference provided a platform for young leaders to share their impactful work across various fields such as education, technology, child development, and environmental conservation. The event concluded with an educational tour of the Victoria Memorial, where participants learned about the historical significance of the landmark through detailed explanations of its sculptures and paintings.

Prominent figures at the conference included Padma Shri Niranjan Goswami, Munna Kumar of Khwab Foundation, actor Rajan Kumar, who performed as Charlie Chaplin, senior social worker Archana Bhattacharya, and Intiza Kareem from Sri Lanka. Their presence highlighted the global significance of the conference and the shared commitment to advancing youth leadership and development.

निश्चय फाउंडेशन को मुंबई में मिला एन्वायरकेयर ग्रीन अवार्ड

मुंबई के ठाणे में निश्चय के प्रतिनिधि आकाश महतो ने ग्रहण किया सम्मान

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

प्राइज के साथ संस्था के पदाधिकारी.

JAMSHEDPUR (22 July) : तेजी से बदलते जलवायु ने विश्व समुदाय की चिंताओं को बढ़ा दिया है. पर्यावरण से जुड़े गंभीर चिंताओं को लेकर विश्व भर के देशों की बैठक इस वर्ष सऊदी अरेबिया में होनी है. इसी बीच झारखंड के कोल्हान इलाके में सक्रिय सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन को एनवायरो केयर ग्रीन अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है. शनिवार को ठाणे, मुंबई में आयोजित समारोह में निश्चय के युवा प्रतिनिधि आकाश महतो ने सम्मान ग्रहण किया. संस्था को सम्मानित करते हुए ट्रॉफी, सर्टिफिकेट व 10,000 रुपए की इनामी राशि प्रदान गई. वहीं निश्चय फाउंडेशन, झारखंड व अन्य 5 संस्थानों के प्रतियोगिता जीतने पर महाराष्ट्र के रामटेक में जियोटैग वाले 5-5 पौधे भी लगाए गए हैं, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने में अपनी भूमिका निभाएंगे.

विजेता चुना गया

एनवायरकेयर ग्रीन अवार्ड एनवायरकेयर लैब्स के द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने वाले लघु उद्यमों, कॉरपोरेट, एकेडमिक व सामाजिक संस्थानों को सम्मानित किया जाता है. निश्चय के द्वारा शुरू किए गए 'एक पैड, एक पेड़' अभियान व अन्य शैक्षणिक प्रयासों को दुनिया भर से आए 65 प्रविष्टियों में से विजेता चुना गया. 'एक पैड, एक पेड़' अभियान के माध्यम से निश्चय माहवारी स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण के साझा संदेश को समुदाय के बीच प्रचलित कर रही है. निश्चय के संस्थापक तरुण कुमार ने कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि हम बेहद सीमित संसाधनों में जनभागीदारी से झारखंड के सुदूर इलाकों में समुदाय को जागरूक करने का प्रयास कर रहे है, ताकि जागरूक बच्चे व युवा समाज को बेहतर दिशा दे सके.

सरायकेला के स्वयंसेवकों ने ओडिसा के समुद्री बीचों पर किया 'पॉल्यूशन से आजादी' कार्यक्रम

गम्हरिया/जमशेदपुर। सामाजिक संस्था ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन व निश्चय फाउंडेशन से जुड़े सरायकेला-खरसावां जिले के स्वयंसेवको द्वारा ओड़िसा के पूरी स्थित समुद्र के विभिन्न बीचों व पर्यटन स्थलों पर तीन दिवसीय 'पॉल्युशन से आजादी' कार्यक्रम किया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों के सहयोग से उन पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही, पर्यटकों को स्वच्छ्ता के प्रति जागरूक किया गया। उंक्त टीम में संस्था के आकाश महतो, प्रकाश बास्के, इंद्रजीत महतो, सहदेव महतो, प्रवीर दास, प्रकाश मार्डी, सूरज मंडल, सुनील लयांगी के अलावा कई स्वंयसेवक शामिल थे। इस दौरान स्वंयसेवकों ने ओडिसा के पर्यटन स्थलों पर में चिल्का झील, पुरी समुद्र बीच व कोणार्क समुद्र बीच पर जागरूकता अभियान चलाया। फाउंडेशन से जुड़े युवा स्वयंसेवियों के ओडिसा प्रवास के दौरान पर्यावरण संरक्षण को किया गया प्रयास बेहद ही उत्साहवर्धक है। यह प्रयास युवाओं के सकारात्मक कार्यों के प्रति आशा जागता है। ओडिसा स्थित चिल्का झील, पूरी समुद्र बीच व कोणार्क समुद्र बीच पर तीन दिन तक चले इस जागरूकता अभियान का नेतृत्व ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन के झारखंड प्रमुख आकाश महतो ने किया।

समुद्री तट पर हुआ पॉल्यूशन से आजादी कार्यक्रम

सरायकेला। सामाजिक संस्था ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन व निश्चय फाउंडेशन से जुड़े सरायकेला गम्हरिया के स्वयंसेवी आकाश महतो, प्रकाश बास्के, इंद्रजीत महतो, सहदेव महतो, प्रवीर दास, प्रकाश मार्डी, सुरज मंडल व सुनील लेयांगी के दल ने अपने शैक्षणिक भ्रमण के क्रम में ओडिशा यात्रा के दौरान पर्यटन स्थलों पर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने हेतु चिल्का झील, पूरी समुद्र बीच व कोणार्क समुद्र बीच पर पॉल्यूशन से आजादी जागरूकता अभियान चलाया।

शहीद गणेश हांसदा की याद में रक्तदान शिविर

30 से अधिक युवा पहुंचे, सभी को प्रदान किया पौधा

जमशेदपुर, 17 जून (रिपोर्टर) : शहीद गणेश हांसदा के चौथे शहादत दिवस पर बहरागोड़ा के भंडारशोल स्थित शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय में बच्चों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. पुस्तकालय के अध्यक्ष गौतम प्रसाद धारा ने शहीद हांसदा की जीवनी पर चर्चा की. शहीद गणेश हांसदा फेलो रूपनारायण बेरा व जयदीप महाकुड़ ने शहीद की याद में सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे फेलोशिप व पुस्तकालय के माध्यम से किए जा रहे शैक्षणिक गतिविधियों व समय समय पर आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी. इस दौरान गौतम प्रसाद धारा,रूपनारायण बेरा, जयदीप महाकुड़, ज्योतिर्मय धारा, सुजित गिरि, सत्यजीत गिरि, सुमित महाकुड़, नव कुमार बारिक, प्रकाश बेरा, यामिनी बेरा, कार्तिक बारिक, प्रकाश बेरा, अमर कुमार धारा व अन्य उपस्थित थे.

शहादत दिवस पर सामाजिक संस्था नई जिंदगी व गणेश हांसदा स्मारक समिति की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें 30 से अधिक युवा रक्तदान किया. इसमें शहीद के बड़े भाई दिनेश हांसदा, राजेश मार्डी, बैद्यनाथ हांसदा व अन्य साथियों का योगदान रहा. सभी रक्तदाताओं को पौधा प्रदान किया गया.

शहीद गणेश हांसदा को किया नमन

पिछले चार वर्षों में 500 रक्तदाताओं और ग्रामीणों ने लगाए पौधे

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

jamshedpur@inext.co.in

JAMSHEDPUR (17 June) : वीर शहीद गणेश हांसदा के चौथे शहादत दिवस के मौके पर भंडारशोल स्थित वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय में बच्चों ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की. श्रद्धांजलि सभा के मौके पर पुस्तकालय के अध्यक्ष गौतम प्रसाद धारा ने शहीद गणेश हांसदा की जीवनी के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर जवान दिन रात हर मौसम में तैनात रहते हैं. हम सभी को गर्व है कि बहरागोड़ा के गणेश हांसदा ने भी सीमा पर देश के लिए लड़ते हुए अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करवाया. मौके पर उपस्थित शहीद गणेश हांसदा फेलो रूपनारायण बेरा व जयदीप महाकुड ने शहीद की याद में सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के द्वारा चलाए जा रहे फेलोशिप व पुस्तकालय के माध्यम से किए जा रहे शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी. मौके पर गौतम प्रसाद धारा, रूपनारायण बेरा, जयदीप महाकुड़, ज्योतिर्मय धारा, सुजित गिरि, सत्यजीत गिरि, सुमित महाकुड़, नव कुमार बारिक, प्रकाश बेरा, यामिनी बेरा, कार्तिक आदि मौजूद थे.

लगाते हैं अपने घरों में पौधे

शहादत दिवस के दिन हर वर्ष 16 जून को सामाजिक संस्था नई जिंदगी व गणेश हांसदा स्मारक समिति के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है. इस दौरान रक्तदाताओं और अन्य को झारखंड के पैडमैन के रूप में विख्यात निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार के द्वारा 'एक पैड, एक पेड़' का उपहार देकर सम्मानित किया जाता है. रविवार को भीषण गर्मी के बीच भी जिले भर से 30 से ज्यादा युवा रक्तदान करने पहुंचे. पिछले चार वर्षों में रक्तदान शिविर के माध्यम से लगभग 500 लोगों को एक पैड, एक पेड़ का उपहार देकर शहीद की याद में वृक्षारोपण करने हेतु प्रेरित किया जा चुका है. अभियान में शहीद के बड़े भाई दिनेश हांसदा, ट्राइबल ब्लड मैन राजेश मार्डी, ट्राइबल पैडमैन बैद्यनाथ हांसदा व अन्य का अहम योगदान रहा है.

मुसाबनी में डिजिटल मीडिया साक्षरता पर कार्यशाला का आयोजन, वक्ताओं ने कहा

भ्रामक सूचनाओं का प्रचार-प्रसार समाज के लिए खतरनाक

प्रतिनिधि, मुसाबनी

फैक्टशाला इंडिया मीडिया लिट्रेसी नेटवर्क इंटरन्यूज एवं डाटा लीडस की पहल पर देश भर के युवाओं और लोगों को जागरूक करने के लिए न्यूज एवं इन्फोरमेशन साक्षरता मुहिम चलाया जा रहा है. ग्रामीण युवाओं को भी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कार्यशाला आयोजित कर जागरूक किया जा रहा है. शनिवार को मुसाबनी डिग्री कॉलेज स्थित आर वर्ल्ड इंग्लिश इंस्टीच्यूट में न्यूज एवं इन्फोरमेशन साक्षरता पर कार्यशाला आयोजित किया गया. निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक सचिव तरुण कुमार ने बतौर प्रशिक्षक युवाओं को महत्वपूर्ण जानकारियां दी. कार्यशाला में बताया गया कि वर्तमान जीवन में डिजिटल माध्यम व सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ गया है. डिजिटल माध्यम ने सूचना के आदान प्रदान को बेहद तेज और आसान बना दिया है, लेकिन डिजिटल माध्यम गलत व भ्रामक सूचनाओं के प्रसार का भी बड़ा माध्यम बन गया है. गलत सूचनाओं का प्रतिकूल असर समाज पर पड़ रहा है. डिजिटल माध्यम से फैलने वाली गलत खबर या अफवाह कभी-कभी खतरनाक रूप भी अख्तियार कर लेती है. इससे समाज को बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है.

फेक न्यूज से हो रहा समाज को नुकसान : कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि समाज व लोगों को फेक न्यूज के कारण व्यक्तिगत या सार्वजनिक रूप से नुकसान उठाना पड़ रहा है. इसके लिए डिजिटल माध्यम के सकारात्मक उपयोग व सूचनाओं की पहचान करने का कौशल सीखना भी महत्त्वपूर्ण हो गया है. कार्यशाला के दौरान गूगल फैक्टचेक टूल्स का सहारा लेकर नकली खबरों, फोटो, वीडियो की पहचान करने की तकनीक युवाओं को बतायी गयी. कहा गया कि भ्रामक खबरों की पहचान करने व सही निर्णय लेने के लिए तकनीक का सहारा लेने के साथ खुद में क्रिटिकल थिंकिंग जैसे जीवन कौशल को विकसित करना कारगर होगा. बताया गया कि सोशल मीडिया पर वैसी किसी भी सूचना को साझा करने या फॉरवर्ड करने से बचना चाहिए, जो विश्वस्त ना हो. ऐसा कर हम भ्रामक सूचनाओं को फैलाने में सहायता करते हैं. मौके पर 25 युवा उपस्थित थे. इससे पहले सिदो कान्हू पुस्तकालय, काशकमगोड़ा, मुसाबनी, डिजिटल ग्रामीण पाठशाला, सोनाखून, धालभूमगढ़, सेंट पीटर्स हाई स्कूल, करनडीह, जमशेदपुर, वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय, चिंगड़ा, बहरागोड़ा में भी न्यूज एवं इन्फोर्मेशन साक्षरता कार्यशाला आयोजित कर 120 से ज्यादा युवाओं व शिक्षकों को जागरूक किया गया.

प्रभात खबर Sun, 31 January 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/58096664

निश्चय फाउंडेशन. ऑनलाइन कार्यक्रम 'इट्स वीमेंस प्राइड' में वक्ताओं ने कहा

माहवारी के प्रति जागरूक हो रहीं किशोरियां

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन की ओर से विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर शुक्रवार को इट्स वीमेंस प्राइड ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया. कोरोना काल के दौरान माहवारी स्वच्छता एवं चुनौतियां विषय पर चर्चा हुई. पटमदा की वृष्टि हलधर ने कहा कि पिछले एक साल से हम बच्चे घर पर हैं. लॉकडाउन की शुरुआत में सैनिटरी पैड्स मिलने में काफी परेशानी होती थी.

संस्था की मदद से पैड्स मिलते रहे. शंकोसाई की पूजा महतो ने कहा कि उन्होंने माहवारी के प्रति आसपास की लड़कियों को जागरूक किया. लक्ष्मी मुंडा ने कहा कि कोरोना काल में आर्थिक समस्याएं आयीं. शिक्षिका प्रियंका झा ने कहा कि कोरोना काल में माहवारी स्वास्थ्य का मुद्दा पीछे चला गया है. देशभर की संस्थाओं को जोड़कर कोरोना काल में कश्मीर से कन्याकुमारी तक पीरियड पाठ अभियान चलाने वाली अनिथा राव ने कहा कि कोरोना काल ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं. सुनैना ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बनाना मुश्किल हो गया है. ग्रामीण इलाकों में माहवारी से जुड़ी समस्याओं के लिए महिलाएं झाड़ फूंक का सहारा लेने लगी है.

योगा फॉर चिल्ड्रन 30 से: इस दौरान डॉक्युमेंटरी द कैंपेन ऑफ टफ टाइम - लेसन लर्न थ्रू पैंडेमिक, दिखायी गयी. जो संस्था द्वारा चलाये जा रहे सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन, एक पैड, एक पेड़ अभियान तक के सफर और चुनौतियों पर आधारित थी. रूरल डेवलपमेंट की छात्रा इप्सिता सिन्हा ने माहवारी स्वच्छ्ता पर अपने विचार रखे. करीम सिटी कॉलेज की मास कम्युनिकेशन की छात्रा प्रज्ञा सिंह ने माहवारी स्वच्छ्ता को लेकर मीडिया की भूमिका के बारे में कहा. जानकारी दी गयी कि संस्था की तरफ से योगा फार चिल्ड्रेन 30 मई से शुरू होगा. जो पांच जून तक चलेगा. कार्यक्रम संस्था के संस्थापक तरुण कुमार की देखरेख में हुआ.

केपीएस कदमा में माहवारी स्वच्छता पर ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम

जमशेदपुर . केरला पब्लिक स्कूल कदमा की ओर से शनिवार को स्कूलों की छात्राओं के लिए वर्चुअल काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया . पीसीओएस (पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम) विषय पर आयोजित सत्र का संचालन ज्रमशेदपुर ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी (जॉग्स) द्वारा की गयी . यह सत्र 13 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की लड़कियों के लिए एक जन जागरूकता कार्यक्रम था . इसमें किशोर लड़कियों एवं महिलाओं में पीसीओएस और मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर विस्तृत जानकारी दी गयी. बच्चों को डॉ संयुक्ता नंदा एवं डॉ रंजना जोशी छात्राओं को संबोधित किया . कदमा स्कूल की प्रिंसिपल शर्मिला मुखर्जी ने किशोरियों के लिए इस तरह के सूचनात्मक सत्र आयोजित करने के लिए जॉग्स का आभार व्यक्त किया . शैक्षणिक निदेशक लक्ष्मी शरत, केपीएस मानगो एवं गम्हरिया प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य, समन्वयक, शिक्षक समेत 680 छात्राओं ने भाग लिया . धन्यवाद ज्ञापन अलामेलु रविशंकर ने किया

विद्यार्थियों ने माहवारी पर साझा किये अपने अनुभव

निश्चय फाउंडेशन

जमशेदपुर, 28 मई (रिपोर्टर) : विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के मौके पर सामाजिक संस्था 'निश्चय फाउंडेशन' द्वारा इट्स वीमेंस प्राइड कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन किया गया. इस दौरान कोरोनाकाल के दौरान माहवारी स्वच्छता एवं चुनौतियां विषय पर चर्चा आयोजित की गयी. इसमें गांव के बच्चियों, माहवारी स्वच्छता के मुद्दों को बढ़ावा देने वाले पैडह्यूमन्स, रूरल डेवलपमेंट एवं मास कम्युनिकेशन के विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य शामिल हुए. उपरोक्त विषय पर संस्था के कार्यों पर आधारित विकास-प्रकाश की डॉक्युमेंट्री फिल्म द कैंपेन ऑफ टफ टाइम-लेसन लर्न थ्रू पैंडेमिक का प्रदर्शन कर चुनौतियों पर विषय प्रवेश किया गया. डॉक्यूमेंट्री में कोरोना काल मे संस्था द्वारा चलाये जा रहे सैनटरी पैड रिलीफ कैंपेन से लेकर एक पैड, एक पेड़ अभियान तक के सफर और चुनौतियों पर आधारित है. इस दौरान पटमदा की वृष्टि हलधर, शंकोसाई की पूजा महतो, लक्ष्मी मुंडा सहित कई बच्चियों ने अपने अनुभव साझा किये. इसके अलावा शिक्षिका प्रियंका झा, अनीता राव ने भी अपने विचार रखे.

छात्राओं ने प्रस्तुत किये रिसर्च रिपोर्ट : किट्स ओडिशा में अध्ययनरत रूरल डेवलपमेंट की छात्रा इप्सिता सिन्हा ने माहवारी स्वच्छ्ता पर आधारित शोध प्रस्तुत किया. वहीं करीम सिटी कॉलेज की मास कम्युनिकेशन की छात्रा प्रज्ञा सिंह ने महिलाओं के मुद्दों एवं माहवारी स्वच्छ्ता को लेकर मीडिया की भूमिका पर प्रस्तावित शोध प्रस्तुत किया. इस दौरान योग शिक्षिका पूजा कुमारी ने 'योगा फॉर चिल्ड्रेन' कार्यशाला का आयोजन 30 मई से 5 जून तक करने की जानकारी दी. इस दौरान संस्था के संस्थापक तरुण कुमार, पूजा कुमारी, पूनम महानंद, डॉ पोम्पी दास सेनगुप्ता व अन्य का योगदान रहा.

School shutdown drives rural girls to source pads from NGO

B Sridhar

Jamshedpur: The Covid-driven shutdown of the schools since the past 15 months has compelled adolescent school girls in East Singhbhum to depend on an NGO to source their sanitary pads.

The adolescent girls of the villages, who otherwise collected sanitary pads free of cost from the pad bank in their schools, are depending on Nischay Foundation, for doorstep supply. "Every month, we are providing close to 1,800 sanitary pads to the girls free of cost across villages spanning 11 blocks of the district since over a year," said Tarun Kumar, head of Nischay Foundation, that works in the field of menstrual hygiene awareness through public participation. The NGO came to the rescue of the girls who neither could not collect free pads from schools nor get money from their poor parents.

"Due to lack of awareness about the hygiene of using sanitary pads, many parents do not find it worthwhile to spend money on them and with limited earnings during the pandemic, spending money on pads is the last thing on their mind," said Sajid Ahmad, principal of Government Upgraded High School, Dhatkidih, Ghatshila.

DOORSTEP DELIVERY

He said even after years of menstrual hygiene awareness campaigns, hardly 30% of the women Ghatshila and surrounding blocks use the pads.

A government school teacher in Kukradih, Ghatshila, said during the previous government, free sanitary pads were distributed to the girls but that practice has stopped.

"Soon after the present government came to power, the shutdown of the schools began and the pad bank initiative got discontinued," said the high school principal, on condition of anonymity.

Sukriti Kisku (17) of Sonakul village of Dhalbhumgarh block, praised the NGO volunteers for delivering the sanitary pads to her house every month without fail since 2020. Similarly, Asha Kumari, (16), of Bhandarsol village in Baharagora, said the NGO has been helpful to several girls like her who are used to the sanitary pads.

ग्रामीणों ने पौधरोपण कर वीर सपूत को किया याद

वीर शहीद गणेश हांसदा के शहादत के एक वर्ष पूरे

जमशेदपुर, 17 जून (रिपोर्टर) : गतवर्ष गलवान घाटी में देश के लिये शहीद होनेवाले बहरागोड़ा के लाल गणेश हांसदा के शहादत के एक वर्ष पूरे होने पर उनके पैतृक पंचायत (चिंगड़ा) के कई गांवों के लोग शहीद की स्मृति में अपने अपने घरों में पौधरोपण कर शहादत को याद कर रहे हैं. इस मौके पर ट्राइबल ब्लड डोनर राजेश मार्डी, शहीद गणेश हांसदा के बड़े भाई दिनेश हांसदा एवं समस्त शहीद परिवार द्वारा आयोजित शिविर में रक्तदान करनेवालों को प्रमाण पत्र के साथ एक पैड, एक पेड़ देकर भी सम्मानित किया गया. रक्तदान करने पर नौजवानों को शाबाशी देते हुए प्रेरित किया गया कि शहीद गणेश हांसदा की याद में वे अपने अपने घरों पर पेड़ लगाएं, यह अनमोल कार्य वीर शहीद की यादों को अमर बनाएगा. वहीं सैनिटरी पैड का तोहफा अपने घरों की महिलाओं व

बच्चियों को जाकर दे, यह उन्हें स्वच्छ्ता के प्रति जागरूक करेगा. शहीद गणेश हांसदा के बड़े भाई दिनेश हांसदा ने भी शिविर में पहली बार रक्तदान किया. 'नई जिंदगी' एवं भीबीडीए के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित शिविर में कुल 40 युवाओं ने रक्तदान किया.

सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन की अनोखी पहल

शिक्षा के प्रति प्रेरित हो रहे है पंचायत में युवा व बच्चे

जमशेदपुर : ग्रामीण इलाके में रहनेवाले बच्चों व युवाओं की पढ़ाई छोटी-छोटी परेशानियों के कारण छूट जाया करती है. हम सभी के आस-पास ऐसे ही दर्जनों उदाहरण होंगे. पूर्वी सिंहभूम जिले के सुदूरतम प्रखण्ड बहरागोड़ा के कोसाफलिया निवासी वीर शहीद गणेश हांसदा ने तमाम परेशानियों से लोहा हेतु हुए पढ़ाई जारी रखते हुए सेना में नौकरी प्राप्त की. उन्होंने जून 2021 में भारत-चीन सीमा पर देश के लिए लड़ते हुए अपनी शहादत दी. इसके बाद झारखंड के सुदूरतम गांव कोसाफलिया को भी देश भर में जाना जाने लगा. वीर शहीद गणेश हांसदा की अमर विरासत से ग्रामीण युवाओं को प्रेरित करने हेतु सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के द्वारा वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप की शुरुआत 2020 में की गई थी. जिसके माध्यम से हर वर्ष मैट्रिक पास करने वाले 5 बच्चों को इंटर से स्नातक तक की पढ़ाई में सहायता व मार्गदर्शन हेतु चुना जाता है. 2020 में फेलोशिप के प्रथम वर्ष चिंगड़ा पंचायत के बच्चों जोबा किस्कू, निरमा सोरेन, विकास भुइयां, लखन सोरेन एवं आशा रानी जाना को चुना गया था. जो फेलोशिप के माध्यम से कोरोना काल के कठिन समय मे भी सफलता पूर्वक पढ़ाई जारी कर रहे हैं. फेलोशिप के दूसरे वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप 2021 की शुरूआत उनके माता पिता सुगदा हांसदा, कापरा हांसदा, बडे भाई दिनेश हांसदा एवं निश्चय के संस्थापक सचिव तरुण कुमार के द्वारा किया गया था. शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप 2021 के लिए वीर शहीद गणेश हांसदा के बहरागोड़ा स्थित पैतृक पंचायत चिंगड़ा के सभी 14 गांवों कोशाफलिया, अछराबेद, डुमरिया, दिलाहारा, लाधनाशोल, कटुशोल, भण्डारशोल, पुटूलियाशोल, हानाबाऊटिया, डोमबाउटिया, अर्जुनबेडा, दक्षिणशोल, संचिगरा एवं चिंगड़ा गांवों के बच्चे आवेदन कर सकते है.

Under Instru
TATA MOT
Jamshedp
ARDESHIR
(Aucti
28, BLACK BURN LANE, 6T
TELEPHONE NO. 2237-138
Will sell by E-auction **on 9th September**
disposal of following Surplus Asset lots etc
BILLET HEATER, OIL FIRED HEATING,
FURNACE, STRATENING M/C FOR FA
COINING PRESS, MATERIAL HANDLIN
TOWERS, SHOT BLASTING M/C, STR
INSPECTION, CRACK DETECTOR M/
HORIZONTAL BORING, GRINDING, RAD
FOR FA BEAM FORGING & STUB AXLE
INSPECTION: At TATA MOTORS WOR
Catalogues and other details are availa
Jamshedpur.
Caution Money Deposit: Within 6th Sep
Only Demand Draft, NEFT, RTGS & Pay
Note: Customers from outside state atte
report not older than 72 hrs from 31/08/
For details contact with Auctioneer. **Visit u**

निश्चय फाउंडेशन के सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन को मिला इनोवेशन @कोविड-19 पुरस्कार

जमशेदपुर | सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन की ओर से लॉकडाउन के दौरान पूर्वी सिंहभूम जिले में किशोरियों व महिलाओं को राहत पहुंचाने वाले अभियान सैनिटरी पैड रिलीफ कैंपेन को इनोवेशन@कोविड-19 कैटेगरी में विजेता घोषित किया गया है। भारत के अलावा पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश एवं नेपाल देशों से आए करीब 68 नॉमिनेशंस में संस्था के अभियान को चुना गया। पहला इंफोटेक फाउंडेशन और यूथ फॉर जॉब्स के अभियानों को भी इनोवेशन@कोविड19 कैटेगरी में संयुक्त विजेता चुना गया है। कोविड के कारण अवार्ड की घोषणा ऑनलाइन की गई है। पिछले वर्ष नई दिल्ली में आयोजित 6वें ई-एनजीओ चैलेंज अवार्ड्स में भी निश्चय के "माहवारी स्वच्छता अभियान" को दक्षिण एशिया के 10 प्रमुख स्वास्थ्य अभियानों में जगह मिली थी। ई-एनजीओ चैलेंज अवार्ड्स 2020-21 के इनोवेशन@कोविड19 केटेगरी में विजेता चुने जाने के बाद निश्चय फाउंडेशन का यह अभियान अब यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड समिट अवार्ड्स में भी शामिल हो सकेगा।

सैनिटरी पैड बांटते फाउंडेशन के सदस्य।

गालूडीह | **धाधकीडीह उमवि में हुई पैड बैंक की पुर्नस्थापना**

एक पैड-एक पेड़ अभियान से हुआ पौधरोपण

- माहवारी स्वच्छता पर कार्यशाला आयोजित
- अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस व योगा फॉर चिल्ड्रेन ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चे सम्मानित

संवाददाता, गालूडीह

कार्यशाला में शामिल शिक्षक, बच्चे व अतिथि.

पौधा रोपण करते अतिथि.

घाटशिला प्रखंड के धाधकीडीह उमवि में मंगलवार को सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन ने विद्यालय में पैड बैंक की पुनर्स्थापना की. बच्चियों को माहवारी स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया. एक पैड-एक पेड़ अभियान के तहत पौधरोपण किया. विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद ने बताया कि पिछले तीन साल से माहवारी स्वच्छता को लेकर अभियान चलाया जा रहा है. इससे माहवारी को लेकर बच्चों व ग्रामीणों की सोच में बदलाव आया है. कोरोना काल में बच्चियों को मदद पहुंची. विद्यालय में पैड बैंक के फिर से शुरू हो जाने से बच्चियों को काफी मदद मिलेगी. कार्यक्रम में निश्चय के संस्थापक सचिव तरुण कुमार ने कहा कि माहवारी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने की जरूरत है.

शोभा बेसरा व पार्वती मुर्मू माहवारी स्वच्छता एंबेसडर चुनी गयीं

विद्यालय की छात्रा शोभा बेसरा व पार्वती मुर्मू को माहवारी स्वच्छता एंबेसडर सर्व सम्मति से चुना गया. फाउंडेशन कोल्हान के लगभग 25 विद्यालयों में पैड बैंक व माहवारी स्वच्छता अभियान चला रहा है. मौके पर एचएम साजिद अहमद, एसएमसी अध्यक्ष सोनामनी मुर्मू, जल साहिया नीतू सिंह, अभिनव कुमार, तरुण कुमार, सिनगो सोरेन, निखिल रंजन धवरिया, अमरजीत माझी समेत विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Wed, 06 October 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/63572062

मध्य विद्यालय धातकीडीह में माहवारी स्वच्छता कार्यशाला के साथ पैड बैंक की हुई पुनर्स्थापना

पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पैड, एक पेड़ अभियान के तहत किया गया पौधरोपण

भास्कर न्यूज़ | घाटशिला

सितंबर में कक्षा छह से स्कूल खोले जानी की अनुमति मिलने के बाद एक बार विद्यालय फिर बच्चों से गुलजार होने लगे हैं। घाटशिला प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धातकीडीह में बच्चों के लिए लगातार बेहतर कार्य किए जाते हैं। वहीं, स्कूल खुलने पर फिर से निश्चय संस्था की ओर से स्कूलों में छात्राओं के लिए पैड बैंक शुरू किया गया। बच्चियों को माहवारी स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने हेतु एक पैड, एक पेड़ अभियान के तहत पौधरोपण भी करवाया गया। पैड बैंक की पुनर्स्थापना के मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद ने बताया कि पिछले तीन साल से ज्यादा समय से माहवारी स्वच्छता को लेकर विद्यालय में अभियान चलाया जा रहा है। इससे माहवारी को लेकर बच्चों व ग्रामीणों की सोच में काफी बदलाव आया है। इससे कोरोना काल मे भी बच्चियों को मदद पहुंच पाई। विद्यालय में पैड बैंक के फिर से शुरू हो जाने से बच्चियों को काफी मदद होगी। पैड बैंक की पुनर्स्थापना व एक पैड, एक पेड़ अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम में बच्चे, गांव की किशोरियों व महिलाएं, प्रभारी प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, एसएमसी अध्यक्षा सोनामनी मुर्मू, जल सहिया नीतू सिंह, अभिनव कुमार, तरुण कुमार, सिनगो सोरेन, निखिल रंजन धवरिया, अमरजीत माझी समेत विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

घाटशिला आसपास — दैनिक भास्कर, जमशेदपुर, मंगलवार, 12 अक्टूबर, 2021 | 12

वीर शहीद गणेश हांसदा की 22वीं जयंती आज, गांव में उत्साह का माहौल

फेलोशिप 2021 की साक्षात्कार परीक्षा आयोजित, ऑनलाइन इंटरव्यू में शामिल हुए पंचायत के कई गांवों के चयनित 12 बच्चे

भास्कर न्यूज़ | बहरागोड़ा

12 अक्टूबर को बहरागोड़ा स्थित चिंगड़ा पंचायत के कोषाफालिया गांव में वीर शहीद गणेश हांसदा की 23वीं जयंती मनाई जाएगी। गांव के सपूत ने छोटी उम्र में ही देश के लिए शहादत देकर गांव का नाम देश के मानचित्र पर ला दिया था। वीर शहीद गणेश हांसदा 16 जून 2020 को गलवान घाटी में पड़ोसी देश चीन के साथ लड़ते हुए सीमा पर वीरगति को प्राप्त हुए थे। शहीद गणेश की शहादत ने इलाके में न सिर्फ देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत किया है, वहीं पंचायत के बच्चों व युवाओं के लिए वह लगातार प्रेरणा का विषय बन रहे हैं। मालूम हो कि वीर शहीद गणेश हांसदा फ़ेलोशिप और वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय से पंचायत के बच्चों को शिक्षा को लेकर नई दिशा मिल रही है।

रविवार को वीर शहीद गणेश हांसदा फ़ेलोशिप 2021 की स्क्रीनिंग परीक्षा में चयनित 12 बच्चों ने ऑनलाइन साक्षात्कार में भाग लिया। यहां के सुदूर गांव में नेटवर्क की समस्या व स्मार्टफोन की कमी भी अब पढ़ाई के लिए बच्चों का हौसला नहीं तोड़ पाती। सुदूर गांवों में भी शिक्षा के तकनीकी माध्यमों के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फ़ेलोशिप की समूची प्रकिया ऑनलाइन ही आयोजित की जा रही है। इसके लिए बच्चों के उचित प्रशिक्षण के साथ-साथ बेहतर संवाद स्थापित किया गया है। जनभागीदारी से किया जाएगा। 2020 में भी पंचायत के पांच बच्चों का चयन किया गया था, जो वीर शहीद गणेश हांसदा फ़ेलोशिप व पुस्तकालय के माध्यम से पढ़ाई कर वीर शहीद गणेश हांसदा की सोच को लगातार आगे लेकर जा रहे है।

चयनित बच्चों को इंटर से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई में सहयोग मिलेगा

वीर शहीद गणेश हांसदा फ़ेलोशिप के दूसरे वर्ष आयोजित साक्षात्कार में अधिवक्ता राजीव कुमार, प्रोफेसर इंदल पासवान, डॉ. शिवेंद्र शास्त्री, प्रोफेसर धनंजय कुमार सिंह, शिक्षक साजिद अहमद, शिक्षक विश्वनाथ बेरा, शिक्षिका पूजा कुमारी, शिक्षिका प्रियंका झा, प्रोफेसर प्रीति सोनकर, जयप्रकाश राय, अंतरा बोस, स्वतंत्र सलाहकार रवि शंकर , निश्चय के तरुण कुमार एवं शहीद गणेश हांसदा के बड़े भाई दिनेश हांसदा जी के पैनल ने छात्र-छात्राओं का विस्तार से इंटरव्यू किया। लगभग चार घण्टों से ज्यादा समय तक चले ऑनलाइन इंटरव्यू में बच्चों से उनके विषयों को लेकर समझ, उनका सपना, भविष्य को लेकर उनकी योजनाये, उनके और उनके परिवार की चुनौतियों और सोच से सम्बन्धित सामान्य प्रश्न पूछे गए। अभियान के माध्यम से पंचायत के लगभग प्रत्येक घर में वीर शहीद गणेश हांसदा का संदेश पहुंच गया है, और उसे बच्चे और बड़े आत्मसात भी कर रहे हैं। इंटरव्यू देने वाले बच्चों के परिवार का आर्थिक-सामाजिक विश्लेषण कर जल्द वीर शहीद गणेश हांसदा 2021 के लिए चयनित बच्चों के परिणाम जारी किए जाएंगे। इसके बाद उन्हें पढ़ाई में सहयोग किया जाएगा।

विश्व कैंसर दिवस : स्वास्थ्य विभाग, स्वयंसेवी संस्थाओं और विभिन्न संगठनों ने किया आयोजन, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दिए टिप्स

स्वस्थ जीवनशैली और सजगता बचाएगी कैंसर से

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

हर वर्ष पूरी दुनिया में करोड़ों लोग कैंसर के शिकार होते हैं। भारत में भी करीब सात से आठ लाख लोगों की जान अलग-अलग तरह के कैंसर से जाती है। बड़े पैमाने पर जागरूकता से कैंसर से जान गंवाने वालों की संख्या में भारी कमी लाई जा सकती है। ये बातें मध्य प्रदेश के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. पीयूष जैन ने शुक्रवार को निश्चय फाउंडेशन के वेबिनार फाइट कैंसर विथ होप कार्यक्रम में कहीं।

डॉ. पीयूष ने कहा कि कैंसर पीड़ित गरीब-अमीर सभी तक बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा की पहुंच बढ़ाना जरूरी है। हाल के वर्षों में कैंसर की दिशा में बेहतर काम हुआ है। अब देश के छोटे-मध्यम शहरों में भी कैंसर हॉस्पिटल एवं विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध हैं। इससे आशा बढ़ी है कि हम कैंसर से बेहतर तरीके से लड़ पाएंगे। सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, फेफड़े, मुंह के कैंसर सामान्य कैंसर हैं। इनसे बचने के लिए सही जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ कैंसर स्क्रीनिंग के प्रति समाज में जागरूकता लाना जरूरी है। सरकार एवं सामाजिक संस्थाएं बेहतर काम कर रही हैं।

विश्व कैंसर दिवस पर वेबिनार में डॉ. पीयूष ने कहा कि कैंसर के बेहतर इलाज के लिए शुरुआती स्टेज में पहचान जरूरी है। महिलाओं में बढ़ रहे स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए मेमोग्राफी, सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए पैप स्मीयर टेस्ट एवं अन्य के बारे में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. पीयूष जैन एवं डॉ. अमित कुमार ने विस्तार से बताया। शहर के महशूर ऑंकोलॉजिस्ट डॉ. अमित कुमार ने बच्चेदानी के कैंसर के बारे में बताया। किशोरियों में माहवारी स्वास्थ्य जागरूकता के साथ एंचपीवी टीका लगवाने की प्रथा को समाज में बढ़ावा देने पर जोर दिया। 9 से 14 वर्ष की किशोरियों के टीकाकरण एवं स्क्रीनिंग टेस्ट से बच्चेदानी के कैंसर की संभावना को कम किया जा सकता है। वेबिनार के दौरान डॉक्टरों ने लोगों के सवालों का जवाब दिया। इस दौरान कैंसर के अनुवांशिक होने, संक्रामक होने जैसी बातों को विशेषज्ञों ने भ्रांति बताया।

सदर अस्पताल में शुक्रवार को कार्यक्रम को संबोधिक करते सिविल सर्जन।

कैंसर मरीजों की सेवा करतीं मारवाड़ी युवा मंच सुरभि शाखा की सदस्य। ● हिन्दुस्तान

संयम जरूरी: डॉ. भट्टाचार्यी

जमशेदपुर। खानपान में संयम बरतने से कैंसर का खतरा नहीं होगा। इसके लिए लाइफस्टाइल में सुधार जरूरी है। एमटीएमएच की डॉ. जे भट्टाचार्यी ने विश्व कैंसर दिवस पर ये बातें कहीं। शुक्रवार को सदर अस्पताल में कैंसर के खिलाफ जागरूकता अभियान के उद्घाटन में उन्होंने डॉक्टर से यह बात कही।

डॉ. एसके कुंडू सम्मानित

जमशेदपुर। अंतरराष्ट्रीय मानवता अधिकार एवं मीडिया संगठन के जिलाध्यक्ष एसआरके कमलेश की ओर से विश्व कैंसर दिवस पर ऑंकोलॉजिस्ट (कैंसर विशेषज्ञ) गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. एसके कुंडू को शुक्रवार को बाराद्वारी में शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

मारवाड़ी युवा मंच ने कैंसर रोगियों में बांटी खाद्य सामग्री

जमशेदपुर। विश्व कैंसर दिवस पर शुक्रवार को मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा के सदस्य ब्लड बैंक धतकीडीह के पास टाटा वर्कर्स यूनियन गेस्ट हाउस में कैंसर मरीजों एवं उनके परिजनों से मिले। शाखा अध्यक्ष मनीषा संघी के नेतृत्व में महिलाओं ने सभी को गुलाब, फल एवं खाद्य सामग्री दी। शाखा सचिव कविता अग्रवाल ने कैंसर रोगियों एवं परिजनों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि दुनिया के बहुत से लोगों ने इस रोग पर विजय प्राप्त की है। कैंसर को मात देकर सामान्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कोरोना नियमों का पालन करते हुए जरूरतमंदों की सेवा की गई। इस काम में उषा चौधरी एवं रुचि बंसल भी सक्रिय थीं।

शराब व तंबाकू के सेवन से कैंसर का खतरा : सीएस

जमशेदपुर। तंबाकू एवं शराब का सेवन भी कैंसर का एक मुख्य कारण है। शुक्रवार को सदर अस्पताल में विश्व कैंसर दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. एके लाल ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि लोगों को पान, गुटखा, खैनी व सिगरेट-बीड़ी के सेवन से बचना चाहिए। एनसीडी जांच शिविर से स्पष्ट हुआ है कि 33 प्रतिशत लोगों को कैंसर नशीले पदार्थ के सेवन से होता है। सिविल सर्जन ने कहा कि जांच व इलाज से कैंसर ठीक हो सकता है। इसके लिए मरीजों में जागरूकता जरूरी है। किसी भी अंग में परेशानी महसूस होने पर तत्काल निकट के स्वास्थ्य केंद्र या सरकारी अस्पताल में जांच कराना चाहिए। कार्यक्रम को अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. साहिर पाल, आरसीएच पदाधिकारी डॉ. जुझार माझी आदि ने संबोधित किया।

महाराष्ट्र से निकली सद्भावना साइकिल रैली बहरागोड़ा पहुंची, स्वागत के बाद बंगाल रवाना

झारखंडी संस्कृति से रूबरू हुए विद्यार्थी

➲ सद्भावना रैली 28 नवंबर को बांग्लादेश के नोवाखाली पहुंचेगी

प्रतिनिधि, बहरागोड़ा

अंतर्राष्ट्रीय मैत्री एवं सद्भावना बढ़ाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के अहमदनगर से निकली साइकिल रैली का झारखंड दौरा बेहद यादगार रहा. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्तूबर को महाराष्ट्र से चली रैली छतीसगढ़ और ओडिशा राज्यों का दौरा कर सोमवार देर शाम बहरागोड़ा पहुंची. रैली में 60 से अधिक विद्यार्थी शामिल हैं, जो लगातार साइकिल चलाकर एवं नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर सद्भावना का संदेश दे रहे हैं. बहरागोड़ा में सद्भावना रैली का स्वागत किया गया. इस मौके पर सामाजिक संस्थाओं, संगठनों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं एवं प्रशासन का बेहतरीन समन्वय दिखा. बहरागोड़ा के त्रिवेणी चौक पर लोगों ने सद्भावना रैली का स्वागत पुष्प वर्षा से किया. पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दिनेश षाड़ंगी ने साइकिल सवारों को गुलदस्ता देकर झारखंड में स्वागत किया. डॉ षाड़ंगी ने सद्भावना के संदेश को लेकर सद्भावना रैली के आयोजन को बेहद अहम बताया. मुख्य कार्यक्रम शिशु उद्यान मैदान में आयोजित हुआ. यहां काफी संख्या में बच्चों व महिलाओं ने दीवाली मनाकर सद्भावना रैली का अभिनंदन किया. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, शिशु विद्या मंदिर विद्यालय परिवार, राजनीतिक कार्यकर्ता, आदिवासी समुदाय, निश्चय फाउंडेशन, नामया फाउंडेशन के प्रतिनिधि समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे. रैली के लिए रात्रि विश्राम की बेहतरीन व्यवस्था शिशु विद्या मंदिर में विद्यालय प्रबंधन द्वारा की गयी.

बहरागोड़ा में रैली का स्वागत करते लोग.

पारंपरिक वेशभूषा व वाद्य यंत्रों से हुआ स्वागत : रैली में शामिल लोगों ने बहरागोड़ा के झरिया आदिवासी सांस्कृतिक भवन स्थित पुस्तकालय पहुंचकर झारखंड की संस्कृति को जाना. इस दौरान संथाल समुदाय ने पारंपरिक वेश भूषा में वाद्य यंत्रों के साथ स्वागत किया. मौके पर सद्भावना रैली के सदस्यों ने तिलका मांझी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. झारखंड के वीर शहीदों के इतिहास के साथ, झारखंड में बहुलता से निवास करने वाले संथाल, हो, उरांव आदिवासी समुदायों एवं भाषा संस्कृति के बारे में विस्तार से जाना.

शहीद जवान गणेश हांसदा के घर गये

रैली के लोग गलवान घाटी में शहीद हुए वीर शहीद गणेश हांसदा के कोषाफालिया गांव स्थित नवनिर्मित स्मारक का दौरा किया. शहीद गणेश हांसदा की कहानी सद्भावना दूतों के लिए रोमांचकारी व उत्साह बढ़ाने वाली रही. शहीद परिवार से बातचीत कर उनके मनोभाव को जाना. शहीद गणेश की कहानी के साथ संथाल गांव की सादगी व दीवारों पर बनी सुंदर कलाकृतियां भी विद्यार्थियों के रुचि को बढ़ा रही थी.

विद्यार्थियों का स्वागत करते डॉ षाड़ंगी.

पद्मश्री जमुना टुडू के आवास भी पहुंचे

सद्भावना रैली में शामिल लोग पद्मश्री जमुना टुडू के आवास पर भी गये. छात्र-छात्राओं ने झारखंड वासियों के प्रकृति प्रेम के साथ जंगल बचाने के लंबे संघर्ष को विस्तार से जाना. बताया कि अब तक के समूचे यात्रा में झारखंड का दौरा सबसे आनंद दायक व ज्ञानवर्धक रहा. मंगलवार शाम को रैली बंगाल के लिए रवाना हो गयी. सद्भावना रैली 28 नवंबर को बांग्लादेश के ऐतिहासिक शहर नोवाखाली पहुंचेगी.

सद्भावना का संदेश फैलाना उद्देश्य

सद्भावना रैली का नेतृत्व सामाजिक संस्था स्नेहालय के संस्थापक डॉ गिरीश कुलकर्णी कर रहे थे. उन्होंने बताया कि 2021 में भारत अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है. पड़ोसी राष्ट्र बांग्लादेश अपनी आजादी का स्वर्ण महोत्सव मना रहा है. बांग्लादेश की आजादी में भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. इसलिये भारत-बांग्लादेश के संबंध मैत्रीपूर्ण रहे हैं. सद्भावना रैली के माध्यम से हम गांव-शहर सभी जगह सद्भावना का संदेश फैलाने की कोशिश कर रहे हैं. रैली में डॉ अंकुश आवारे, विशाल अहिरे, फारुक बेग, विकास सुतार, संतोष धर्माधिकारी, योगेश गवली, संदीप क्षीरसागर, डॉ. मेघना मराठे, पूजा पोपलघाट, योगीनी शामिल हैं.

प्रभात खबर Wed, 03 November 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/64129370

महाराष्ट्र से निकली साइकिल रैली पहुंची झारखंड

बहरागोड़ा में सद्भावना रैली का हुआ स्वागत

जमशेदपुर : आजादी के अमृत महोत्सव के ऐतिहासिक मौके पर अन्तराष्ट्रीय मैत्री एवं सद्भावना बढ़ाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के अहमदनगर से निकली साइकिल सद्भावना रैली का झारखंड के बहरागोड़ा. गांधी जयंती 2 अक्टूबर को महाराष्ट्र से चली रैली छतीसगढ़ और ओडिशा राज्यों का दौरा कर सोमवार को देर शाम सीमावर्ती शहर बहरागोड़ा पहुंची. रैली में 60 से ज्यादा विद्यार्थी शामिल हैं, जो लगातार साइकिल चलाकर एवं नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर सद्भावना का संदेश दे रहे है. बहरागोड़ा में सद्भावना रैली का स्वागत जोरदार तरीके से किया गया. इस दौरान स्थानीय लोगों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, संगठनो, राजनीतिक कार्यकर्ताओं एवं प्रशासन का बेहतरीन समन्वय दिखा. बहरागोड़ा के स्थानीय त्रिवेणी चौक पर लोगों ने सद्भावना रैली का स्वागत पुष्पवर्षा से किया. पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दिनेश षाड़ंगी ने साइकिल सवारों को गुलदस्ता देकर रैली का झारखंड में स्वागत किया. मुख्य कार्यक्रम शिशु उद्यान मैदान में आयोजित हुआ, जहां में बड़ी संख्या में बच्चों व महिलाओं ने दीवाली मनाकर सद्भावना रैली का जोरदार अभिनंदन किया. इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, शिशु विद्यामंदिर विद्यालय परिवार, राजनीतिक कार्यकर्ता, आदिवासी समुदाय, निश्चय फाउंडेशन, नामया फाउंडेशन सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. रैली के रात्रि विश्राम की व्यवस्था शिशु विद्यामंदिर परिसर में विद्यालय प्रबंधन के द्वारा की गई थी. मंगलवार को सद्भावना रैली ने बहरागोड़ा के झरिया स्थित आदिवासी सांस्कृतिक भवन स्थित पुस्तकालय पहुंचकर झारखंड की संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त की. इस दौरान संथाल समुदाय ने पारम्परिक वेश भूषा में वाद्ययंत्रों के साथ स्वागत किया. सद्भावना रैली ने गलवान घाटी में शहीद हुए वीर शहीद गणेश हांसदा के कोसाफलिया गांव स्थित नवनिर्मित स्मारक का दौरा किया. शहीद गणेश की कहानी के साथ-साथ संथाल गांव की सादगी व दीवारों पर बनी सुंदर कलाकृतियां भी विद्यार्थियों के रुचि को बढ़ा रही थी. सद्भावना रैली के झारखण्ड में दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन चाकुलिया स्थित पद्मश्री जमुना टुडू के आवास पर विद्यार्थियों एवं लेडी टार्जन के संवाद के साथ हुआ. इस दौरान छात्र-छात्राओं ने झारखंड वासियों के प्रकृति प्रेम के साथ-साथ जंगल बचाने के लंबे संघर्ष को विस्तार से जाना. समूचे कार्यक्रम में भाग लेकर सदभवना यात्रियों बेहद प्रफुल्लित दिखे. उन्होंने बताया कि अब तक के समूचे यात्रा में झारखंड का दौरा सबसे आनंददायक व ज्ञानवर्धक रहा. मंगलवार शाम को रैली बंगाल के लिए रवाना हो गयी.

सद्भावना रैली 28 नवंबर को बांग्लादेश के ऐतिहासिक शहर नोवाखाली पहुंचेगी. सद्भावना रैली का नेतृत्व कर रहे सामाजिक संस्था स्नेहालय के संस्थापक डॉ गिरीश कुलकर्णी ने बताया की 2021 में भारत अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, वही पड़ोसी राष्ट्र बांग्लादेश अपनी आजादी का स्वर्ण महोत्सव मना रहा है. बांग्लादेश की आजादी में भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, इसलिये भारत-बांग्लादेश के संबंध मैत्रीपूर्ण रहे है. साइकिल सद्भावना यात्रियों में विद्यार्थियों के साथ-साथ डॉ अंकुश आवारे, विशाल अहिरे, फारुक बेग, विकास सुतार, संतोष धर्माधिकारी, योगेश गवली, संदिप क्षीरसागर, डॉ.

मेघना मराठे, पुजा पोपलघाट, योगीनी एवं अन्य विद्यार्थियों का लगातार उत्साह बढ़ा रहे हैं. सद्भावना रैली के झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र बहरागोड़ा में सफल आयोजन में प्रशासन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही. एसडीओ सत्यवीर रजक, प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश साहू, बहरागोड़ा थाना प्रभारी कुमार सौरभ की देखरेख में सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. वही स्नेहालय के आग्रह पर झारखण्ड की सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन ने प्रशासन, सामाजिक संगठनों एवं अन्य के साथ समन्वय स्थापित कर सद्भावना रैली का आयोजन किया.

महाराष्ट्र से निकली साइकिल रैली में शामिल लोग झारखंड की सभ्यता और संस्कृति से हुए परिचित

भारत-बांग्लादेश मैत्री व सद्भावना संदेश को लेकर रैली बहरागोड़ा पुस्तकालय पहुंची

भास्कर न्यूज | बहरागोड़ा

महाराष्ट्र के अहमदनगर से निकली सदभावना रैली मंगलवार को बहरागोड़ा के झरिया स्थित आदिवासी सांस्कृतिक भवन पुस्तकालय पहुंची, जहां झारखंड की संस्कृति के बारे में जाना। इस दौरान संथाल समुदाय ने पारंपरिक वेशभूषा में वाद्य यंत्रों के साथ स्वागत किया। मौके पर सद्भावना रैली के सदस्यों ने तिलका मांझी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद उन्होंने झारखंड के वीर शहीदों के इतिहास के साथ, झारखंड में बहुलता से निवास करने वाले संथाल, हो, उरांव आदिवासी समुदाय व उनकी भाषा और संस्कृति के बारे में विस्तार से जाना। रैली में आए विद्यार्थियों के लिए यह बेहद ज्ञानवर्धक व रोचक अनुभव रहा।

सद्भावना रैली ने गलवान घाटी में शहीद हुए वीर शहीद गणेश हांसदा के कोसाफलिया गांव स्थित नवनिर्मित स्मारक का भी दौरा किया। वीर शहीद गणेश हांसदा की समूची कहानी एनसीसी से जुड़े सद्भावना दूतों के लिए बेहद रोमांचकारी व उत्साह बढ़ाने वाली रही। इस दौरान शहीद परिवार से बातचीत कर उनके मनोभावों को जाना। शहीद गणेश की कहानी के साथ-साथ संथाल गांव की सादगी व दीवारों पर बनी सुंदर कलाकृतियां भी विद्यार्थियों की रुचि को बढ़ा रही थीं।

पद्मश्री जमुना टुडू से मिले छात्र-छात्राएं

सदभावना रैली के झारखंड में दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन चाकुलिया स्थित पद्मश्री जमुना टुडू के आवास पर विद्यार्थियों व लेडी टार्जन के संवाद के साथ हुआ। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने झारखंड वासियों के प्रकृति प्रेम के साथ-साथ जंगल बचाने के लंबे संघर्ष को विस्तार से जाना। समूचे कार्यक्रम में भाग लेकर सदभावना रैली में शामिल बच्चे बेहद प्रफुल्लित दिखे। उन्होंने बताया कि अब तक की समूची यात्रा में झारखंड का दौरा सबसे आनंदायक व ज्ञानवर्धक रहा। मंगलवार शाम को रैली पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हो गयी। सद्भावना रैली 28 नवंबर को बांग्लादेश के ऐतिहासिक शहर नोवाखाली पहुंचेगी।

झारखंड पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत जानकारी हो कि अमृत महोत्सव के ऐतिहासिक मौके पर दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर अंतरराष्ट्रीय मैत्री व सद्भावना बढ़ाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के अहमदनगर से निकली साइकिल सद्भभावना रैली एक नवंबर काने बहरागोड़ा पहुंची थी। रैली में 60 से ज्यादा विद्यार्थी शामिल थे, जो लगातार साइकिल चलाकर व नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर सद्भावना का संदेश दे रहे हैं। बहरागोड़ा में सद्भावना रैली का स्थानीय लोगों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, राजनीतिक कार्यकर्ताओं व प्रशासन की अटेर से घेरदार स्वागत किया गया। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दिनेश षाड़ंगी ने साइकिल सवारों को गुलदस्ता देकर रैली का झारखंड में स्वागत किया।

ये थे शामिल | साइकिल सद्भावना यात्रियों में विद्यार्थियों के साथ-साथ डॉ. अंकुश आवारे, विशाल अहिरे, फारुक बेग, विकास सुतार, संतोष धर्माधिकारी, योगेश गवली, संदीप क्षीरसागर, डॉ. मेघना मराठे, पूजा पोपलघाट, योगिनी एवं अन्य विद्यार्थियों का लगातार उत्साह बढ़ा रहे हैं। एसडीओ सत्यवीर रजक, प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश साहू, बहरागोड़ा थाना प्रभारी कुमार सौरभ की देखरेख में सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बहरागोड़ा में सद्भावना रैली का हुआ शानदार स्वागत

सद्भवना रैली 28 नवंबर को पहुंचेगी बांग्लादेश के ऐतिहासिक शहर नोआखाली

महाराष्ट्र से निकली 3000 किमी की साइकिल रैली पहुंची झारखंड

रैली में शामिल युवा.

jamshedpur@inext.co.in

JAMSHEDPUR (2 Nov) : आजादी के अमृत महोत्सव के ऐतिहासिक मौके पर अन्तराष्ट्रीय मैत्री एवं सद्भावना बढ़ाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के अहमदनगर से निकली साइकिल सद्भावना रैली का झारखंड के बहरागोड़ा पहुंची. इस दौरान रैली का शानदार स्वागत किया गया. गांधी जयंती 2 अक्टूबर को महाराष्ट्र से चली रैली छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों का दौरा कर सोमवार को देर शाम सीमावर्ती शहर बहरागोड़ा पहुंची. बहरागोड़ा के स्थानीय त्रिवेणी चौक पर लोगों ने सद्भावना रैली का स्वागत पुष्पवर्षा से किया.

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दिनेश षाड़ंगी ने साइकिल सवारों को गुलदस्ता देकर रैली का झारखंड में स्वागत किया. मुख्य कार्यक्रम शिशु उद्यान मैदान में आयोजित हुआ, जहां में बड़ी संख्या में बच्चों व महिलाओं ने दीवाली मनाकर सद्भावना रैली का जोरदार अभिनंदन किया. इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, शिशु विद्यामंदिर विद्यालय परिवार, राजनीतिक कार्यकर्ता, आदिवासी समुदाय, निश्चय फाउंडेशन, नामया फाउंडेशन सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

रैली के रात्रि विश्राम की व्यवस्था शिशु विद्या मंदिर परिसर में विद्यालय प्रबंधन द्वारा की गई थी. रैली में 60 से ज्यादा विद्यार्थी शामिल हैं.

कार्यक्रम का समापन

सद्भावना रैली के झारखंड में दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन चाकुलिया स्थित पद्मश्री जमुना टुडू के आवास पर विद्यार्थियों एवं लेडी टार्जन के संवाद के साथ हुआ. इस दौरान छात्र-छात्राओं ने झारखंडवासियों के प्रकृति प्रेम के साथ-साथ जंगल बचाने के लंबे संघर्ष को विस्तार से जाना. समूचे कार्यक्रम में भाग लेकर सद्भवना यात्रियों बेहद प्रफुल्लित दिखे. उन्होंने बताया कि अब तक के समूचे यात्रा में झारखंड का दौरा सबसे आनंददायक व ज्ञानवर्धक रहा. मंगलवार शाम को रैली बंगाल के लिए रवाना हो गयी. सद्भावना रैली 28 नवंबर को बांग्लादेश के ऐतिहासिक शहर नोआखाली पहुंचेगी. सद्भावना रैली का नेतृत्व कर रहे सामाजिक संस्था स्नेहालय के संस्थापक डॉ गिरीश कुलकर्णी ने बताया की 2021 में भारत अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है.

जानकारी हासिल की

मंगलवार को सद्भावना रैली ने बहरागोड़ा के झरिया स्थित आदिवासी सांस्कृतिक भवन स्थित पुस्तकालय पहुंचकर झारखंड की संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त की. इस दौरान संथाल समुदाय ने पारम्परिक वेश भूषा में वाद्ययंत्रों के साथ स्वागत किया. सद्भावना रैली ने गलवान घाटी में शहीद हुए वीर शहीद गणेश हांसदा के कोसाफलिया गांव स्थित नवनिर्मित स्मारक का दौरा किया. शहीद गणेश की कहानी के साथ-साथ संथाल गांव की सादगी व दीवारों पर बनी सुंदर कलाकृतियां भी विद्यार्थियों के रुचि को बढ़ा रही थी.

रही महत्वपूर्ण भूमिका

साइकिल सद्भावना यात्रियों में विद्यार्थियों के साथ-साथ डॉ अंकुश आवारे, विशाल अहिरे, फारुक बेग, विकास सुतार, संतोष धर्माधिकारी, योगेश गवली, संदिप क्षीरसागर, डॉ मेघना मराठे, पूजा पोपलघाट, योगीनी एवं अन्य विद्यार्थियों का लगातार उत्साह बढ़ा रहे हैं. सद्भावना रैली के झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र बहरागोड़ा में सफल आयोजन में प्रशासन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही. एसडीओ सत्यवीर रजक, प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश साहू, बहरागोड़ा थाना प्रभारी कुमार सौरभ की देख-रेख में सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. वही स्नेहालय के आग्रह पर झारखंड की सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन ने प्रशासन, सामाजिक संगठनों एवं अन्य के साथ समन्वय स्थापित कर सद्भावना रैली का आयोजन किया.

शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के लिए 5 विद्यार्थियों का चयन, स्नातक तक सहायता

- मैट्रिक पास करने वाले 5 बच्चों का चयन हर वर्ष प्रतियोगिता के माध्यम से किया जाता है

प्रतिनिधि, बहरागोड़ा

बहरागोड़ा के कोषाफालिया गांव के गणेश हांसदा चीनी सेनाओं के साथ जंग में शहीद हो गये थे. सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के द्वारा जन भागीदारी से वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप एवं वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय अभियान शुरू किया गया है. इसके माध्यम से ग्रामीण इलाके में पढ़ाई को लेकर बेहतर माहौल बन रहा है. शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के माध्यम से वीर शहीद की पैतृक पंचायत चिंगड़ा के 14 गांवों से मैट्रिक पास करने वाले 5 बच्चों का चयन हर वर्ष प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से किया जाता है. फेलोशिप के माध्यम से चुने गये बच्चों को इंटर से स्नातक तक की पढ़ाई के लिए सहयोग एवं मार्गदर्शन किया जाता है. फेलोशिप के दूसरे वर्ष 2021 में वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के लिए चिंगड़ा गांव के नारान टुडू, भंडारशोल के रूप नारायण बेरा, अर्जुनबेड़ा की शिवानी घोष, पुटूलियाशोल के जयदीप महाकुड़ एवं भंडारशोल के आकाश जाना का चयन किया गया है. बच्चों का चयन सितंबर-अक्तूबर में चार चरणों में ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से किया गया.

शहीद के माता-पिता आज बच्चों को करेंगे सम्मानित : वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के लिए चयनित बच्चों को झारखंड के 21वें स्थापना दिवस के मौके पर वीर शहीद गणेश हांसदा के माता-पिता सुगदा हांसदा, कापरा हांसदा बच्चों को कोषाफालिया स्थित आवास पर रविवार को सम्मानित करेंगे. इस दौरान बच्चों को फेलोशिप के माध्यम से पढ़ाई करने के लिए सभी जानकारियों के साथ पाठ्य सामग्री समर्पित की जायेगी.

प्रभात खबर Sun, 14 November 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/64327556

झारखंड स्थापना दिवस • निश्चय के संस्थापक ने कहा-वीर सैनिक की याद में जनभागीदारी अभियान देशभर के लिए प्रेरणास्रोत

शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के लिए चयनित बच्चों को प्रमाण पत्र-मेडल पहना किया सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | बहरागोड़ा

बिरसा मुंडा की जयंती सह राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर वीर शहीद गणेश हांसदा फ़ेलोशिप 2021 के लिए चयनित बच्चों को कोसाफालिया स्थित उनके आवास पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों, अतिथियों व अभिभावकों ने भगवान बिरसा मुंडा एवं वीर शहीद गणेश हांसदा की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर की। कार्यक्रम में फ़ेलोशिप के दूसरे वर्ष वीर शहीद गणेश हांसदा फ़ेलोशिप के लिए चयनित चिंगड़ा पंचायत के नारान टुडू, रूपनारायण बेरा, शिवानी घोष, आकाश जाना एवं जयदीप महाकुड़ को शहीद गणेश हांसदा के माता-पिता कापरा हांसदा व सुगदा हांसदा जी ने प्रमाण पत्र एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

फेलोशिप में चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित करते शहीद गणेश हांसदा के माता-पिता।

बच्चों को सम्मानित करते हुए शहीद के माता-पिता कापरा हांसदा व सुगदा हांसदा ने बताया कि "शहीद गणेश ने देश के लिए शहादत देकर ना केवल झारखंड की धरती का नाम रोशन किया, बल्कि हमारा गांव, हमारा इलाका जहां वर्षों सेअशिक्षा, पिछड़ेपन का अंधकार छाया हुआ था, वहां गणेश के शहादत ने एक रोशनी, आशाओं का दिया भी जलाया है, जिससे समूचा गांव रौशन हो रहा है। अब इलाके के सभी घरों में बच्चे गणेश जैसा बनने का सपना देख रहे है। कार्यक्रम में बुद्धिजीवी मंच पटमदा के पदाधिकारीगण प्रमुखता से शामिल हुए, बच्चों के अनुभवों व उत्साह से प्रभावित होकर मंच के उपाध्यक्ष व पार्षद स्वपन महतो ने बताया कि "गणेश हांसदा की याद में निश्चय के द्वारा शुरू अभियान बेहद सार्थक व अनुकरणीय है।" मौके पर उन्होंने फ़ेलोशिप के लिए चयनित एक बच्चे का शैक्षणिक खर्च में अगले पांच वर्षों तक बुद्धिजीवी मंच के माध्यम से सहयोग करने की बात कही। एक बच्चे की सहायता हेतु जमशेदपुर की सेवानिर्वित शिक्षिका मानसी चौधरी भी आगे आई है। जमशेदपुर की संकल्प संस्था ने भी 10 हजार रुपये की सहयोग राशि फ़ेलोशिप को समर्पित की है। वहीं वीपीआरए एंटरटेनमेंट के माध्यम से भेजी गई स्टेशनरी व पाठ्य सामग्रियां बच्चों को वितरित की गईं। कॉलेज के कई विद्यार्थियो ने पुस्तकालय के लिये पुस्तकों का दान दिया है, वही सेव फाउंडेशन ने पुस्तकालय के लिए बुक सेल्फ भेजा है, जिसके माध्यम से अब गांव के बच्चे सहूलियत से पठन-पाठन कर पा रहे है।

क्या कहते हैं संस्थापक

निश्चय के संस्थापक सचिव तरुण कुमार ने बताया कि "वीर शहीद गणेश हांसदा की याद में शुरू अभियान का परिणाम बेहद उत्साहवर्धक है। किसी सैनिक के शहादत की याद में सुनियोजित तरीके से संचालित यह अभियान संभवत देश भर में अपनी तरह का अनूठा अभियान है। अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाकर हम देश के अन्य इलाकों के वीर सपूतों की याद में भी कार्यक्रम शुरू करने के लिए स्थानीय लोगों को प्रेरित कर सकते है। " फ़ेलोशिप के माध्यम से चयनित बच्चों को दाखिला शुल्क, पुस्तकें, सामग्रियां, बेहतर तैयारी हेतु अलग-अलग विषयों के ट्यूशन शुल्क, परीक्षा शुल्क, यात्रा इत्यादि में आवश्यकतानुसार मदद की जाती है। जिसमें प्रत्येक बच्चे पर सालाना अनुमानित 20 हजार का खर्च आता है। वर्तमान समय मे फेलोशिप के माध्यम से चयनित 12 बच्चे पढ़ाई कर रहे है। अभियान में सहयोग करने के इच्छुक व्यक्ति या संगठन 8797874082 पर संपर्क कर सकते है। इस वीर शहीद के आवास के साथ-साथ वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालयों में भी बच्चों एवं ग्रामीणों ने मौके पर भगवान बिरसा मुंडा जी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर एवं उनकी जीवनी पर चर्चा कर झारखण्ड स्थापना दिवस मनाया। मौके पर फ़ेलोशिप परीक्षा में भाग लेने वाले सभी बच्चों को घर-घर जाकर सम्मानित किया गया।

कोसाफलिया गांव में मना झारखंड स्थापना दिवस

शहीद गणेश की याद में पढ़ाई कर रहे बच्चे इलाके में फैला रहे नई रोशनी

बहरागोड़ा/जमशेदपुर। झारखंड की धरती, प्राकृतिक व सांस्कृतिक धरोहरों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। झारखंड की धरती भगवान बिरसा मुंडा एवं अनगि. नत क्रांतिवीरों का साक्षी रहा है। झारखण्ड के धरोहरों एवं अस्मिता से बच्चों को जुड़ाव महसूस कराने के उद्देश्य से स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप 2021 के लिए चयनित बच्चों का सम्मान समारोह वीर शहीद गणेश हांसदा के कोसाफलिया, बहरागोड़ा स्थित आवास पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों, अतिथियों व अभिभावकों ने भगवान बिरसा मुंडा एवं वीर शहीद गणेश हांसदा जी की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर की। कार्यक्रम में फेलोशिप के दूसरे वर्ष वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के लिए चयनित चिंगड़ा पंचायत के नारान टुडू, रूपनारायण बेरा, शिवानी घोष, आकाश जाना एवं जयदीप महाकुड को शहीद गणेश हांसदा के माता–पिता कापरा हांसदा व सुगदा हांसदा जी ने प्रमाण पत्र एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान शहीद आवास का माहौल बेहद प्रफुल्लित करने वाला था। बच्चों को सम्मानित करते हुए माता–पिता कापरा हांसदा व सुगदा हांसदा जी ने कहा कि "शहीद गणेश ने देश के लिए शहादत देकर ना केवल झारखण्ड की धरती का नाम रोशन किया, बल्कि हमारा गांव, हमारा इलाका जहां वर्षों से अशिक्षा, पिछड़ेपन का अंधकार छाया हुआ था, वहां गणेश के शहादत ने एक रोशनी, आशाओं का दिया भी जलाया है, जिससे समूचा गांव रोशन हो रहा है। अब इलाके के सभी घरों में बच्चे गणेश जैसा बनने का सपना देख रहे है, आप सभी बच्चे भी फेलोशिप के माध्यम से पढ़ाई कर निश्चय ही इलाके का, देश का नाम ऊंचा उठाएंगे।" वही बच्चों ने भी गणेश हांसदा फेलोशिप के माध्यम से पढ़ाई करने के अनुभवो के बारे में बताते हुए कहा कि गरीबी व जागरूकता अभाव में हमारी आगे की पढ़ाई अनिश्चित थी, लेकिन फेलोशिप के द्वारा लगातार सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलने से हमारा हौसला बढ़ा है, हम खूब मेहनत करके अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में कोशिश कर रहे है। वीर शहीदो व महापुरुषों का सम्मान बढ़ाने में समाज की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण होती है। गणेश हांसदा की ऐतिहासिक विरासत को आगे ले जाने उद्देश्य से ही वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप एवं वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय का संचालन जनभागीदारी से किया जा रहा है। मौके पर उन्होंने फेलोशिप के लिए चयनित एक बच्चे का शैक्षणिक खर्च में अगले पांच वर्षों तक बुद्धिजीवी मंच के माध्यम से सहयोग करने की बात कही। वही एक बच्चे की सहायता हेतु जमशेदपुर की सेवानिर्वित शिक्षिका मानसी चौधरी जी आगे आई है। जमशेदपुर की संकल्प संस्था ने भी 10000 रुपये की सहयोग राशि फेलोशिप को समर्पित की है। वही वीपीआरए एंटरटेनमेंट के माध्यम से भेजी गई स्टेशनरी व पाठ्य सामग्रियां बच्चों को वितरित की गई। कॉलेज के कई विद्यार्थियो ने पुस्तकालय के लिये पुस्तकों का दान दिया है, वही सेव फाउंडेशन ने पुस्तकालय के लिए बुक सेल्फ भेजा है, जिसके माध्यम से अब गांव के बच्चे सहूलियत से पठन–पाठन कर पा रहे है।

निश्चय के संस्थापक सचिव तरुण कुमार ने बताया कि "वीर शहीद गणेश हांसदा जी की याद में शुरू अभियान का परिणाम बेहद उत्साहवर्धक है। किसी सैनिक के शहादत की याद में सुनियोजित तरीके से संचालित यह अभियान सम्भवत देश भर में अपनी तरह का अनूठा अभियान है। फेलोशिप के माध्यम से चयनित बच्चों को दाखिला शुल्क, पुस्तकें, सामग्रियां, बेहतर तैयारी हेतु अलग–अलग विषयों के ट्यूशन शुल्क, परीक्षा शुल्क, यात्रा इत्यादि में आवश्यक्तानुसार मदद की जाती है। जिसमें प्रत्येक बच्चे पर सालाना अनुमानित 20 हजार का खर्च आता है। वर्तमान समय मे फेलोशिप के माध्यम से चयनित 12 बच्चे पढ़ाई कर रहे है। अभियान में सहयोग करने के इच्छुक व्यक्ति या संगठन 8797874082 पर संपर्क कर सकते है। वीर शहीद के आवास के साथ–साथ वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालयों में भी बच्चों एवं ग्रामीणों ने मौके पर भगवान बिरसा मुंडा जी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर एवं उनकी जीवनी पर चर्चा कर झारखण्ड स्थापना दिवस मनाया। मौके पर फेलोशिप परीक्षा में भाग लेने वाले सभी बच्चों को घर–घर जाकर सम्मानित किया गया।

सुखदः एक सेनेटरी पैड के बदले एक पेड़, 30 गांवों में चल रहा अभियान

जमशेदपुर | अजीत मिश्रा

पर्यावरण संरक्षण

- स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी उपयोगी साबित हो रहा कार्यक्रम
- अमरूद, नीम, साल, आम के पौधे लगाने पर दिया जा रहा जोर

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी किशोरियां मासिक धर्म को लेकर जागरूक नहीं हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक संस्था काम कर रही है। पूर्वी सिंहभूम जिले में निश्चय फाउंडेशन की ओर से पांच महीनों से एक सेनिटरी पैड के बदले एक पौधा लगाने का जनअभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अबतक लगभग 30 से ज्यादा गांवों में लगभग 5 हजार से अधिक फलदार पौधे लगाए जा चुके हैं। इनमें आम, अमरूद, नीम, सागवान, साल आदि के पौधे शामिल हैं।

किशोरियों में एनीमिया दूर करने के लिए उनके घरों में बागवानी कराई जा रही है। पौष्टिक हरी सब्जियों के उगाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि इसके सेवन से खून की कमी दूर हो सके। अभियान से लगभग 6 हजार किशोरियों व महिलाओं को जोड़ा जा चुका है। संस्था प्रथम चरण में 10 हजार पौधे लगाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। 10 हजार किशोरियों व महिलाओं को अभियान से जोड़ने का लक्ष्य है। संस्था सेनिटरी पैड का खर्च खुद वहन करती है। किशोरियों व महिलाओं के बीच पैड के उपयोग व इसके निस्तारण के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम की शुरुआत इस साल विश्व पर्यावरण दिवस पर चाकुलिया प्रखंड के अंधरिया गांव से की गई थी। पर्यावरण संरक्षण के लिए मशहूर लेडी टारजन पद्मश्री जमुना टुडू के मार्गदर्शन में अभियान शुरू हुआ। स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए किशोरियों व महिलाओं में प्रतियोगिता का आयोजन भी कराया जा रहा है। उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा। अभियान से जुड़ने को कॉन्टेक्ट नंबर भी जारी किया गया है।

यह अभियान विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए फायदेमंद साबित हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में ठीक से मूलभूत सुविधा भी नहीं मिल पाती। ऐसे में स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण का अभियान बहुत अच्छा है।

– जमुना टुडू, पर्यावरणविद्, पद्मश्री

एक सेनिटरी पैड के बदले एक पेड़ को पूरे देश व विश्व में ले जाना है, ताकि स्वच्छता के साथ पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। शुरुआत में अभियान में 10 हजार बच्चियों को जोड़ने के साथ 10 हजार पौधे लगाने हैं।

–तरुण कुमार, संस्थापक, निश्चय फाउंडेशन

डा. मंजू रानी व तरुण बने ब्रांड एंबेसडर

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के विशेष पदाधिकारी कृष्ण कुमार ने शुक्रवार को डा. मंजू रानी सिंह और झारखंड के पैडमैन के नाम से अपनी पहचान बनाने वाले लिम्का बुक रिकार्डधारी तरुण कुमार को अक्षेस का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। शुक्रवार को डॉ मंजू रानी सिंह एवं तरुण कुमार को विशेष पदाधिकारी कृष्ण कुमार ने स्वच्छता की शपथ दिलाकर इस अभियान से जोड़ा। उन्होंने बताया कि डॉ मंजू रानी सिंह जो इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 325 के सीजीआर हैं। उन्होंने कैंसर को हराया है। उन्होंने अपना जीवन सेवा कार्यों में लगाने का फैसला किया है। तरुण कुमार जो कि झारखंड के पैडमैन के नाम से भी जाने जाते हैं। वह सुदूर गांवों में माहवारी स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण, बच्चों में रचनात्मकता व क्षमता विकास से जुड़े कई ग्रामीण मुद्दों पर काम करते आए हैं।

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों का भी ऑनलाइन ठिकाना

नन्हे रचनाकार

यहां बसता है सृजन का संसार

किशोरावस्था, खेलने-झगड़ने की अवस्था. सीखने-सिखाने, सपने देखने की अवस्था. एक तरफ जहां शहर-गांव ओमिक्रोन की चपेट में आ रहा है, वहीं दूसरी ओर किशोर मन के सपने भी सज रहे हैं. इन शब्द चितेरों के हाथों में कलम है, जो अपनी तरह की दुनिया गढ़ रहे हैं. ये किसी मशहूर प्राइवेट स्कूलों के बच्चे नहीं, बल्कि सरकारी स्कूलों के नन्हे रचनाकार हैं. ये भी तकनीकी रूप से उतने ही सक्षम हैं जितने कि अन्य छात्र. नन्हे रचनाकार के नाम से ही इनका व्हाट्सएप ग्रुप है. जहां पर समय-समय पर सभी मिलते हैं. कविता-कहानी की बातें होती हैं. स्कूल और पढ़ायी-लिखायी पर संवाद होता है. यहां तक कि इनका अपना फेसबुक पेज भी बना है. ऐसे नन्हे रचनाकार से रू-ब-रू कराती

लाइफ@जमशेदपुर के लिए कन्हैया लाल सिंह की रिपोर्ट.

...और ग्रुप आगे बढ़ता गया

-राजेश महतो

खड़िया बस्ती मानगो के राजेश महतो जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में क्लास 11 के छात्र हैं. वे बताते हैं कि उनलोगों की इच्छा थी कि एक ग्रुप बने. लेकिन पहल करने को कोई तैयार नहीं हो रहा था. ऐसे में निश्चय फाउंडेशन के तरुण कुमार ने पहल की और ग्रुप बन गया. हमलोग एक-दूसरे को ग्रुप में जोड़ते चले गये. कुछ मित्रों का ऑनलाइन कार्यक्रम करने का सुझाव आया. कार्यक्रम शुरू किया. सभी की रुचि बढ़ती गयी, ग्रुप आगे बढ़ता गया.

रश्मिरथी का हुआ पाठ

मुस्कान कुमारी

जमशेदपुर उत्क्रमित उवि, लक्ष्मीनगर में कक्षा आठ की छात्रा मुस्कान कुमारी बताती हैं कि वह प्राय: कार्यक्रमों में जुड़ने की कोशिश करती है. उदाहरण के लिए राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित कार्यक्रम उन्हें काफी अच्छा लगा. जिसमें दिनकर की रचनाओं का पाठ किया गया. उन्होंने रश्मिरथी की पंक्तियों का पाठ किया, जिसमें पांडव वन में हैं. भगवान श्रीकृष्ण हस्तिनापुर आते हैं. इस तरह यहां पर स्कूल पाठ्यक्रम की चीजें भी मिल जाती हैं.

बढ़ रही है क्रिएटिविटी

रिचा कुमारी

उत्क्रमित उच्च विद्यालय लक्ष्मी नगर की रिचा कुमारी कक्षा नौ में हैं. वह नन्हे रचनाकार से दो वर्ष से जुड़ी है. बताती हैं कि यह ग्रुप हम बच्चों के लिए संघर्ष और प्रेरणा का प्रतीक है. ग्रुप में हमलोग कई तरह की बातें कर लेते हैं. कोरोना काल के दौरान जब हम स्कूल नहीं जा रहे थे, तब पढ़ाई-लिखायी की बातें ग्रुप के माध्यम से होती थी. ग्रुप में हमलोग अपनी प्रॉब्लम भी साझा करते रहे हैं. जिसका सभी हल करने की कोशिश करते हैं.

रचना शैली में हुआ सुधार

-चंचला भकत

ग्रुप में बड़ाजुड़ी गांव घाटशिला की चंचला भकत जुड़ी है. अपना अनुभव साझा करते हुए कहती है कि कार्यक्रम के चलते उनकी रचना शैली में काफी सुधार हुआ. वह कविता लिखना सीख गयी है. अब किसी भी विषय पर कविता लिख सकती है. सब कुछ घर बैठे हो रहा है. इसे वह सबक के तौर पर लेती है और खुद में सुधार करती है. वह बताती है कि ग्रामीण बच्चे किसी से कम नहीं. ग्रुप में हमलोग नये मित्रों, अन्य स्कूलों के साथियों को भी जोड़ रहे हैं.

एफबी पर लाइव होते हैं कार्यक्रम

-रीमा गोराई

रीमा गोराई घाटशिला कॉलेज की छात्रा है. वह बताती है कि हम ग्रामीण बच्चों में भी प्रतिभा है लेकिन हमें बढ़िया मंच नहीं मिलता. ग्रुप में हम अपनी रचनाओं का पाठ करते हैं. जिसे स्पोर्ट्स में रुचि है उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. वह बताती है कि वे लोग ऑनलाइन कार्यक्रम कर इसे फेसबुक पर डालती हैं. नन्हे रचनाकारों का अपना फेसबुक (एफबी) पेज है. जहां पर कार्यक्रम लाइव किया जाता है.

वाद-विवाद करना सीखा

-प्रियंका महतो

प्रियंका महतो ग्रुप से जुड़ी है. वह बताती है कि ग्रुप में समसामयिक विषयों पर चर्चा भी होती है. चर्चा में अपनी बात रखना, दूसरों की बात सही है तो उसे स्वीकार करना, गलत है तो उसका सही जवाब देना यह बातें उन्होंने ग्रुप से सीखा. पंचतंत्र की कहानियों पर एक कार्यक्रम हुआ था. जिसमें कहानी प्रस्तुत करने का तरीका सीखा. नयी बातें सीखते रहने से उत्सुकता बढ़ती रहती है.

लिखने लगी हूं कविता-कहानी

-शिवानी महतो

जमशेदपुर बालिका उच्च विद्यालय साकची में कक्षा नौ की शिवानी महतो ग्रुप में है. वह बताती है कि ग्रुप के सभी कार्यक्रम बहुत अच्छे होते हैं. दोस्तों का बड़ा ग्रुप बन गया है. ग्रुप का ही नतीजा है कि आज वह कविता-कहानी लिखने लगी है. हितकू गांव निवासी पूजा हेंब्रम बताती है कि गांव में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका बच्चों को बहुत कम मिलता है. ऐसे में यह ग्रुप उन लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है.

बढ़ता है हौसला

-ब्यूटी महतो

महलीपाड़ा पटमदा निवासी और प्लस टू आदिवासी हाइस्कूल में क्लास 10 की छात्रा ब्यूटी महतो बताती है कि कार्यक्रम में बहुत कुछ सीखने को मिलता है. हम अपनी बातें सभी के सामने रख पाते हैं. जिससे छात्रों का कॉन्फिडेंस बढ़ता है. सुनते थे कि फलां-फलां स्कूल के छात्रों का अपना व्हाट्सएप ग्रुप है. जिस पर सभी अपनी बातें साझा करते हैं. उसी तर्ज पर हमलोगों ने भी इसे शुरू किया. इसमें न केवल अपनी बातें साझा करते हैं बल्कि ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित करते हैं.

जयदीप महाकुड़

स्वरचित कविता से हुआ नव वर्ष का स्वागत

पुटलियाशोल निवासी जयदीप महाकुंड बहरागोड़ा कॉलेज बहरागोड़ा में कक्षा 11 में हैं. नन्हे रचनाकार ग्रुप में सभी को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है. व्हाट्सएप ग्रुप है इसलिए कोई भी किसी भी समय कार्यक्रम में जुड़ जाता है. अभी हमलोगों ने नव वर्ष पर कार्यक्रम किया, जिसमें सभी ने स्वरचित कविताओं से नूतन वर्ष का अभिनंदन किया. हमलोग चाहते हैं कि नन्हे रचनाकार की रचनाएं भी पत्रिकाओं में प्रकाशित हों. इससे हमारा मनोबल बढ़ेगा. अपग्रेडेड हाइस्कूल लक्ष्मीनगर में क्लास नौ की छात्रा बबली कुमारी ने भी नव वर्ष के कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दी.

रूपनारायण

शहीदों के बारे में जाना

भंडारशोल गांव के छात्र रूपनारायण बताते हैं कि ग्रुप में साहित्य अभिरुचि से संबंधित कार्यक्रम होते हैं. हमलोगों ने खुद का परिचय देना, कविता और कहानी पाठ करना सीखा. एक दूसरे की रुचि के बारे में जानने का मौका मिला. हाल ही में ऑनलाइन कार्यक्रम में हमलोगों ने जनरल बिपिन रावत और देश के अन्य वीर शहीदों के बारे में जाना. बिपिन रावत व अन्य वीरों पर कविता प्रस्तुत की गयी. नये साल पर फोकस स्वरचित कविताओं का पाठ भी हमलोगों ने किया. यह बहुत ही बढ़िया मंच है. जिसमें हमलोग काफी कुछ सीख रहे हैं और तकनीकी रूप से सक्षम हो रहे हैं.

प्रभात खबर Mon, 17 January 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/65648324

कैंसर की जंग जीतने वाले लोगों ने दिए बीमारी से लड़ने के टिप्स

ऑनलाइन रखा विचार.

वर्ल्ड कैंसर डे पर निश्चय फाउंडेशन का प्रोग्राम

jamshedpur@inext.co.in

JAMSHEDPUR (4 Feb) : विश्व कैंसर दिवस के मौके पर शुक्रवार को निश्चय फाउंडेशन की ओर से आनलाइन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर कैंसर से जीतने वालों ने अपने अनुभव शेयर करते हुए लड़ने का टिप्स का दिया. जमशेदपुर की तीन मोटिवेशनल स्पीकर्स नीलम शर्मा, रितु रूंगटा एवं दिव्या वर्मन के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम के दौरान रितु रूंगटा ने कैंसर की पहचान होने पर हौसला नहीं हारने, कैंसर का सही इलाज करवाने, अपने मनोबल को ऊंचा रख सही नियमित दिनचर्या, मेडिटेशन, योग एवं डाक्टर्स के मार्गदर्शन को अपनाने को प्रोत्साहित किया. वहीं, नीलम शर्मा एवं दिव्या वर्मन ने कैंसर की लड़ाई में परिवार का साथ एवं सही नजरिए को भी महत्वपूर्ण बताया.

बताया कि परिवार एवं अपने जानने वालों का साथ कैंसर से लड़ने का हौसला बढ़ाता है. वही उन्होंने कैंसर से लोगों की जान बचाने वाले डाक्टर्स के सही मार्गदर्शन, सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए भी आभार जताया. इसके साथ ही कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. अमित कुमार ने भी कैंसर से बचने का टिप्स दिया. कार्यक्रम का संचालन फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार व डा. निदा जकारिया ने किया.

विश्व कैंसर दिवस पर 'फाइट कैंसर, विथ होप' नामक वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन

जमशेदपुर, 4 फरवरी (रिपोर्टर) : विश्व कैंसर दिवस पर सामाजिक संस्था 'निश्चय फाउंडेशन' की ओर से 'फाइट कैंसर, विथ होप' नामक वेबिनार कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कई देश के कई नामी-गिरामी चिकित्सक जुड़े. मध्यप्रदेश कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. पीयूष जैन ने कहा कि इस बीमारी से बचने के लिये सर्वप्रथम जागरुकता लाने की जरुरत है. उन्होंने बताया कि इससे बचने के लिए सही जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ कैंसर स्क्रीनिंग के प्रति समाज में जागरूकता लाना होगा. कार्यक्रम में महिलाओं में बढ़ रहे स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग हेतु मैमोग्राफी, सर्वाइकल कैंसर के स्क्रीनिंग हेतु पैप स्मीयर टेस्ट एवं अन्य के बारे में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ पीयूष जैन एवं डॉ अमित कुमार ने विस्तार से बताया.

शहर के डॉ अमित कुमार ने बच्चेदानी के कैंसर के बारे में बताते हुए किशोरियों में माहवारी स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ एचपीभी टीका लगवाने की प्रथा को समाज मे बढ़ावा देने का संदेश दिया. इस दौरान चिकित्सकों ने लोगों के सवालों के जवाब भी दिये. कार्यक्रम का संचालन करीम सिटी कॉलेज की मास कॉम फैकल्टी व संचार विशेषज्ञ डॉ निदा जकारिया एवं निश्चय के संस्थापक तरुण कुमार ने किया. इस दौरान लघु फिल्मों के माध्यम से कैंसर की गंभीरता, सामाजिक सोच, तकनीकी पहलूओं को दर्शाया गया.

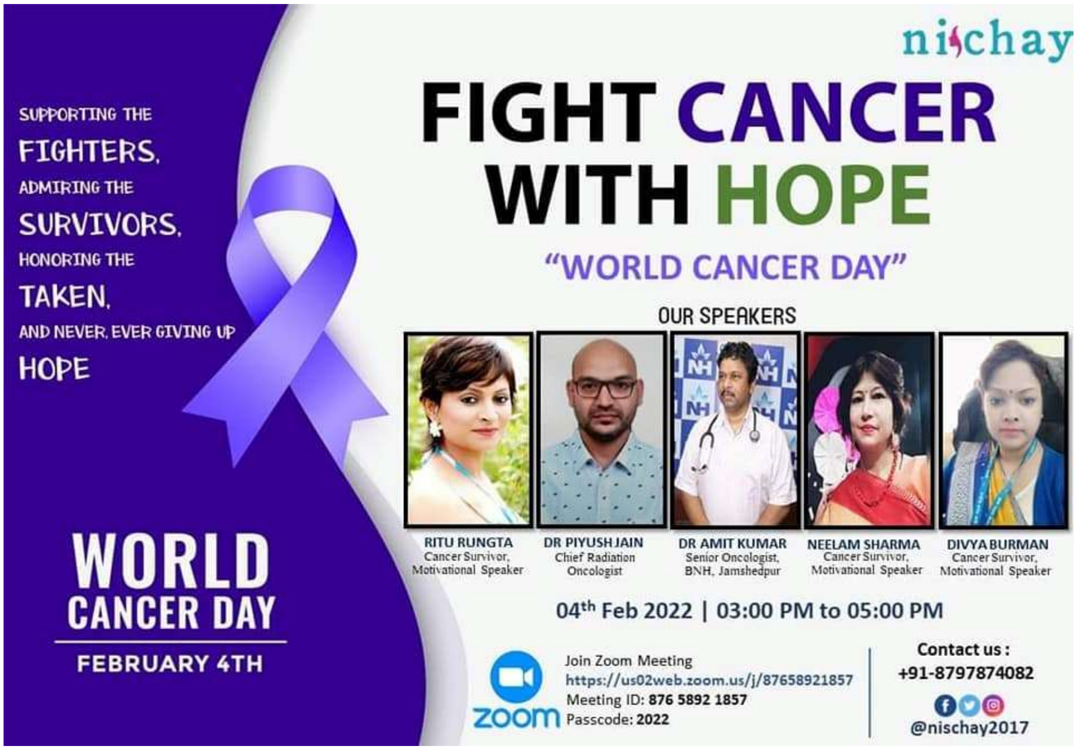

धाधकीडीह उमवि में किशोरी और महिला स्वास्थ्य पर कार्यशाला

कैंसर के शुरुआत में ही लक्षणों की पहचान बहुत जरूरी है

- माहवारी स्वच्छता और कैंसर के खतरों से महिलाओं और किशोरियों को किया जागरूक
- कार्यशाला में कैंसर को हराने वाली नीलम शर्मा की प्रेरक कहानी से भी महिलाओं को कराया अवगत

कार्यशाला में उपस्थित महिलाएं व किशोरी.

संवाददाता, गालूडीह

घाटशिला प्रखंड की धाधकीडीह उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में शनिवार को किशोरी और महिला स्वास्थ्य पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें माहवारी स्वच्छता और स्तन कैंसर के खतरों से महिलाओं और किशोरियों को जागरूक किया गया. कहा कि कैंसर का उचित इलाज के लिए शुरुआती समय में ही कैंसर के लक्षणों की पहचान जरूरी है. किशोरियों व महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य के लिए माहवारी स्वास्थ्य की जानकारी व स्वच्छता बेहद जरूरी है. वहीं, सुरक्षित स्वच्छता साधनों का इस्तेमाल नहीं करने से बड़े पैमाने पर महिलाएं सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित हो रही हैं. लंबे समय से माहवारी स्वच्छता जागरूकता की दिशा में कार्य कर रही सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन ने अब अपने अभियान में कैंसर जागरूकता को भी जोड़ा है. कार्यशाला में बच्चियों, माताओं एव विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भाग लिया. कार्यशाला में महिलाओं के प्रजनन तंत्र, उनकी कार्यशैली, हार्मोनल बदलाव आदि के बारे में बताया गया. वहीं, माहवारी के दौरान होने वाले मानसिक और भावनात्मक बदलावों पर भी चर्चा की गयी. बताया कि माहवारी के दौरान सैनिटरी पैड, री-यूजेबल पैड, मेंस्ट्रुअल कप आदि अपने सुविधा अनुसार महिलाएं किसी भी साधन का उपयोग कर सकती हैं.

स्कूल को पुस्तक सौंपते तरुण कुमार.

बढ़ते सर्वाइकल व ब्रेस्ट कैंसर के खतरे से कराया अवगत

इस दौरान महिलाओं में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर व ब्रेस्ट कैंसर के खतरे के बारे में अवगत कराया गया. कार्यशाला में कैंसर को हराने वाली नीलम शर्मा की प्रेरक कहानी भी महिलाओं को बतायी गयी. कैंसर की पहचान से लेकर निदान तक की पूरी कहानी, जीवन शैली से अवगत कराने के लिए पुस्तक कैंसर का सामना, सकारात्मक दृष्टिकोण पर आधारित पुस्तक को भी विद्यालय परिवार को समर्पित किया गया. कार्यशाला में निश्चय के संस्थापक एवं झारखंड के पैडमैन के रूप में पहचाने जाने वाले तरुण कुमार ने प्रशिक्षक की भूमिका निभायी. कार्यशाला के आयोजन में प्रधानाध्यापक साजिद अहमद की महत्वपूर्ण भूमिका रही. कार्यशाला के दौरान किशोरियों, अभिभावकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ-साथ बाल संसद के प्रधानमंत्री शोभा बेसरा, वार्ड सदस्य शेफाली सोरेन एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्षा सोनामोनी मुर्मू आदि सदस्य उपस्थित थे.

प्रभात खबर Sun, 19 June 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/68703002

पटमदा में स्टूडेंट्स ने किया प्लांटेशन

jamshedpur@inext.co.in

JAMSHEDPUR (22 March) : विश्व जल दिवस के मौके पर पटमदा स्थित एसएस +2 हाई स्कूल में बच्चों को पौधरोपण कर पर्यावरण और जल को संरक्षित करने का संदेश दिया गया. रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर एवं निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी कई जानकारियां दी गई. मौके पर उपस्थित डॉ भरत ने बताया कि जैसे हमारे बेहतर स्वास्थ्य के लिए अच्छी आदतें सीखना, कसरत करना, पौष्टिक भोजन करना, आउटडोर खेल खेलना इत्यादि बेहद जरूरी है, उसी तरह धरती के बेहतर स्वास्थ्य हेतु पेड़ लगाना बेहद आवश्यक है. उन्होंने बच्चों को अपने भोजन में तेल, चीनी और नमक की मात्रा कम करने का भी संदेश दिया.

बच्चों को वितरित किए गए सैनिटरी पैड एवं फलदार पौधे

बच्चियों को जागरूक किया

मौके पर क्लब की अध्यक्ष मधुमिता संतरा, अरुणा तनेजा एवं अन्य ने बच्चियों को माहवारी स्वास्थ्य हेतु भी जागरूक किया. बताया कि माहवारी के दिनों में कपड़े के बजाय सेनिटरी पैड का इस्तेमाल करना चाहिए, इससे महिलाओं को कई बीमारियों से सुरक्षा मिलती है. अतिथियों ने निश्चय फाउंडेशन के द्वारा संचालित माहवारी जागरूकता अभियान समेत एक पैड, एक पेड़ अभियान की प्रशंसा की.

నివాసం ఏర్పరచుకుంటామని హామీ పత్రమైనా సమర్పించాల్సి ఉంటుంది.

కదంబం

అడవిని పెంచే ప్యాడ్‌మ్యాన్

ఇప్పటికీ కొన్ని పల్లెల్లో ఆడపిల్లలకి నెలసరి సమస్యలూ, శానిటరీ న్యాప్‌కిన్లూ గురించి అవగాహన ఉండట్లేదు. ఒకవేళ ఉన్నా వారికి ప్రతినెలా వాటిని కొనుక్కునే స్తోమత ఉండట్లేదని గమనించాడు జంషెడ్‌పూర్‌కి చెందిన తరుణ్‌కుమార్. అందుకే దాదాపు వందకుపైనే స్కూళ్లూ, కాలేజీల్లో ప్యాడ్ బ్యాంకులను ఏర్పాటు చేశాడు. అందులో ఎవరైనా శానిటరీ ప్యాడ్ వేయొచ్చూ, అవసరానికి తీసుకుని వాడుకోవచ్చూ. అలానే ఝార్ఖండ్‌లోని పలు పల్లెలకు వెళ్లి ఆడపిల్లలకు మూడు నెలలకు కావల్సిన శానిటరీ ప్యాడ్‌లు అందజేస్తుంటాడు. వారి వద్ద నుంచి ఓ మొక్కను తీసుకుని నాటుతుంటాడు. దాదాపు ఏడెనిమిదేళ్లుగా నిత్యం ఇదే విధంగా చేస్తున్న తరుణ్ సింగ్‌భమ్ ప్రాంతంలో దాదాపు 20 వేల మొక్కలు నాటి ఓ వనాన్ని పెంచుతున్నాడు. అలానే 'ప్యాడ్‌మ్యాన్ అన్నయ్య'గా ఆడపిల్లల మనసుల్లోనూ స్థానం సంపాదించుకున్నాడు తరుణ్.

दैनिक भास्कर घाटशिला 18-06-2022

कार्यक्रम • निश्चय फाउंडेशन का एक पैड, एक पेड़ अभियान में लगभग 250 लोगों ने किया पौधरोपण

वीर शहीद गणेश हांसदा की शहादत के दो वर्ष पूरे होने पर कोषाफालिया में 54 लोगों ने किया रक्तदान

भास्कर न्यूज़ | बहरागोड़ा

देश की रक्षा करते हुए झारखंड के वीर सपूत गणेश हांसदा ने गलवान घाटी में चीन से लड़ते हुए 16 जून 2020 को अपनी शहादत दी थी। शहादत के दो वर्ष पूरे होने पर पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा स्थित कोसाफालिया में सामाजिक संस्था नई जिंदगी एवं निश्चय फाउंडेशन के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पंचायत के कई गांवों में बच्चों एवं बड़ों ने वीर शहीद गणेश हांसदा की स्मृति में घरों में पौधरोपण कर वीर शहीद की शहादत को याद किया।

शहादत दिवस के मौके पर ट्राइबल ब्लड डोनर राजेश मार्डी, वीर शहीद गणेश हांसदा के बड़े भाई दिनेश हांसदा एवं समस्त शहीद परिवार के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान रक्तदाताओं को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र के साथ-साथ एक पैड, एक पौधा देकर सम्मानित किया गया। रक्तदान शिविर के दौरान युवाओं का उत्साह देखते ही बनता था, इस दौरान कई ग्रामीण युवाओं ने जीवन मे पहली बार रक्तदान किया, वही जिले के विभिन्न प्रखंडों धालभूमगढ़, जमशेदपुर, पोटका, डुमरिया, मुसाबनी, बोड़ाम, पटमदा, बहरागोड़ा, आदित्यपुर व अन्य स्थानों से बड़ी संख्या में युवा रक्तदान शिविर व शहादत दिवस कार्यक्रम में भाग लेने कोसाफालिया पहुंचे थे। शिविर में कुल 54 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान का महादान करने पर नौजवानों को शाबाशी देते हुए प्रेरित किया गया कि वीर शहीद गणेश हांसदा की याद में आप सभी अपने अपने घरों पर पेड़ लगाए, आपका यह अनमोल कार्य वीर शहीद की यादों को अमर बनाएगा।

वही सैनिटरी पैड का तोहफा आप अपने घरों की महिलाओं व बच्चियों को जाकर दे, यह उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक करेगा, वही माहवारी स्वच्छता के प्रति आपकी भी शर्म और झिझक को तोड़ेगा। शिविर के बाद गणेश हांसदा फ़ेलोशिप एवं पुस्तकालय से जुड़े गांव के बच्चों, ग्रामीणों एवं महिलाओं को पेड़ एवं पैड वितरित किये गए। वीर शहीद गणेश हांसदा कि याद में पौधा रोपण करने का अवसर प्राप्त कर सभी बेहद उत्साहित नजर आए। रक्तदाताओं के अलावा कोसाफलिया, भंडारसोल, लाधनाशोल समेत कई गांवों में 250 से ज्यादा बच्चों एवं बड़ो के बीच एक पैड, एक पेड़ का उपहार दिया गया। वही वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप एवं वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय से जुड़े बच्चों ने भी गणेश हांसदा की स्मृति में पौधारोपण किया गया।

गांव के लोगों ने अपने घरों में पौधरोपण कर वीर सपूत को किया याद

रक्तदाता को प्रमाण पत्र सौंपते अतिथि।

पौधरोपण करतीं युवतियां।

डॉ. षाड़ंगी ने शहीद की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, दी श्रद्धांजलि

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री चाकुलिया के मुस्लिम बस्ती स्थित अपने पुराने साथी स्वर्गीय अदीपुर रहमान के आवास पर उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करने के लिए पहुंचे यहां उल्लेखनीय है अतिकुर रहमान का निधन निवास स्थान पर आम के पेड़ से गिरने के कारण हेड इंजरी से हो गई थी । मौके पर दिनेश सिंह, मिनाज अख्तर,लखींद्र कपाट, रशीद खान, नौशद अंसारी, फजलुर्रहमान उपस्थित थे। उसके बाद बांसदा चौक स्थित गलवान वीर शहीद गणेश हंसाद के मूर्ति पर माल्यार्पण किए जाते समय बड़ामरा जंगल में 21 हाथियों का सामना करना पड़ा । यहां से पीछे मुड़कर चाकुलिया एरोड्रम होकर मुडाल होते हुए बांसदा चौक पहुंचे । वहां पर शहीद गणेश हांसदा की स्थापित प्रतिमूर्ति पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि अर्पित की मौके पर दीपक बारीक तथा पंचायत समिति सदस्य परेश मुंडा, बाबलू महापात्र उपस्थित थे। मौके पर शहीद के पिता सुखदा हांसदा,माता कापरा हांसदा तथा बड़े भाई दिनेश हांसदा से मुलाकात की तथा शहीद पार्क अवलोकन किया। मूर्ति स्थापना, शहीद पार्क निर्माण अनावरण के भव्य समारोह आयोजित करने के लिए मानव कल्याण संघ के डॉ संजय गिरि धन्यवाद दिया। इस समारोह के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यक्रम रद्द किए जाने पर एवं दो वर्षों के बाद भी सरकार द्वारा किये गए वादों पूरा नहीं करने में शहीद का अपमान बताया।

उत्क्रमित मवि टांगराइन में किशोरी व महिला स्वास्थ्य पर कार्यशाला

पोटका : पोटका स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, टांगराइन में किशोरी व महिला स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें बच्चियों, माताओं व विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भाग लिया. माहवारी के दौरान होने वाले मानसिक और भावनात्मक बदलावों पर भी चर्चा की गई. महिलाओं से माहवारी स्वच्छता के साथ-साथ पोषण, स्वास्थ्य चेकअप व अन्य जुड़े पहलुओं पर भी बात की गई. निश्चय के संस्थापक व झारखंड के पैडमैन के रुप में पहचाने जाने वाले तरुण कुमार ने प्रशिक्षक की भूमिका निभाई. कार्यशाला के आयोजन में प्रधानाध्यापक अरविंद तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

प्रभात खबर Thu, 14 July 2022 https://epaper.prabhatkhabar.com/c/69168559

शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप 2022 की प्रारंभिक प्रवेश परीक्षा कल

- घाटशिला के जेसी हाई स्कूल को बनाया गया है परीक्षा केंद्र, 7 अगस्त को होगा साक्षात्कार

जमशेदपुर: शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के तीसरे वर्ष 2022 के लिए प्रारंभिक प्रवेश परीक्षा 31 जुलाई को घाटशिला के जेसीहाई स्कूल में आयोजित होगी. घाटशिला अनुमंडल के बहरागोडा, चाकुलिया, धालभूमगढ़, घाटशिला, मुसाबनी, डुमरिया व गुड़ाबांधा प्रखंडों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों से इस वर्ष 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले लगभग 42 बच्चों ने फेलोशिप के लिए आवेदन किया था. प्रारंभिक प्रवेश परीक्षा दो पालियों मे आयोजित होगी. पहली पारी में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक बच्चे विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित, हिंदी, अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान की वस्तुनिष्ठ परीक्षा में शामिल होंगे, वहीं दूसरी पाली में दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक सामान्य ज्ञान व व्यक्तित्व मनोविज्ञान पर आधारित लिखित परीक्षा में भाग लेंगे. प्रारंभिक प्रवेश परीक्षा में सफल बच्चे 7 अगस्त को आयोजित साक्षात्कार में भाग ले सकेंगे. फेलोशिप परीक्षा व बच्चों के पारिवारिक आर्थिक सामाजिक पृष्ठभूमि के विश्लेषण के माध्यम से पांच बच्चों को अंतिम रूप से चयनित किया जाएगा. जिन्हें इंटर से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई में लगातार सहयोग व मार्गदर्शन करने की संस्था द्वारा प्रयास किया जाएगा. अभियान के माध्यम से फिलहाल 11 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं.

दैनिक भास्कर **घाटशिला • बहरागोड़ा • चाकुलिया • जादूगोड़ा** जमशेदपुर, मंगलवार, 30 अगस्त, 2022 | 14

राष्ट्रीय खेल दिवस पर धातकीडीह उत्क्रमित मध्य विद्यालय में खेल-खिलाड़ी गैलेरी का आयोजन, लड़कों और लड़कियों ने एक साथ खेला क्रिकेट मैच

नामचीन खिलाड़ियों की तस्वीर उनकी उपलब्धियों के साथ की गई प्रदर्शित

भास्कर न्यूज | गालूडीह

पढ़ाई के साथ- साथ खेलों में भी बच्चों की सक्रिय भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। बच्चों को जीवन में खेल का महत्व से रुबरू करवाने हेतु गालूडीह स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय धातकीडीह में राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर विद्यालय में खेल - खिलाड़ी गैलरी का शुभारंभ किया गया। खेल - खिलाड़ी गैलरी में विभिन्न खेलों में भारत का नाम समूचे विश्व में ऊंचा करने वाले नामचीन खिलाड़ियों की तस्वीरें, उनकी उपलब्धियों के साथ प्रदर्शित की गई है। गैलरी में मेजर ध्यानचंद, सचिन तेंदुलकर, पी टी उषा, साइना नेहवाल, महेंद्र सिंह धोनी, बाइचुंग भूटिया, दीपिका कुमारी, मैरी कॉम समेत लगभग दो दर्जन खेल व्यक्तित्वों की तस्वीरें प्रदर्शित की गई है, जो बच्चों के बीच दिन भर कौतूहल का विषय बनी रही। इस दौरान कार्यशाला आयोजित कर बच्चों को संबंधित खिलाड़ियों व उनकी उपलब्धियों को विस्तार से बताया गया।

खेलकूद कार्यशाला के दौरान विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक साजिद अहमद व निश्चय संस्था के संस्थापक तरुण कुमार ने बच्चों को संबोधित किया। बताया गया कि \'खेलकूद हमारे शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ साथ हमें अनुशासित रहना व टीम में कार्य करना भी सिखलाता है। हम खेल हस्तियों की जीवनी से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को नई दिशा दे सकते है।

कार्यक्रम में विद्यालय के बाल संसद की रही सक्रिय भागीदारी

धातकीडीह मध्य विद्यालय पूर्वी सिंहभूम जिले का पहला विद्यालय है, जहां मिक्स जेंडर क्रिकेट टीम का गठन किया गया हैं। मिक्स जेंडर क्रिकेट टूर्नामेंट की परिकल्पना निश्चय के संस्थापक तरुण कुमार से प्रेरित है, इसे सबसे पहले 2018 में रांची में आयोजित किया गया था। उनके इस प्रयास को क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर की भी सराहना मिल चुकी है। इसके पुरस्कार स्वरूप सचिन तेंदुलकर के ऑटोग्राफ युक्त बल्ला तरुण को मिला था। धातकीडीह विद्यालय में मिक्स जेंडर क्रिकेट अभियान शुरू होने पर आसपास के इलाकों में भी जल्द ही बालक बालिका समानता के संदेश को बढ़ावा मिलने की संभावना है। राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विद्यालय के बाल संसद की सक्रिय भागीदारी के साथ साथ विद्यालय के शिक्षक बापी पाल, निखिल रंजन धावड़िया, सोंगे सोरेन, काजू माझी आदि का योगदान रहा

बालक - बालिका समानता के संदेश पर आधारित मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच खेला

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विद्यालय में मिक्स जेंडर क्रिकेट अभ्यास मैच आयोजित कर बच्चों एवम ग्रामीणों में बालक बालिका समानता का अनोखा संदेश दिया गया। मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच हेतु विद्यालय में ही बच्चों की दो टीमें सचिन एकादश एवम मिताली राज एकादश बनाया गया। टीमों की खासियत यह है की दोनों टीमों में लड़के लड़कियां दोनों ही एक साथ क्रिकेट खेलते है। राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित अभ्यास मैच में मिताली राज एकादश ने टॉस जीतकर सचिन एकादश को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। सचिन एकादश ने निर्धारित 6 ओवर्स में 4 विकेट के नुकसान पर 38 रनों का स्कोर खड़ा किया। वहीं 39 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिताली राज एकादश निर्धारित ओवर्स में केवल 32 रन ही बना सकी।

टीपीएस डीएवी पब्लिक स्कूल बहरागोड़ा में बच्चों के खेल के साथ-साथ पढ़ाई पर भी दिया गया बल

बहरागोड़ा | टीपीएस डीएवी पब्लिक स्कूल बहरागोड़ा में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इसको लेकर तरह-तरह की गतिविधियां कराई गईं। खेल दिवस के बारे में बताते हुए कहा गया कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर हम प्रतिवर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस मनाते हैं। ओलंपिक खेलों में उन्होंने तीन गोल्ड मेडल जीतकर रिकॉर्ड बना दिया। खेल से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने ज्यादा से ज्यादा उत्तर देने की कोशिश किया। सभा के अंत में प्राचार्य अनूप कुमार ने खेलकूद के साथ साथ पढ़ाई लिखाई पर भी जोर देना चाहिए। उन्होंने अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़ और श्रीनाथ जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि ये सारे इंजीनियरिंग करने के साथ साथ क्रिकेट में भी अपना नाम रोशन किया।

दैनिक भास्कर **घाटशिला** 30-08-2022

कार्यक्रम में विद्यालय के बाल संसद की रही सक्रिय भागीदारी

धातकीडीह मध्य विद्यालय पूर्वी सिंहभूम जिले का पहला विद्यालय है, जहां मिक्स जेंडर क्रिकेट टीम का गठन किया गया हैं। मिक्स जेंडर क्रिकेट टूर्नामेंट की परिकल्पना निश्चय के संस्थापक तरुण कुमार से प्रेरित है, इसे सबसे पहले 2018 में रांची में आयोजित किया गया था। उनके इस प्रयास को क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर की भी सराहना मिल चुकी है। इसके पुरस्कार स्वरूप सचिन तेंदुलकर के ऑटोग्राफ युक्त बल्ला तरुण को मिला था। धातकीडीह विद्यालय में मिक्स जेंडर क्रिकेट अभियान शुरू होने पर आसपास के इलाकों में भी जल्द ही बालक बालिका समानता के संदेश को बढ़ावा मिलने की संभावना है। राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विद्यालय के बाल संसद की सक्रिय भागीदारी के साथ साथ विद्यालय के शिक्षक बापी पाल, निखिल रंजन धावड़िया, सोंगे सोरेन, काजू माझी आदि का योगदान रहा

दैनिक भास्कर घाटशिला 30-08-2022

बालक - बालिका समानता के संदेश पर आधारित मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच खेला

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विद्यालय में मिक्स जेंडर क्रिकेट अभ्यास मैच आयोजित कर बच्चों एवम ग्रामीणों में बालक बालिका समानता का अनोखा संदेश दिया गया। मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच हेतु विद्यालय में ही बच्चों की दो टीमें सचिन एकादश एवम मिताली राज एकादश बनाया गया। टीमों की खासियत यह है की दोनों टीमों में लड़के लड़कियां दोनों ही एक साथ क्रिकेट खेलते है। राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित अभ्यास मैच में मिताली राज एकादश ने टॉस जीतकर सचिन एकादश को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। सचिन एकादश ने निर्धारित 6 ओवर्स में 4 विकेट के नुकसान पर 38 रनों का स्कोर खड़ा किया। वही 39 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिताली राज एकादश निर्धारित ओवर्स में केवल 32 रन ही बना सकी।

दैनिक भास्कर घाटशिला 15-09-2022

गुरुद्वारा उच्च विद्यालय, मानगो में जिलास्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

चाकुलिया के राजू और धालभूमगढ़ की आशा दास ने जीता पुरस्कार

भास्कर न्यूज़ | बहरागोड़ा

हिंदी दिवस के मौके पर गुरुद्वारा उच्च विद्यालय, मानगो में विद्यालय परिवार, बेस्ट ट्रस्ट एवं निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बदलते समय में शिक्षक छात्र संबंध विषयक संवाद सह सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान निबंध प्रतियोगिता के विजेता घाटशिला कॉलेज के इंटर के छात्र राजू महतो, धालभूमगढ़ प्लस टू हाईस्कूल के 11 वीं की छात्रा आशा दास को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान निर्मला कुमारी गुलेरिया (जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम), चंदेश्वर खां, कॉरपोरेट मोटिवेशनल स्पीकर, बृज भूषण सिंह, प्रो धंजल, भूतपूर्व प्राचार्या, ग्रेजुएट कॉलेज, भगवान सिंह, प्रधान, गुरु सिंह सभा, कुलविंदर सिंह पन्नू, चेयरमैन, एवं अन्य अतिथियों ने संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को संबोधित करते हुए अथितियों ने हिंदी के महत्व को विस्तार से बताया। इस दौरान निबंध प्रतियोगिता में विजेता बच्चों ने भी शिक्षक छात्र संबंध को लेकर अपनी भावनाओं को रखा। बताया की शिक्षकों के मार्गदर्शन में ही हम छात्र सही ज्ञान प्राप्त कर पाते है, सही मार्गदर्शन प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ पाते हैं। दूसरी तरफ कार्यक्रम के दौरान विजेता बच्चों को जिला शिक्षा पदाधिकारी निर्मला कुमारी गुलेरिया स्मृति चिन्ह व उपहार देकर सम्मानित किया। मालूम हो कि इस अवसर पर गुरुद्वारा स्कूल से इस वर्ष दसवीं परीक्षा में टॉप करने वाले नैंसी एवम आयुष को सम्मानित किया गया।

'बदलते समय में शिक्षक-छात्र संबंध' पर संवाद व सम्मान समारोह

- निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को मिला सम्मान
- मानगो गुरुद्वारा उच्च विद्यालय

जमशेदपुर, 14 सितंबर (रिपोर्टर) : हिन्दी दिवस पर मानगो गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी गुरु नानक उच्च विद्यालय, बेस्ट ट्रस्ट एवं निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'बदलते समय में शिक्षक-छात्र संबंध' विषयक संवाद सह सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में 'चमकता आईना' व 'न्यू इस्पात मेल' के प्रबंधक बृजभूषण सिंह मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में निर्मला कुमारी गुलेरिया (जिला शिक्षा पदाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम), झारखंड प्रदेश गुरुद्वारा कमिटी के प्रधान सरदार शैलेंद्र सिंह, चंदेश्वर खां (कॉरपोरेट मोटिवेशनल स्पीकर), प्रो धंजल (पूर्व प्राचार्या, ग्रेजुएट कॉलेज), प्रधान भगवान सिंह, चेयरमैन कुलविंदर सिंह पन्नू एवं अन्य अतिथि मौजूद थे.

अपने संबोधन में बृजभूषण सिंह ने हिन्दी का महत्व बताया तथा जनहित में सिख समाज द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की. इस दौरान निबंध प्रतियोगिता में विजेता बच्चों ने भी शिक्षक-छात्र संबंध को लेकर अपनी भावनाओं को रखा. विजेता बच्चों को बृजभूषण सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी निर्मला कुमारी गुलेरिया, सरदार शैलेंद्र सिंह ने सम्मानित किया. मौके पर गुरुद्वारा स्कूल से इस वर्ष दसवीं की टॉपर नैंसी एवं आयूष को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के दौरान सुदूर इलाके में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय कार्य करने हेतु उच्च विद्यालय सिठियों, लोहरदग्गा के विद्यालय प्रबंधन समिति को सम्मानित किया गया. इसे सफल बनाने में प्रधान भगवान सिंह, चेयरमैन कुलविंदर सिंह, सचिव संतोष सिंह, महासचिव जसवंत सिंह जसो, सुखदेव सिंह बिट्टू, सुखविंदर सिंह सुक्खू, पलविंदर सिंह, मधुलिका रॉय, अनिता कुमारी, जसवंत सिंह, इश्तेयाक जौहर, इमरान, अनिल पांडेय, आकिब जावेद एवं अन्य का योगदान रहा. कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका मधुलिका रॉय एवं धन्यवाद ज्ञापन संतोष सिंह व तरुण कुमार ने किया.

जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में विजेता बच्चों की सूची :

जूनियर श्रेणी (वर्ग 5 से 8) : तृषा घोष डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल, बीएच एरिया), आदविका काबरा (सेक्रेड हर्ट कान्वेंट स्कूल) तथा सोनल दास (केरला समाजम मॉडल स्कूल).

सीनियर श्रेणी (वर्ग 9 से 12) : राजू महतो (घाटशिला कॉलेज, घाटशिला), तन्वी महेश्वरी (डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल), आशा दास (नरसिंहगढ़ +2 उच्च विद्यालय, धालभूमगढ़).

शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप. शहीद के आवास पर कार्यक्रम कर पुरस्कृत किये गये

प्रथम बैच के पांचों बच्चे 12वीं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण

- शहीद की मां ने कहा- बच्चे पढ़ाई कर देश का नाम रोशन करें

प्रतिनिधि, बहरागोड़ा

बच्चों को पुरस्कृत करते शहीद के माता-पिता.

शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के प्रथम वर्ष (2020) में चयनित पांच बच्चों ने इस वर्ष 12वीं की परीक्षा दी. सभी बच्चे (विकास भुइयां, लखन सोरेन, आशा रानी जाना, जोबा किस्कू एवं निरमा सोरेन) प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए. इनमें दो बच्चे विज्ञान संकाय व 3 बच्चों ने कला संकाय से पढ़ाई की. मंगलवार को बहरागोड़ा के कोसाफलिया स्थित शहीद आवास पर पांचों बच्चों व अभिभावकों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में वीर शहीद गणेश हांसदा के माता-पिता कापरा हांसदा व सुगदा हांसदा ने बच्चों का मुंह मीठा कराया. उन्हें अंगवस्त्र व व्यक्तित्व विकास की पुस्तक देकर सम्मानित किया. शहीद के माता-पिता ने कहा कि शहीद गणेश की याद में पढ़ाई कर रहे बच्चों की सफलता देखकर बहुत अच्छा महसूस हो रहा है. सभी बच्चे आगे चलकर देश का नाम रोशन करेंगे. फेलोशिप की शुरुआत करने वाले निश्चय के संस्थापक तरुण कुमार ने बच्चों को प्रोत्साहित किया. मौके पर शहीद के बड़े भाई दिनेश हांसदा, सुनील हांसदा, पार्वती, अभिभावक चेतन किस्कू, रघु सोरेन, रास बिहारी भुइयां, कारू सोरेन, कलाकार विश्वनाथ टोनी दत्ता एवं अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन तरुण कुमार ने किया. कार्यक्रम के बाद बच्चों ने शहीद स्मारक का देखा.

शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप 2022 के लिए 10 तक आवेदन दें

वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के तीसरे वर्ष (2022) घाटशिला अनुमंडल के सरकारी विद्यालयों से 10वीं पास करने वाले बच्चे 10 जुलाई 2022 तक आवेदन कर सकते हैं. बच्चे 8797874082 पर VSGHF 2022 लिखकर व्हाट्सअप कर सकते हैं. फेलोशिप के माध्यम से चयनित पांच बच्चों को इंटर से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई में नियमित सहायता व मार्गदर्शन दिया जाता है.

प्रभात खबर Wed, 06 July 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/69019892

दैनिक भास्कर | **घाटशिला • बहरागोड़ा • चाकुलिया • जादूगोड़ा** | जमशेदपुर, मंगलवार, 22 नवंबर, 2022 | 14

वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप 2022 के लिए चयनित पांच बच्चे सम्मानित

बच्चों व उनके अभिभावकों में दिखा शहीद के गांव आने का उत्साह, शहीद स्मारक का दौरा कर देखा संग्रहालय, शहीद को मिले सेना मेडल से भी हुए रूबरू

भास्कर न्यूज़ | बहरागोड़ा

अंतराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस के मौके पर पर बहरागोड़ा स्थित शहीद गणेश हांसदा के गांव कोसाफलिया में वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के तीसरे वर्ष 2022 में चयनित बच्चों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान बच्चों ने वीर शहीद गणेश हांसदा स्मारक का भी दौरा कर उनके समूची कहानी से रूबरू हुए। कार्यक्रम की शुरुआत चिंगडा पंचायत के मुखिया परमेश्वर हेंब्रम, शहीद के माता पिता कापरा हांसदा, सुगदा हांसदा जी के द्वारा वीर शहीद गणेश हांसदा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद सभी बच्चों व अभिभावकों ने देश के वीर सपूत को श्रद्धांजलि दी। घाटशिला अनुमंडल के मुसाबनी, धालभुमगढ़, चाकुलिया, घाटशिला व बहरागोड़ा प्रखंड के विभिन्न गांवों से आए बच्चों के शहीद गांव कोसाफलिया पहुंचे थे। शहीद के माता पिता कापरा हांसदा, सुगदा हांसदा जी ने फेलोशिप 2022 के लिए चयनित मुसाबनी प्रखंड के लावकेसरा गांव की कोमल मार्डी, मुसाबनी बादिया की कल्याणी थायल, धालभूमगढ़ के रोमाशोली गांव के सिंगराय मुर्मू, बाबेदा गांव के धनीराम मार्डी, चाकुलिया के सोनाहातू गांव के अमृत महतो, घाटशिला के दाहिगोड़ा के विष्णु प्रसाद मौर्या एवं उनके अभिभावकों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं गणेश हांसदा की तस्वीर देकर सम्मानित किया। सम्मान पाकर सभी बच्चे बेहद गर्वांवित महसूस कर रहे थे, उन्होंने बताया की वीर शहीद की धरती पर आकर वह देश के प्रति अपने कर्तव्य को महसूस कर पा रहे है। इस दौरान बच्चों को बताया गया की हम अपने सपनों को पूरा कर, समाज के लिए उपयोगी बन, देश की प्रगति में बड़ा योगदान दे सकते हैं। फेलोशिप के लिए चयनित कोमल मार्डी व कल्याणी थायल डॉक्टर बन ग्रामीण क्षेत्र में अपनी सेवा देना चाहती है। अमृत महतो एनडीए में जाकर भारतीय सेना को सेवा देना चाहते है। सिंगराय मुर्मू इनकम टैक्स ऑफिसर बनने का सपना देखते है, वहीं घनीराम मार्डी आईएएस बनकर देश की सेवा करना चाहते है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उनके सपनों की दिशा में आगे बढ़ने हेतु उपयोगी जानकारियां निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार, शिक्षक व मोटिवेशनल वक्ता संतोष शर्मा ने दी। फेलोशिप के लिए बच्चों का चयन लिखित प्रवेश परीक्षा, साक्षात्कार एवम बच्चों के अभिभावकों का आर्थिक सामाजिक विश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। फेलोशिप के तहत पढ़ाई कर रहे विकास भुईयां का चयन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा के लिए हुआ है। वहीं, सिंगराय मुर्मू एवं धनीराम मार्डी का चयन टाटा स्टील ट्रेड अप्रेंटिस के लिए हो गया है। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में बच्चों ने शहीद स्मारक का दौरा किया। इस दौरान शहीद के बड़े भाई दिनेश हांसदा ने बच्चों को गणेश हांसदा की शहादत व गणेश हांसदा को सेना मेडल मिलने की कहानी बताई। दिन भर के कार्यक्रम में भाग लेकर सभी बच्चों व अभिभावक बेहद उत्साहित नजर आए।

प्रभात खबर बहरागोड़ा

शहीद के गांव कोषाफालिया में मना अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस

शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के लिए पांच विद्यार्थियों का चयन

प्रतिनिधि, बहरागोड़ा

अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस के मौके पर पर बहरागोड़ा स्थित शहीद गांव कोषाफालिया में वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के तीसरे वर्ष 2022 में चयनित बच्चों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में फेलोशिप के तहत पढ़ाई कर रहे सभी बच्चे एवं अभिभावक उपस्थित थे. समारोह के दौरान बच्चों ने वीर शहीद गणेश हांसदा स्मारक का भी दौरा कर उनकी कहानी से रूबरू हुए.

कार्यक्रम की शुरुआत चिंगड़ा पंचायत के मुखिया परमेश्वर हेंब्रम, शहीद के माता -पिता कापरा हांसदा, सुगदा हांसदा द्वारा वीर शहीद गणेश हांसदा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गयी. बच्चों को उपयोगी जानकारियां निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार, शिक्षक व मोटिवेशनल वक्ता संतोष शर्मा ने दी. फेलोशिप के माध्यम से चयनित बच्चों को इंटर से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई में सहायता की जाती है, ताकि बच्चे निर्बाध रूप से अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए अपने सपनों को पूरा कर सके. फेलोशिप के लिए बच्चों का चयन लिखित प्रवेश परीक्षा, साक्षात्कार एवं बच्चों के अभिभावकों की आर्थिक,सामाजिक विश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है. मौके पर बच्चों को शहीद के बड़े भाई दिनेश हांसदा, गणेश हांसदा की शहादत व गणेश हांसदा को सेना मेडल मिलने की कहानी बतायी.

शहीद परिवार के साथ सम्मानित बच्चे.

पांच विद्यार्थियों को मिला सम्मान

घाटशिला अनुमंडल के मुसाबनी, धालभूमगढ़, चाकुलिया, घाटशिला व बहरागोड़ा प्रखंड के विभिन्न गांवों से बच्चे शहीद के गांव कोषाफालिया पहुंचे. शहीद के माता पिता कापरा हांसदा, सुगदा हांसदा ने फेलोशिप 2022 के लिए चयनित मुसाबनी प्रखंड के लावकेसरा की कोमल मार्डी, मुसाबनी बादिया की कल्याणी थायल, धालभूमगढ़ के रोमाशोली गांव के सिंगराय मुर्मू, बाबईदा गांव के धनीराम मार्डी, चाकुलिया के सोनाहातू गांव के अमृत महतो, घाटशिला के दाहीगोडा के अभिभावकों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं गणेश हांसदा की तस्वीर देकर सम्मानित किया. फेलोशिप के लिए चयनित कोमल मार्डी व कल्याणी थायल डॉक्टर बनना चाहती है. अमृत महतो एनडीए में जाकर भारतीय सेना को सेवा देना चाहते है.सिंगराय मुर्मू इनकम टैक्स ऑफिसर और धनीराम मार्डी आइएएस बनकर देश की सेवा करने का सपना देखते हैं.

वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप 2022

फेलोशिप के लिए चयनित विद्यार्थी.

प्रभात खबर Tue, 22 November 2022
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/70929927

शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप हेतु चयनित 5 बच्चे सम्मानित

- कोसाफलिया में मना अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस
- शहीद स्मारक का दौरा कर देखा संग्रहालय

जमशेदपुर, 21 नवंबर (रिपोर्टर) : अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस पर बहरागोड़ा स्थित कोसाफलिया गांव में शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के तीसरे वर्ष में चयनित बच्चों को सम्मानित किया गया. समारोह के दौरान बच्चों ने वीर शहीद गणेश हांसदा स्मारक का भी दौरा कर उनके समूचे कहानी से रूबरू हुए. कार्यक्रम की शुरुआत चिंगडा पंचायत के मुखिया परमेश्वर हेंब्रम, शहीद के माता पिता कापरा हांसदा, सुगदा हांसदा द्वारा शहीद गणेश हांसदा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर हुई.

शहीद के माता पिता कापरा हांसदा, सुगदा हांसदा जी ने फेलोशिप के लिए चयनित मुसाबनी प्रखंड के लावकेसरा गांव की कोमल मार्डी, मुसाबनी बादिया की कल्याणी थायल, धालभूमगढ़ के रोमाशोली गांव के सिंगराय मुर्मू, बाबेदा गांव के धनीराम मार्डी, चाकुलिया के सोनाहातू गांव के अमृत महतो, घाटशिला के दाहिगोड़ा के विष्णु प्रसाद मौर्या एवं उनके अभिभावकों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवम गणेश हांसदा की तस्वीर देकर सम्मानित किया. इसके बाद बच्चों ने शहीद स्मारक का दौरा किया. शहीद के बड़े भाई दिनेश हांसदा ने बच्चों को गणेश हांसदा की शहादत व गणेश हांसदा को सेना मेडल मिलने की कहानी बताई.

100 पुस्तकों के साथ पुस्तकालय शुरू, संचालन समिति गठित की गयी

स्वतंत्रता दिवस पर भंडारशोल में वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय शुरू

- पंचायत के गांवों में युवाओं ने एक पैड, एक पेड़ अभियान के तहत लगाये आम के पौधे

प्रतिनिधि ▷ बहरागोड़ा

वीर शहीद गणेश हांसदा की याद में बच्चों व युवाओं में शिक्षा की ज्योति जलाने के लिए चिंगड़ा पंचायत के भंडारशोल गांव में स्वतंत्रता दिवस पर वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया. युवाओं व ग्रामीणों की भागीदारी से गांव में एक भवन को चिन्हित कर पुस्तकालय का स्वरूप दिया गया है. लाइब्रेरी का शुभारंभ वीर शहीद गणेश हांसदा के बड़े भाई दिनेश हांसदा ने झंडोतोलन कर किया. उन्होंने कहा कि सुदूर गांवों के युवाओं और बच्चों को पढ़ाई करने में सैकड़ों चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. प्रिय गणेश की याद में पुस्तकालय का शुभारंभ गांव के युवाओं के लिए सौभाग्य की बात है. पुस्तकालय में दैनिक अख़बार, मासिक पत्र-पत्रिकाएं, प्रेरक किताबें, साहित्य समेत इंटर से स्नातक तक के तमाम विषयों की पुस्तकें मौजूद होंगी. पुस्तकालय का शुभारंभ लगभग 100 पुस्तकों व पाठ्य सामग्रियों के साथ किया गया. इसे जमशेदपुर के दर्जनों लोगों ने निश्चय फाउंडेशन और जमशेदपुरटेन्मेंट.कॉम के माध्यम से उपहार स्वरूप भेजा गया है.

मौके पर घाटशिला कॉलेज के प्रो इंदल पासवान ने कहा कि आज आप सभी ने एक दीप जलाया है, इसकी रौशनी आने वाले समय में आस-पास के गांव रौशन होंगे. मौके पर दिनेश हांसदा, प्रो इंदल पासवान, तरुण कुमार, बैद्यनाथ हांसदा, हिमाद्री, सूरज चक्रवर्ती, सुपाई सोरेन व अन्य उपस्थित थे. एक पैड, एक पेड़ अभियान के तहत पंचायत के कई गांवों में आम के दर्जनों पौधे लगाये गये.

पुस्तकालय का उद्घाटन करते शहीद गणेश के बड़े भाई.

शहीद गणेश हांसदा के माता-पिता सम्मानित

कोषाफालिया गांव में स्वतंत्रता दिवस पर वीर शहीद गणेश हांसदा के घर प्रमुख शास्त्री हेंब्रम, बीडीओ राजेश कुमार साहू व सीओ हीरा कुमार पहुंचे. उन्होंने परिजनों से उनकी स्थिति की जानकारी ली. किसी प्रकार की परेशानी होने पर अवगत कराने को कहा. वीर शहीद गणेश के माता-पिता को शाल ओढ़ाकर व उपहार देकर सम्मानित किया गया. उन्होंने एक बोरा चावल देने का आश्वासन दिया. इसके पूर्व वीर शहीद गणेश की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया. मौके पर सीआई हराधन मदीना, जेई अभिजीत बेरा, सुमित कुमार आदि उपस्थित थे.

गणेश हांसदा की याद में शहीद स्मरण समारोह

बहरागोड़ा. द टारगेट फाउंडेशन ने कोषाफलिया के वीर शहीद गणेश हांसदा की याद में शहीद स्मरण समारोह मनाया. इसमें वायु सेना व थल सेना सैनिक और भूतपूर्व सैनिक शामिल हुए. सबसे पहले वीर गणेश हांसदा स्मृति मंच मैदान में परेड कर शहीद को सलामी देने के साथ झंडोत्तोलन किया गया. वीर शहीद गणेश हांसदा की मां कापरा हांसदा के हाथों झंडा फहराया गया. मंच से शहादत स्थल तक शहीद के स्मरण में रैली निकाली गयी. संस्था के संस्थापक कलन महतो ने कहा कि हर साल भव्य तरीके से शहीद गणेश हांसदा की याद में शहीद स्मारक बनाया जायेगा. मौके पर भूतपूर्व सैनिक रतन कुमार मिश्रा, बृजेशर जाना, डॉ चितरंजन महापात्रा, शक्ति पद, फाउंडेशन के संरक्षक कलन महतो, दिनेश हांसदा, रासु भुइयां, प्रसनजीत कर्मकार, मोहम्मद जावेद, झंटू महतो उपस्थित थे.

पुस्तकालय संचालन कमेटी गठित, गौतम बने अध्यक्ष

पुस्तकालय संचालन कमेटी गठित की गयी. अध्यक्ष गौतम कुमार धारा बनाये गये. सुमित महाकुड़, मानस कुमार धारा, मनमोहन महाकुड़, विकास भुइयां, शुभम जाना एवं बनमाली धारा को सर्वसम्मति से पुस्तकालय का प्रबंधन सौंपा गया. निश्चय के संस्थापक सचिव तरुण कुमार ने पुस्तकालय के संचालन के लिए दिशा निर्देशों व योजना को विस्तार से बताया. धीरे धीरे पुस्तकालय में कॉलेज व प्रतियोगी परीक्षा की पुस्तकें मिलेंगी. इस अवसर पर वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप 2020 के तहत भंडारशोल के विकास भुइयां व आशा रानी जाना को पाठ्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया. बताया गया कि शहीद गणेश हांसदा की याद में पंचायत के तीन गांवों में पुस्तकालय की शुरुआत किये जाने की योजना है. शिक्षक दिवस को चिंगड़ा पंचायत के लाधनाशोल गांव में पुस्तकालय खोलने को लेकर तैयारियां की जा रही है.

प्रभात खबर Mon, 17 August 2020
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/54271453

'खेल मैदान में सक्रियता उम्र नहीं जज्बे से होती है'

धाधकीडीह उमवि

- आउटडोर खेलों के प्रति जागरूकता का दिया संदेश
- मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच से दिया बालक-बालिका समानता का संदेश
- म्यूजिकल चेयर, बिस्कुट, बैलून, सुई धागा, गोली चम्मच, चॉकलेट रेस और हांडी फोड़ खेल हुए

संवाददाता, गालूडीह

सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते अतिथि.

खेल दिवस मे शामिल बच्चे और अभिभावक.

धाधकीडीह उमवि में रविवार को वार्षिक खेल दिवस सह वनभोज हुआ. विद्यालय के बच्चे, शिक्षक, प्रबंधन समिति और माता समिति के सदस्य शामिल हुए. बच्चों ने स्वयं खेल कार्यक्रमों का जिम्मा संभाला, वहीं बड़ों ने वनभोज की तैयारी की. इसमें भूतपूर्व विद्यार्थी भी शामिल हुए. बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार, शिक्षक-शिक्षिका, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व सदस्य और बाल संसद के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी. मौके पर सॉफ्टवेयर इंजीनियर अंकित अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, तेज कुमार अतिथि शामिल हुए. सभी ने बच्चों की प्रशंसा की. खेलों के माध्यम से संदेश दिया कि केवल बच्चे नहीं, बल्कि हर उम्र के व्यक्ति खेल के मैदान पर सक्रिय रह सकते हैं. इसके फायदे बताये गये.

मिक्स जेंडर क्रिकेट में अवंतिका इलेवन विजेता

बालक-बालिका समानता का संदेश देकर मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच हुआ. प्रत्येक मिश्रित टीम में लड़के-लड़कियां समेत बड़े शामिल हुए. विद्यालय में अध्ययनरत सुकुरमनी व अवंतिका की कप्तानी में सुकुरमनी एकादश बनाम अवंतिका एकादश के बीच मैच हुआ. इसमें अवंतिका इलेवन ने सुकुरमनी इलेवन को 7 विकेट से हराकर मिक्स जेंडर कप जीत लिया.

प्रतियोगिता में बच्चों के साथ माताओं ने दिखाया दम

विद्यालय परिसर मे म्यूजिकल चेयर, बिस्कुट रेस, हंडी फोड, बैलून रेस, सुई-धागा, गोली चम्मच रेस, चॉकलेट रेस, मोमबती जलाओ खेल आयोजित किये गये. इसमें बच्चों के साथ उनकी माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. विभिन्न खेलों के विजेता एवं उपविजेता बच्चे आरती हांसदा, छोटी हेंब्रम, सारा अहमद, मनीषा पातर, सुकुरमनी सिंह, शेफाली मुंडा, स्वाति हांसदा को पुरस्कृत किया गया. हंडी फोड व म्यूजिकल चेयर में विजेता महिलाएं सोनोका पातर व चंपा मांझी को सम्मानित किया गया.

प्रभात खबर Tue, 10 January 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/71378744

फेलोशिप में शामिल हुए तरुण

जमशेदपुर : सामाजिक क्षेत्र में सेवाएं दे रहे देश विदेश के सैकड़ों युवाओं व प्रोफेशनल्स ने 12 से 16 दिसंबर तक ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज में आयोजित कलिंगा फेलोशिप कार्यक्रम में भाग लिया. फेलोशिप में सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने भी झारखंड का प्रतिनिधित्व किया. तरुण कुमार ह्यूमन ट्रैफिकिंग की घटनाओं में कमी लाने हेतु डाटा व टेक्नोलॉजी की भूमिका विषय पर कार्ययोजना निर्माण टीम में शामिल रहे.

एमएचएम समिट 2023 में मुक्ति मिशन की संस्थापिका रश्मि साहा व निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने किया झारखंड का प्रतिनिधित्व

पद्मश्री साई दामोदरन जी के मार्गदर्शन में 11 एवं 12 जनवरी 2023 को भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित हुआ था तीसरा एमएचएम समिट

जमशेदपुर। पद्मश्री साई दामोदरन जी के मार्गदर्शन में 11 एवं 12 जनवरी 2023 को भारत की राजधानी नई दिल्ली स्थित नई दिल्ली सम्मेलन केंद्र में तीसरे एमएचएम समिट 2023 (माहवारी स्वच्छता प्रबंधन सम्मेलन) का आयोजन किया गया। तमिलनाडु की संस्था ग्रामालय के द्वारा आयोजित सम्मेलन में देशभर में माहवारी स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु कार्य कर रहे लगभग 250 कार्यकर्ताओं और संगठनों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान माहवारी स्वच्छता प्रबंधन की दिशा में देश भर के अलग अलग हिस्सों में किए जा रहे कार्यों व बेस्ट प्रैक्टिसेज के बारे में संगठन प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, डॉक्टर्स, विशेषज्ञों, मीडिया विशेषज्ञों व अन्य ने विस्तार से चर्चा की। सम्मेलन के दौरान जेंडर समानता पर शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ साथ सस्टेनेबल मेंस्ट्रूएशन हेतु रियूजेबल पैड एवं मेंस्ट्रुअल कप के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। सम्मेलन में झारखंड का प्रतिनिधित्व मुक्ति मिशन की संस्थापिका रश्मि साहा, निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार एवं द वाइस ऑफ चेंज कैंपेन की अनुष्का धिरिया ने किया। सम्मेलन के दौरान सभी ने झारखंड में माहवारी स्वच्छता के साथ मेंटल हेल्थ, बालक–बालिका समानता व पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते अभियानों के बारे में देश भर से आए प्रतिभागियों से चर्चा की। रांची के गेतलसुद इलाके में युवा स्वयंसेवकों के सक्रिय भागीदारी से संचालित ष्मिशन बबुनियाष व ष्एक पैड एक पैडष निश्चय अभियान के लिए ष्द वाइस ऑफ चेंज कैंपेनष को एमएचएम चैंपियन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

दूरदर्शन के शो वेलडन इंडिया में दिखे झारखंड के पैडमैन तरुण

खबर मन्त्र ब्यूरो

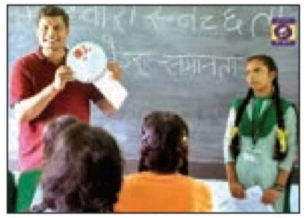

जमशेदपुर/घाटशिला। अगर रेंगना आता हो तो चलने की कोशिश करें, अगर चलना आता है तो दौड़ने की कोशिश करें, अगर दौड़ना आता हो तो उड़ने की कोशिश करे, लेकिन बहुत कम लोग इस जुनून को जी पाते है, ऐसे ही जज्बे को जीने वाले है जमशेदपुर के...., इन मशहूर प्रेरणादायी पंक्तियों को पढ़ते हुये दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रम वेलडन इंडिया की शुरूआत सोमवार को होस्ट सुशांत कुमार ने किया। सोमवार 31 जुलाई को दोपहर 2 बजे झारखंड के पैडमैन के नाम से चर्चित निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार के जीवनी व संघर्षपूर्ण कार्यों पर आधारित वेलडन इंडिया कार्यक्रम का प्रसारण दूरदर्शन पर किया गया। कार्यक्रम के दौरान तरुण कुमार के कार्यों पर आधारित 55 मिनट 28 सेकंड अवधि के वृतचित्र का प्रसारण किया गया। वेलडन इंडिया कार्यक्रम में समाज के लिए प्रेरक कहानियों पर आधारित एपिसोड प्रसारित किए जाते है।

शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप हेतु चयनित 5 बच्चें सम्मानित

कोसाफलिया में मना अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस

पुरस्कार पानेवाले विद्यार्थी.

जमशेदपुर, 21 नवंबर (रिपोर्टर) : अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस पर बहरागोड़ा स्थित कोसाफलिया गांव में शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप के तीसरे वर्ष में चयनित बच्चों को सम्मानित किया गया. समारोह के दौरान बच्चों ने वीर शहीद गणेश हांसदा स्मारक का भी दौरा कर उनके समूचे कहानी से रूबरू हुए. कार्यक्रम की शुरुआत चिंगडा पंचायत के मुखिया परमेश्वर हेंब्रम, शहीद के माता पिता कापरा हांसदा, सुगदा हांसदा द्वारा शहीद गणेश हांसदा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर हुई.

शहीद के माता पिता कापरा हांसदा, सुगदा हांसदा जी ने फेलोशिप के लिए चयनित मुसाबनी प्रखंड के लावकेसरा गांव की कोमल मार्डी, मुसाबनी बादिया की कल्याणी थायल, धालभूमगढ़ के रोमाशोली गांव के सिंगराय मुर्मू, बाबेदा गांव के धनीराम मार्डी, चाकुलिया के सोनाहातू गांव के अमृत महतो, घाटशिला के दाहिगोड़ा के विष्णु प्रसाद मौर्या एवं उनके अभिभावकों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवम गणेश हांसदा की तस्वीर देकर सम्मानित किया. इसके बाद बच्चों ने शहीद स्मारक का दौरा किया. शहीद के बड़े भाई दिनेश हांसदा ने बच्चों को गणेश हांसदा की शहादत व गणेश हांसदा को सेना मेडल मिलने की कहानी बताई.

हिन्दुस्तान

लिम्का बुक में नाम दर्ज कराने वाले तरुण माहवारी को लेकर किशोरियों को कर रहे जागरूक, झिझक तोड़ने की दिलाई शपथ

बहनों को सुरक्षित और मजबूत कर दे रहे रक्षाबंधन का तोहफा

जमशेदपुर, संवाददाता। रक्षाबंधन पर बहनें जहां भाइयों की कलाई पर रेशमी धागा बांधकर अपना प्यार और स्नेह जताती हैं। वहीं, भाई इस प्रेम और स्नेह के बदले बहनों की जीवन भर रक्षा करने की कसमें खाते हैं। शहर के कुछ ऐसे भाई हैं, जो एक नहीं, बल्कि हजारों बहनों को कई तरह से मजबूत बना रहे हैं। कोई अपनी बहन को आत्मरक्षा के गुण सीखाकर उन्हें खुद की रक्षा के लिए तैयार कर रहा है तो कोई माहवारी के प्रति जागरूकता फैलाकर किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसे रोगों से सुरक्षित कर रहा है।

लिम्का बुक में नाम दर्ज कराने वाले शहर के तरुण कुमार किशोरियों में माहवारी के प्रति जागरूकता फैलाकर जीवन दान दे रहे है और सर्वाइकल कैंसर जैसे भयंकर रोगों से उन्हें सुरक्षित कर रहे हैं। तरुण 10 साल से कोल्हान के ग्रामीण क्षेत्र की किशोरियों को माहवारी और हाइजिन को लेकर जागरूक कर रहे हैं। तरुण कुमार पैडमैन के नाम से फेमस हो चुके हैं। उन्होंने चुप्पी तोड़ो अभियान के तहत लगभग 75-80 हजार कोल्हान के किशोरियों और महिलाओं को माहवारी के मुद्दे पर झिझक तोड़ने की शपथ दिलाई। ग्रामीण क्षेत्रों में पैड बैंक भी बनवा रहे हैं। ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता के अभाव में आज भी महिलाएं व लड़कियां माहवारी में कपड़े का ही प्रयोग करती हैं।

स्त्री रोग विशेषज्ञ रेणुका चौधरी ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित महिलाओं में किए गए सर्वे में पता चला की इन महिलाओं ने मेंस्ट्रूअल हाइजिन यानी माहवारी स्वच्छता पर ध्यान नहीं देने से लंबे समय से गंदे कपड़े उपयोग में लाने से उन्हें एचपीवी का शिकार होना पड़ा। लंबे समय तक इंफेक्शन रहने की वजह से उनमें से कई को सर्वाइकल कैंसर तक हो गया।

तरुण कुमार।

परसूडीह के विश्वजीत निःशुल्क सीखा रहे ताइक्वांडो

परसूडीह के विश्वजीत क्षेत्र की किशोरियों को नि:शुल्क ताइक्वांडो का प्रशिक्षण दे रहे हैं। वे तीन साल में सौ से अधिक किशोरियों को ताइक्वांडो सीखा चुके हैं, जो बच्ची एवं किशोरियों के लिए वरदान से कम नहीं है। आत्मरक्षा का प्रशिक्षण नि:शुल्क देकर उन्हें अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए सक्षम बना रहे हैं। विश्वजीत बताते हैं पहले अभिभावक ही अपनी बच्चियों को भेजने से मना करते थे, लेकिन काउंसिलिंग के बाद अब वे खुद ही बच्चियों को भेज रहे हैं। यहां से प्रशिक्षण ले चुकी बच्चियों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल मिल चुका है।

किशोरियों को प्रशिक्षण देते परसूडीह के विश्वजीत। • हिन्दुस्तान

सोनारी छावनी में सैनिकों को राखी बांधती विशेष बच्ची। • हिन्दुस्तान

सेना के अधिकारी और जवानों को बच्चों ने बांधी राखी

जमशेदपुर। एस्पायर परिवार के विशेष बच्चों ने सोनारी सेना छावनी में सैनिकों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। सैनिकों को बांधी गई राखियां सलोनी और संजीत ने डिजाइन की थी। विशेष बच्चों ने अपनी माताओं के साथ सेना के अधिकारियों एवं जवानों को राखी बांधी।

स्कूली छात्रों ने स्पेशल बच्चों संग मनाया रक्षाबंधन

जमशेदपुर। टेल्को टीआरएफ नगर स्थित वैली व्यू स्कूल प्रांगण में मंगलवार को रक्षाबंधन मनाया गया। आशा किरण स्कूल, टेल्को के विशेष बच्चे वैली व्यू स्कूल पहुंचे। यहां बच्चों ने रक्षाबंधन त्योहार मनाया। दोनों स्कूल के बच्चों ने एक-दूसरे की कलाई पर राखी बांध उपहार भेंट किए। शिक्षक जी कल्याणी, मानिकुंटला दत्ता और संदीप सिंह ने बच्चों का मार्गदर्शन किया।

केयू में छुट्टी बदली, 31 को होने वाली परीक्षा स्थगित

जमशेदपुर। कोल्हन विश्वविद्यालय ने रक्षाबंधन की छुट्टी में बदलाव किया है। विवि विश्वविद्यालय प्रशासन ने मंगलवार अपराह्न अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि रक्षाबंधन की छुट्टी 30 के बजाय अब 31 अगस्त को रहेगी। साथ ही 31 अगस्त को होने वाली परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। परीक्षाओं की अगली तिथि कोल्हान विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक के माध्यम से बाद में घोषित की जाएगी।

बच्चों ने पूछे वैज्ञानिक खोजों से जुड़े कई सवाल

निश्चय फाउंडेशन की विज्ञान परिचर्चा

जमशेदपुर, 28 फरवरी (रिपोर्टर): राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर धतकीडीह स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय एवं निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में विज्ञान परिचर्चा का आयोजन हुआ. मौके पर निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के इतिहास के बारे बच्चों को बताया. परिचर्चा के दौरान बच्चों में वैज्ञानिक चेतना के विकास व दैनिक गतिविधियों के दौरान मन में उभरनेवाले प्रश्नों को बेहिचक पूछने की आदत विकसित करने की कोशिश की गई. बच्चों ने वैज्ञानिक खोजों से जुड़े कई सवाल पूछे. ब्रह्मांड सौरमंडल के निर्माण व धरती पर जीवन के उत्पति की कहानी भी बच्चों को सुनाई गई. चर्चा के माध्यम से बच्चों ने प्रकृति व समाज से जुड़ी घटनाओं को वैज्ञानिक नजरिए से देखने का महत्व सीखा. परिचर्चा के दूसरे सत्र में प्रयोगशाला में विज्ञान शिक्षक बापी पाल व प्रभारी प्रधानाध्यापक साजिद अहमद ने बच्चों के साथ कई वैज्ञानिक प्रयोग किये. आयोजन में साजिद अहमद सहित बाल संसद के प्रधानमंत्री अवंती मुर्मू, शिक्षा मंत्री सागेन सोरेन, छिता हांसदा, प्रीति मुर्मू, पूर्णिमा सिंह एवं अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही. मौके पर गांव के शिक्षाविद बादल चंद्र मुर्मू, विज्ञान शिक्षक बापी पॉल, वैद्यनाथ हांसदा, विश्वनाथ दत्ता, तरुण कुमार व अन्य मौजूद थे.

प्रकृति व सामाजिक घटनाओं में देखा वैज्ञानिक नजरिया

निश्चय फाउंडेशन की विज्ञान परिचर्चा

जमशेदपुर, 28 फरवरी (रिपोर्टर) : राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर धतकीडीह स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय एवं निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में विज्ञान परिचर्चा का आयोजन हुआ. मौके पर निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के इतिहास के बारे बच्चों को बताया. परिचर्चा के दौरान बच्चों में वैज्ञानिक चेतना के विकास व दैनिक गतिविधियों के दौरान मन में उभरनेवाले प्रश्नों को बेहिचक पूछने की आदत विकसित करने की कोशिश की गई. बच्चों ने वैज्ञानिक खोजों से जुड़े कई सवाल पूछे. ब्रह्मांड सौरमंडल के निर्माण व धरती पर जीवन के उत्पति की कहानी भी बच्चों को सुनाई गई. चर्चा के माध्यम से बच्चों ने प्रकृति व समाज से जुड़ी घटनाओं को वैज्ञानिक नजरिए से देखने का महत्व सीखा.

परिचर्चा के दूसरे सत्र में प्रयोगशाला में विज्ञान शिक्षक बापी पाल व प्रभारी प्रधानाध्यापक साजिद अहमद ने बच्चों के साथ कई वैज्ञानिक प्रयोग किये. आयोजन में साजिद अहमद सहित बाल संसद के प्रधानमंत्री अवंती मुर्मू, शिक्षा मंत्री सागेन सोरेन, छिता हांसदा, प्रीति मुर्मू, पूर्णिमा सिंह एवं अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही. मौके पर गांव के शिक्षाविद बादल चंद्र मुर्मू, विज्ञान शिक्षक बापी पॉल, वैद्यनाथ हांसदा, विश्वनाथ दत्ता, तरुण कुमार व अन्य मौजूद थे.

उपहार देकर स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

सरायकेला. निश्चय फाउंडेशन एवं ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन ने शादी समारोह में नव विवाहित जोड़ा को उपहार के रूप में सेनिटरी पैड व आम का पौधा देकर मासिक धर्म व जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों को जागरूक करने की पहल की. तरुण कुमार व प्रकाश बास्के ने बताया कि गम्हरिया के नेंगटासाई ग्राम के महुलडीह टोला में रमेश महतो व कल्पना महतो की शादी समारोह में यह अनूठा उपहार दिया गया. ग्रीन पेंसिल फाउंडेशन झारखंड प्रभारी आकाश महतो ने कहा कि हमें मासिक धर्म संबंधी रूढ़ीवादी विचारधारा से लोगों को अलग करना है.

दैनिक भास्कर घाटशिला 27-04-2024

दैनिक भास्कर घाटशिला • बहरागोड़ा • चाकुलिया • जादूगोड़ा जमशेदपुर, शनिवार, 27 अप्रैल, 2024 | 16

कार्यक्रम • धतकीडीह उत्क्रमित मध्य विद्यालय में मतदाता जागरुकता अभियान; विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक हुए शामिल

कहानियों के माध्यम से ग्रामीणों को मतदान देने के महत्व के बारे में बताया

भास्कर न्यूज़ | गालूडीह

जमशेदपुर लोकसभा संसदीय क्षेत्र में 25 मई को चुनाव होंगे। चुनाव में शत प्रतिशत मतदान हो, इसके लिए बड़े पैमाने पर मतदान जागरुकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिले भर के विद्यालयों में अभिभावकों के साथ कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने को प्रोत्साहित किया गया। घाटशिला के गालूडीह स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धतकीडीह में अभिभावक की बैठक आयोजित कर लोकतंत्र के महापर्व में नागरिकों के महत्व को समझाया गया। आयोजन के दौरान डेमोक्रेसी रूम, इलेक्ट्रॉल लिटरेसी क्लब, रंगोली, पेंटिंग्स, सेल्फी प्वाइंट एवं मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया था।

डेमोक्रेसी रूम में ईवीएम, वीवीपैट, कंट्रोल यूनिट, मतदान रजिस्टर इत्यादि का प्रर्दशन किया गया था। जिसके माध्यम से मतदाताओं ने सबसे पहले पहचान पत्र दिखा मतदाता सूची में अपना नाम जांचा, उसके बाद मतदान प्रक्रिया को समझा। इलेक्ट्रॉल लिटरेसी क्लब के माध्यम से बीएलओ एवं छात्र/छात्राओं द्वारा मतदाता फोटो पहचान पत्र का मतदाता सूची में नाम जांचा गया एवं सूची में नए नाम जोड़ने के लिए प्रपत्र छह भरा गया।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम प्रधान लक्ष्मीकांत सोरेन एवं नरेश हांसदा ने कहा कि चुनाव को लोकतंत्र के महापर्व कहा जाता है। इसमें हम सभी की भागीदारी सबसे अहम है। वोट हम सभी का सबसे बड़ा अधिकार है, वोट देकर हम सरकार के चुनाव में अपनी भागीदारी निभाते है। हमें अपना वोट अपनी समझ से देना चाहिए, ना की किसी लालच में आकर। प्रधानाध्यापक साजिद अहमद ने अपने अनुभवों व कई कहानियों के माध्यम से ग्रामीणों को मतदान देने के महत्व में बताया। कार्यक्रम के दौरान गांव के फर्स्ट टाइम वोटर भी उपस्थित थे, उन्होंने पहली बार वोट देने के उत्साह और अपनी प्राथम्किताओं के बारे में बताया। विद्यालय के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के बच्चों ने ग्रामीणों के मतदाता सूची में नाम खोजने में सहायता की, वही बच्चों के द्वारा बनाए गए जागरूकता पोस्टर्स का उपयोग के लिए जागरूक किया।

कार्यक्रम में सैकड़ों अभिभावक/ग्रामीण उपस्थित थे, वहीं सभी ने मिलकर गांव के अन्य लोगों को भी मतदान हेतु जागरूक करने का निर्णय लिया। कार्यक्रम के दौरान एसएमसी अध्यक्ष सोनामोनी मुर्मू एवं सदस्यगण, माता समिति के संयोजिका उपाल मुर्मू एवं सभी सदस्यगण, शिक्षक बापी पाल, निखिल रंजनधावरिया, सिनगो सोरेन, अमरजीत माझी, बीएलओ सम्पा दत्ता, वार्ड सदस्य शेफाली मुर्मू एवं अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और अभिभावकों को किया सम्मानित

इस दौरान विद्यालय में रेल प्रोजेक्ट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों, नियमित विद्यालय आनेवाले बच्चों, प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीत गांव का नाम रोशन करने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। अभिभावकों को बताया गया की आप सभी के नियमित भागीदारी से बच्चों की पढ़ाई और स्कूल के वातावरण में काफी परिवर्तन आया है। उसी तरह लोकसभा चुनाव में हम सभी की भागीदारी से हमारे लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए बेहतर प्रतिनिधि के चुनाव में मदद करता है, जिससे इलाके का विकास सुनिश्चित होता है।

दैनिक भास्कर घाटशिला 30-04-2023

अनोखा अभियान : गांव की सभी किशोरियों व महिलाओं को मिल रहा रियूजेबल सैनिटरी पैड

भास्कर न्यूज़ | गालूडीह

सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन, प्रोजेक्ट बाला के साथ मिलकर उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धातकीडीह का साझा अभियान शुरू किया गया है। घाटशिला प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धातकीडीह विद्यालय अध्ययनरत बच्चों के साथ समुदाय में सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए लगातार बेहतर कार्य कर रहा है। विद्यालय में पिछले चार वर्षों से भी ज्यादा समय से लगातार चलाए जा रहे माहवारी स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का असर यह है की अब विद्यालय के पैडबैंक का संचालन बाल संसद के बच्चे मिलकर बखूबी कर रहे हैं। इसमें छात्राओं के साथ छात्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। माहवारी स्वच्छता के साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु संचालित \'एक पैड, एक पेड़\' अभियान का असर भी विद्यालय में दिख रहा है। धातकीडीह गांव के ज्यादातर बच्चे सुविधा से वंचित गरीब परिवारों से आते हैं, परिवार के बच्चियों व महिलाओं के लिए प्रत्येक महीने सैनिटरी पैड खरीद पाना संभव नहीं हो पाता है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद ने इस समस्या का अनोखा समाधान निकाला है। अब सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन एवं प्रोजेक्ट बाला के साथ मिलकर गांव की सभी किशोरियों व महिलाओं को रियूजेबल सैनिटरी पैड का तोहफा दिया जाएगा। रियूजेबल सैनिटरी पैड जो पर्यावरण अनुकूल है। मौके पर प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष सोनामनी मुर्मू, स्वास्थ्य सहिया गुरुवारी हांसदा, शिक्षिका सींगो सोरेन, निखिल रंजन, बापी पाल, अमरजीत मांझी लोग उपस्थित थे।

इंटर विज्ञान संकाय के पांच विद्यार्थी उत्तीर्ण, चार प्रथम श्रेणी से

गणेश हांसदा फेलोशिप के बच्चे सम्मानित

□ सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के फेलोशिप अभियान से गरीब बच्चों को पढ़ाई में हो रही मदद

प्रतिनिधि, बहरागोड़ा

बच्चों को सम्मानित करते संस्था के पदाधिकारी.

बहरागोड़ा के कोसाफलिया गांव के वीर शहीद गणेश हांसदा के नाम पर निश्चय फाउंडेशन ने वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप व पुस्तकालय अभियान चला है. हर वर्ष गरीब परिवार के पांच प्रतिभाशाली बच्चों का चयन कर मैट्रिक से स्नातक तक पढ़ाई में मार्गदर्शन व सहयोग किया जाता है. फेलोशिप के तीसरे बैच 2022 के सभी पांच बच्चों ने इस बार इंटर विज्ञान संकाय से बेहतर अंक हासिल किया है. चार बच्चों ने प्रथम श्रेणी व एक बच्चे ने द्वितीय श्रेणी से परीक्षा पास किया. मुसाबनी के बादिया की कल्याणी थायल व चाकुलिया के सोनाहातु के अमृत महतो को 405 अंक मिले. बच्चों को कोसाफलिया कार्यक्रम में शहीद गणेश हांसदा के पिता सुगदा हांसदा और मां कापरा ने सम्मानित किया.

मौके पर पुटुलियाशोल के जयदीप महाकुड़, अर्जुनबेड़ा की शिवानी घोष, सोनाहातू गांव के अमृत महतो, बादिया की कल्याणी थायल, लावकेसरा की कोमल मार्डी को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में फ़ेलोशिप अभियान की शुरुआत करने वाले निश्चय के संस्थापक तरुण कुमार ने बच्चों को प्रोत्साहित किया.

मौके पर शहीद के बड़े भाई दिनेश हांसदा, तरुण कुमार, रूपनारायण बेरा, सुदाम हेंब्रम, बैद्यनाथ हांसदा, गौरव क्रांतिगुरु, भवानंद व अन्य उपस्थित थे.

प्रभात खबर Thursday, May 9, 2024
Ghatsila
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/663bc47fcf30808d8a28b27c

Shaheed Ganesh Hansda Fellowship Yields Encouraging Results

PNS : JAMSHEDPUR

The perseverance and dedication of underprivileged students from Ghatshila subdivision, enrolled in the Faculty of Science, have borne fruit as all five candidates of the third batch 2022 of Veer Shaheed Ganesh Hansda Fellowship successfully passed their 12th examinations. This remarkable achievement was celebrated and honored during a ceremony held at the martyr memorial in Kosafalia village, where Sugda Hansda, the father of the late martyr Ganesh Hansda, expressed his heartfelt appreciation for the students' accomplishments.

The Veer Shaheed Ganesh Hansda Fellowship serves as a beacon of hope for rural children and youth, offering continuous support and guidance in their academic pursuits. The fellowship, launched in 2020 to commemorate the valor of Ganesh Hansda, who sacrificed his life at the age of 20 while defending the nation in the Galwan Valley clash with China, aims to inspire and empower children from disadvantaged backgrounds.

In the recently announced Jharkhand Intermediate 2024 results, all five students from the third batch of the fellowship excelled in the science stream, with four achieving first division and one securing second division. Kalyani Thayal of Badiya village and Amrit Mahato of Sonahatu village emerged as joint toppers, scoring 405 marks each.

During the felicitation ceremony, the students were honored by Sugda Hansda, who presented them with symbolic gifts including a corset, a map of India, and a competitive magazine. Reflecting on the success of the students, Sugda Hansda expressed his pride and satisfaction, emphasizing his joy in witnessing the progress of children studying in memory of his son, Ganesh.

Tarun Kumar, the founder of Nishchay, commended the students for their outstanding performance and encouraged them to continue their academic journey with dedication and focus. He emphasized the importance of pursuing higher education and advised the students to develop essential skills such as personality development and time management.

Following the ceremony, the fellowship team visited the homes of the students to provide information and guidance on various academic and career opportunities in science-related fields. Parents expressed gratitude for the support and financial assistance provided through the fellowship, which enabled their children to pursue their studies smoothly.

The event was attended by prominent figures including the martyr's elder brother Dinesh Hansda, Roopnarayan Bera, Sudam Hembram, Baidyanath Hansda, Gaurav Krantiguru, and Bhavanand, among others.

प्रभात खबर

पोटका-पटम

पटमदा. माहवारी स्वच्छता व जेंडर समानता पर कार्यशाला आयोजित

स्नातक तक पढ़ाई का लिया संकल्प

प्रतिनिधि, पटमदा

प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल मचा (पटमदा) में गुरुवार को महिला व किशोरी स्वास्थ्य, माहवारी स्वच्छता व जेंडर समानता पर कार्यशाला आयोजित कर किशोरियों को जागरूक किया गया. इस दौरान बच्चियों ने समाज की तमाम सामाजिक कुरीतियों से सामना करते हुए कम से कम स्नातक तक अपनी पढ़ाई लगातार जारी रखने का संकल्प लिया. कार्यशाला के दौरान किशोरियों ने कई प्रश्न पूछे, जिसके माध्यम से उनके कई शंकाओं का निराकरण व काउंसेलिंग भी की गयी. विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका डॉ प्रियंका झा ने कहा कि बच्चियां स्वस्थ और सुरक्षित रहेंगी, तभी रोज विद्यालय आयेंगी. मौके पर निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार, 80 से ज्यादा किशोरियां, सामाजिक कार्यकर्ता सोमाय लोहार, शिक्षिका कुमारी पूनम सिंह, अलका कुमारी आदि मौजूद थीं.

प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल की छात्राओं को प्रशिक्षण देते अधिकारी .

प्रभात खबर
Friday, August 23, 2024
Ghatsila
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/66c782beaf089ef127120e93

शहीद गणेश हांसदा की स्मृति में ग्रामीण घरों में लगाते हैं पौधे

पुस्तकालय में बच्चों ने शहीद को अर्पित किया श्रद्धासुमन

भास्कर न्यूज़ । बहरागोड़ा

वीर शहीद गणेश हांसदा के चौथे शहादत दिवस के मौके पर भंडारशोल स्थित वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय में बच्चों ने वीर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा के मौके पर पुस्तकालय के अध्यक्ष गौतम प्रसाद धारा ने वीर शहीद गणेश हांसदा की जीवनी के बारे में विस्तार से बताते हुए बताया कि देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर जवान दिन रात हर मौसम में तैनात रहते है।

हम सभी को गर्व है कि बहरागोड़ा के गणेश हांसदा ने भी सीमा पर देश के लिए लड़ते हुए अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करवाया, उनसे हम सभी को देश का मान बढ़ाने का हौसला मिलता है। मौके पर उपस्थित वीर शहीद गणेश हांसदा फेलो रूपनारायण बेरा व जयदीप महकुड़ ने वीर शहीद की याद में सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के द्वारा चलाए जा रहे फैलोशिप व पुस्तकालय के माध्यम से किए जा रहे शैक्षणिक गतिविधियों व समय समय पर आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी। मौके पर गौतम प्रसाद धारा, रूपनारायण बेरा, जयदीप महकुड़, ज्योतिर्मय धारा, सुजित गिरि, सत्यजीत गिरि ,सुमित महकुड़, नव कुमार बारिक, प्रकाश बेरा, यामिनी बेरा, कार्तिक बारिक, प्रकाश बेरा,अमर कुमार धारा व अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

ग्रामीण वीर शहीद की याद में हर वर्ष लगाते हैं घरों में पौधे

वीर शहीद गणेश हांसदा की अमर शहादत को याद करते हुए शहादत दिवस के दिन हर वर्ष 16 जून को सामाजिक संस्था नई जिंदगी व गणेश हांसदा स्मारक समिति के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर में आकर रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं, उनका उत्साह बढ़ाने वाले लोगों व बच्चों को झारखंड के पैडमैन के रूप में विख्यात निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार के द्वारा \'एक पैड, एक पेड़\' का उपहार देकर सम्मानित किया जाता है। पिछले चार वर्षों में रक्तदान शिविर के माध्यम से लगभग 500 लोगों को एक पैड, एक पेड़ का उपहार देकर शहीद की याद में पौधरोपण करने हेतु प्रेरित किया जा चुका है। अभियान में शहीद के बड़े भाई दिनेश हांसदा, ट्राइबल ब्लड मैन राजेश मार्डी, ट्राइबल पैडमेन बैद्यनाथ हांसदा व अन्य साथियों का अहम योगदान रहा है।

‘निश्चय फाउंडेशन’ को मुंबई में मिला एनवायरोकेयर ग्रीन अवार्ड

एक पैड, एक पेड़ अभियान को मिली सराहना

जमशेदपुर, 22 जुलाई (रिपोर्टर) : माहवारी स्वच्छता व पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करनेवाली सामाजिक संस्था ‘निश्चय फाउंडेशन’ को एनवायरो केयर ग्रीन अवार्ड से सम्मानित किया गया. मुंबई के ठाणे में आयोजित समारोह में संस्था के प्रतिनिधि आकाश महतो ने सम्मान ग्रहण किया. संस्था को सम्मानित करते हुए ट्रॉफी, सर्टिफिकेट व 10,000 रुपए की इनामी राशि दी गई, वहीं फाउंडेशन, झारखंड व अन्य 5 संस्थानों के प्रतियोगिता जीतने पर महाराष्ट्र के रामटेक में जियोटैग वाले 5-5 पौधे भी लगाए गए है, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने में अपनी भूमिका निभाएंगे. उक्त एवार्ड एनवायरोकेयर लैब्स द्वारा अंतराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करनेवाले लघु उद्यमों, कॉरपोरेट, एकेडमिक व सामाजिक संस्थानों को सम्मानित किया जाता है. निश्चय द्वारा शुरू किए गए ‘एक पैड, एक पेड़’ अभियान व अन्य शैक्षणिक प्रयासों को दुनिया भर से आए 65 प्रविष्टियों में से विजेता चुना गया. उक्त अभियान के माध्यम से निश्चय माहवारी स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण के साझा संदेश को समुदाय के बीच प्रचलित कर रही है. वहीं ऊर्जा जागरूकता, कार्बन फुटप्रिंट्स को जानो, पर्यावरण के रखवाले व अन्य जुड़े शैक्षणिक अभियानों के माध्यम से बच्चों व युवाओं को मानवीय क्रियाकलापों से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में शिक्षित कर पर्यावरण फ्रेंडली आदतों को विकसित करने की कोशिश कर रही है.

हिन्दुस्त

एसएस प्लस टू हाई स्कूल पटमदा में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं।

एसएस प्लस टू स्कूल में कार्यशाला 160 किशोरियों ने लिया हिस्सा

पटमदा, संवाददाता। स्कूल रूआर 2025 बैक टू स्कूल अभियान के तहत शनिवार को एसएस (राज्य संपोषित) +2 उच्च विद्यालय पटमदा में माहवारी स्वच्छता और जेंडर उन्मुखीकरण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. मिथिलेश कुमार ने की।

उन्होंने कहा कि स्कूल रूआर अभियान बच्चों को स्कूल लौटाने के साथ-साथ किशोरियों में माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने की दिशा में भी अहम भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने बच्चों के साथ कार्यशाला आयोजित की। उन्होंने बाल विवाह के दुष्प्रभाव, बालिका शिक्षा से होने वाले सामाजिक परिवर्तन, किशोरी व महिला स्वास्थ्य में माहवारी स्वच्छता और उचित पोषण की भूमिका, सैनिटरी पैड के उपयोग तथा माहवारी के दौरान दर्द से राहत पाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में दर्जनों गांवों की लगभग 160 किशोरियों ने भाग लिया।

खेलकूद : राष्ट्रीय खेल दिवस पर बच्चों ने मेजर ध्यानचंद और पेरिस ओलंपिक के पदक विजेताओं को किया याद

मनु भाकर एकादश जीता क्रिकेट मैच, फुटबॉल में नीरज चोपड़ा एकादश ने हराया

भास्कर न्यूज | गालूडीह

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर पूरे भारतवर्ष में राष्ट्रीय खेल दिवस में रूप में मनाया जाता है। गालूडीह स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धातकीडीह के दिन की शुरूआत देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को याद कर किया गया।

प्रार्थना सभा में मेजर ध्यानचंद के जादुई खेल को याद करते हुए उनके प्रेरक जीवनी से बच्चों को रूबरू करवाया गया। ध्यानचंद के खेल, ओलंपिक में लगातार 8 बार स्वर्ण पदक विजेता भारतीय हॉकी की बादशाहत, जर्मनी के तानाशाह हिटलर के सामने ध्यानचंद के ना झुकने की प्रेरक कहानी हम सभी को हमेशा प्रेरित करती है। वही 2024 में भारतीय क्रिकेट टीम के टी 20 चैंपियन बनने, भारतीय हॉकी टीम के पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने, नीरज चोपड़ा के रजत पदक जीतने समेत मनु भाखर, सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुशाले व अमन सहरावत के कांस्य पदक जीतने के बारे में बच्चों को बताया गया। खिलाडियों के सफलता की कहानी के माध्यम से बच्चों को यह

बतलाने की कोशिश की गई कि पढ़ाई के अलावा खेल के क्षेत्र में भी कड़ी मेहनत कर सफलता पाई जा सकती है। पेरिस ओलंपिक में भारत के बेमिसाल खेल को किया गया याद, नीरज चोपड़ा एकादश बनाम मनु भाकर एकादश के बीच मिक्स जेंडर क्रिकेट व फुटबॉल मैच हुआ। मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच के दौरान नीरज चोपड़ा एकादश की कप्तान नेहा हांसदा व सागेन सोरेन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित मनु भाकर एकादश ने निर्धारित पांच ओवर्स में चार विकेट के नुकसान पर 27 रन बनाए। नीरज चोपड़ा एकादश लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 22 रन बना सकी। मनु एकादश ने 5 रनों से मैच जीत लिया। शानदार बल्लेबाजी कर नाबाद 14 रन बनाने वाले मनु एकादश के राहुल सोरेन को बैटर ऑफ द मैच चुना गया। वही शानदार 3 विकेट लेने वाली शेफाली मुंडा को बॉलर ऑफ़ द मैच चुना गया। मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच के ठीक बाद दोनों टीमों ने फुटबाल मुकाबले में अपना हाथ आजमाया। 10-10 मिनट के दो हाफ वाले मैच में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। दूसरे हाफ के आखिरी मिनट में नीरज चोपड़ा एकादश के कप्तान आमिर हांसदा ने शानदार फॉरवर्ड शॉट से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर अपनी टीम को 1-0 से मैच जीता दिया। मिक्स जेंडर क्रिकेट मैच में मनु भाकर एकादश 5 रनों से विजेता रही, वही मिक्स जेंडर फुटबाल मैच में नीरज चोपड़ा एकादश 1-0 से विजयी रही। मध्य विद्यालय धातकीडीह में खेल दिवस के आयोजन में विद्यालय प्रबंधन, मेमोरी मेकर्स स्टूडियो व निश्चय फाउंडेशन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, एसएमसी के अध्यक्ष मालती मुर्मू,निखिल रंजन धावड़िया, सिंगो सोरेन, अमरजीत माझी, निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सोमाय लोहार, मेमोरी मेकर्स स्टूडियो, जमशेदपुर के राहुल कुमार, गंजेंद्र कुमार, सिम्पी पिंगुआ, विशाल दास समेत विद्यालय की नव निर्वाचित विद्यालय प्रबंधन समिति एंव माता समिति के सदस्य उपस्थित थे।

'Padman' named MHM Goodwill Ambassador

PNS : JAMSHEDPUR

The Fourth MHM (Menstrual Hygiene Management) India Summit was organized at Bharat Mandapam, New Delhi. The summit witnessed the recognition of Tarun Kumar, founder of Nishchay Foundation and popularly known as the Padman of Jharkhand, as the MHM Goodwill Ambassador for his outstanding contributions to menstrual hygiene management and the welfare of rural children in Jharkhand.

The honor was bestowed by Padma Shri S. Damodaran, founder of Gramalaya, along with other distinguished guests. Tarun Kumar was commended for his remarkable efforts in improving menstrual hygiene and advancing education, health, and gender equality in Jharkhand's remote villages.

For over 14 years, Tarun Kumar has been working

tirelessly in Jharkhand's rural communities. Through numerous Nishchay Foundation initiatives, he has addressed critical issues such as education, health, menstrual hygiene, gender equality, environmental awareness, sports, and literacy. Despite the absence of regular financial support, Kumar has consistently run impactful campaigns, earning him recognition as a symbol of hope for rural children's welfare.

The MHM Summit was organized by Gramalaya, a resource center designated by the Ministry of Jal Shakti, in collaboration with Dettol Banega Swasth India and Bank of America. The event provided a platform for over 200 representatives and speakers from across the country to discuss issues surrounding menstrual hygiene and its role in fostering better health outcomes.

Upon returning to Jamshedpur on Friday, Tarun Kumar expressed gratitude for the national recognition of his initiatives. "The acknowledgment of Nishchay Foundation's work at such a prestigious platform strengthens our resolve to continue striving for the betterment of rural children. It's the collective selfless efforts of countless children, teachers, young allies, and volunteers that make this possible," Kumar said.

झारखंड के पैडमैन तरुण कुमार बने एमएचएम गुडविल एंबेसडर

■ नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में चौथा एमएचएम इंडिया समिट में हुई घोषणा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर / नई दिल्ली। विगत 19 नवंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में चौथा एमएचएम (मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन) इंडिया समिट आयोजित किया गया। सम्मेलन के दौरान सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन, झारखंड के संस्थापक एवं झारखंड के पैडमैन के नाम से लोकप्रिय तरुण कुमार को एमएचएम गुडविल एंबेसडर चुना गया। ग्रामालय के संस्थापक पदमश्री एस दामोदरन जी व अतिथियों ने तरुण कुमार को सम्मानित करते हुए झारखंड के गांवों में बच्चों के बेहतरी व माहवारी स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की।

निश्चय के संस्थापक तरुण कुमार विगत 14 वर्षों से भी ज्यादा समय से झारखंड के सुदूर गांवों में रह रहे बच्चों व युवाओं से जुड़े शिक्षा, स्वास्थ्य, माहवारी स्वच्छता, जेंडर समानता, पर्यावरण, खेल, साहित्य जागरूकता आधारित मुद्दों पर आधारित कई निश्चय अभियानों के माध्यम से बच्चों की बेहतरी हेतु सक्रिय है। तरुण के कार्य इसलिए

एमएचएम गुडविल एंबेसडर बनाये जाने पर तरुण को सम्मानित किया गया।

भी ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने बिना किसी नियमित आर्थिक सहयोग के भी बिना हौसला हारे लगातार अभियान चलाते हुए ग्रामीण बच्चों के बेहतरी हेतु लगातार कार्य कर रहे है।

एम एच एम समिट का आयोजन जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के नामित संसाधन केंद्र ग्रामालय, डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया और बैंक ऑफ अमेरिका के द्वारा आयोजित किया गया था।

सम्मेलन में अपनी भागीदारी निभा शुक्रवार को जमशेपुर लौटे तरुण कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय आयोजनों में निश्चय अभियान के कार्यों को सराहना मिलना हमारे हौसले और इरादों को और भी मजबूत करता है। गांव में रह रहे अनगिनत बच्चों, शिक्षकों, युवा साथियों व स्वयंसेवकों के निःस्वार्थ कार्यों व भावनाओं की बदौलत ही यह संभव हो पाता है, जिससे ग्रामीण परिवेश से आने वाले बच्चों के बेहतर भविष्य की आस जगती है। एमएचएम समिट में देशभर के विभिन्न प्रदेशों से आये 200 से अधिक प्रतिनिधियो व वक्ताओ ने शिरकत की। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी और डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया अभियान के प्रणेता, रेकिट साउथ एशिया के निदेशक श्री रवि भटनागर, साध्वी भगवती सरस्वती जी, मिसेज इंडिया स्नेहा शेरगिल व अन्य प्रतिष्ठित हस्तियां भी मौजूद थीं।

Padman spreads health awareness, distributes reusable pads

Mail News Service

Chaibasa, Apr 23: Social activist and founder of Nischay Foundation, Tarun Kumar — also known as the "Padman of Jharkhand" — conducted a menstrual health awareness campaign at Utkramit Madhya School in Neemdih, Sadar Block. Addressing adolescent girls, Kumar used visuals and stories to educate them on bodily changes during adolescence and the importance of menstrual hygiene. He emphasized that menstruation is a normal biological process and urged open discussion without embarrassment. Kumar advised maintaining hygiene to avoid infections and recommended proper nutrition to combat menstrual discomfort and anaemia. He distributed eco-friendly, reusable sanitary pads under Project Bala to 80 girls and women.

"These pads can be washed, dried and reused for up to two years," he explained, adding that they also help reduce monthly expenses and environmental waste. Concluding the session, he encouraged each recipient to plant a tree during the monsoon under the theme "One Pad, One Tree." The event was attended by teachers, health workers and community members. (w/nkm)

पटमदा के एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय में चला रूआर बैक टू स्कूल अभियान

बच्चियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

प्रतिनिधि, पटमदा

रूआर बैक टू स्कूल अभियान के तहत शनिवार को एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, पटमदा में माहवारी स्वच्छता व जेंडर उन्मुखीकरण का आयोजन हुआ. कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ मिथिलेश कुमार ने बच्चों को बताया कि स्कूल रूआर के माध्यम से बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, वहीं किशोरी बच्चियों में माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूकता जरूरी है. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड के पैडमैन के नाम से प्रसिद्ध निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने बच्चों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी. इस दौरान छात्राओं को विस्तार से बाल विवाह के दुष्प्रभाव, बालिकाओं की शिक्षा से समाज में आने वाले परिवर्तन, किशोरी व महिला स्वास्थ्य में माहवारी स्वच्छता व उचित पोषण की भूमिका, सेनेटरी पैड का उपयोग, माहवारी के दौरान होने वाले दर्द से निवारण के लिए उपाय इत्यादि मुद्दों पर चर्चा की. कार्यक्रम के सफल आयोजन में विज्ञान शिक्षिका डॉली डे, अनीता मुर्मू, अल्पा रोशनी बाखला, दिनेश अधिकारी आदि मौजूद थे.

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व शिक्षक.

ரம்யா ரங்கநாதன்

சமூகத்தில் பொதுவெளியில் பேசப்படாத, ஆனால் விழிப்புணர்வு தேவைப்படுகிற விஷயங்கள் பல உள்ளன. அதில் ஒன்றுதான் மாதவிடாய். சமீப காலமாக மாதவிடாய் குறித்து விழிப்புணர்வு ஏற்பட்டு வந்தாலும், சில கிராமங்கள் மற்றும் பின்தங்கிய பகுதிகளில் வாழும் மக்களுக்கு இது குறித்து விழிப்புணர்வு இல்லை. இதை கருத்தில் கொண்டு ஜார்கண்ட் மற்றும் சுற்றியுள்ள கிராமப் பகுதிகளில் மாதவிடாய் கால சுகாதாரம் பற்றிய விழிப்புணர்வை ஏற்படுத்தி பெண்களுக்கு சானிட்டரி நாப்கின்களை இலவசமாக வழங்கி வருகிறார் தருண்குமார். இவரை ‘ஜார்கண்ட் பேட்மேன்’ என்று அங்குள்ள மக்கள் அழைக்கிறார்கள்.

பேட்மேன் ஆஃப் ஜார்கண்ட்!

▸ தருண்குமார்

72 | Kungumam Thozhi Chennai 1-15 March 2025 Volume-14

"நான் கல்லூரி படிக்கும் போதே சமூக சேவைகளில் ஈடுபட்டு வருகிறேன். அப்போது இந்தப் பகுதியை சுற்றியுள்ள கிராமங்களில் குழந்தைகளுக்கு சரியான கல்வி இல்லை என்பதால், பெண் பிள்ளைகள் வீட்டு வேலையும், ஆண் பிள்ளைகள் குழந்தை தொழிலாளர்களாகவும் இருந்தார்கள். அவர்களுக்கு கல்வி அவசியம் என்பதை என் நண்பருடன் இணைந்து உணர்த்தினாலும், அதில் பல தடைகளை சந்தித்தோம். இங்குள்ள பெண் பிள்ளைகள் வயதிற்கு வந்தவுடனே திருமணம் முடித்திடுவார்கள். அது குறித்தும் விழிப்புணர்வில் ஈடுபட்டோம். இவர்களுடன் தொடர்ந்து செயல்பட்ட போதுதான் பெண் பிள்ளைகள் அங்கு சந்திக்கும் பிரச்னைகள் பற்றி எங்களுக்கு தெரிய வந்தது. பெண்கள் கிண்டல், கேலி, துன்புறுத்தல், வன்கொடுமை போன்றவற்றை சந்தித்து வந்தார்கள். இவர்களுக்கு என்னால் முடிந்த உதவியினை செய்ய நினைத்தேன்.

அதன் முதல் கட்டமாக பள்ளி மாணவர்களுக்கு வாழ்வியல் குறித்து சிறப்பு பாடங்கள் எடுத்தேன். அவர்களுக்கு வாழ்வியல் சார்ந்த பிரச்னைகளை எதிர்கொள்ளக்கூடிய தன்னம்பிக்கையை விதைத்தேன். மேலும் அவர்கள் மன ரீதியாக மேம்படுவதற்கான வழிமுறைகளை கற்பித்தேன். அவர்களும் தங்கள் முன் இருந்த தடையினை தகர்த்தி சந்திக்கும் பிரச்னைகளை மனம் விட்டு பகிர்ந்தார்கள். ஒரு முறை பள்ளியில் சிறப்பு வகுப்பு எடுத்துக் கொண்டு இருந்த போது, ஒரு சிறுமி

அசௌகரியமாக இருப்பதை உணர்ந்தேன். விசாரித்த போது மாதவிடாய் நாட்களில் இருப்பதாக தயக்கத்துடன் கூறினாள். எங்க கிராமத்தில் பெண்கள் மாதவிடாய் குறித்து பேச தயங்குவார்கள். துணிகள்தான் பயன்படுத்துவார்கள். அந்த துணியினை துவைத்து மீண்டும் பயன்படுத்தி வந்தார்கள். இதனால் உடல் ரீதியான பிரச்னைகளையும் சந்தித்து வந்தார்கள். அதனால் அவர்களுக்கு சானிட்டரி நாப்கின் மற்றும் அதன் பயன்பாடு பற்றி புரிய வைத்து அதனை வழங்கவும் முடிவு செய்தேன். முதலில் பள்ளி மாணவிகளுக்கு சானிட்டரி நாப்கின்களை வழங்கினேன். பின்னர் கிராமங்களில் முகாம்களை அமைத்து பெண்களுக்கும் வழங்கி வந்தேன். இதனைத் தொடர்ந்து மாதவிடாய் சுழற்சி பற்றிய கல்வியும் சுகாதார நடவடிக்கைகள் குறித்தும் சிறப்பு பாடங்களாக எடுத்தேன். இதனை பெண் பிள்ளைகளுக்கு மட்டுமில்லாமல் ஆண் பிள்ளைகளுக்கும் சேர்த்துதான் எடுத்து வந்தேன். ஆண் பிள்ளைகளும் மாதவிடாய் குறித்தான விழிப்புணர்வை ஏற்படுத்துவது அவசியம். சிறுமிகள் மட்டுமில்லை

சிறுவர்களும் வளர்ச்சி அடையும் போது அவர்களும் உடல் மற்றும் மன ரீதியான மாற்றங்களை எதிர்கொள்வார்கள். என்னுடைய தொடர் அறிவுரையினை பின்பற்றி சானிட்டரி நாப்கின்களை கிராமப் பெண்கள் பயன்படுத்த ஆரம்பித்தார்கள்" என்று கூறும் தருண், மாதவிடாய் மட்டுமில்லாமல் பசுமையான சுற்றுச்சூழல் குறித்த விழிப்புணர்வும் ஏற்படுத்தி வருகிறார்.

"சமூக ஆர்வலர் என்பதால், பசுமை சுற்றுச்சூழலை ஏற்படுத்தும் விதத்தில் 'ஒன் பேடு ஒன் ட்ரீ' என்ற திட்டத்தின் மூலம் பெண்களுக்கு சானிட்டரி நாப்கின்களுடன் ஒரு மரக்கன்றையும் கொடுத்தேன். அவர்கள் அதை வீட்டில் வளர்த்தார்கள். அது பசுமையாக வளர்ந்திருப்பதை எனக்கு புகைப்படம் எடுத்து அனுப்பும் போது மனசுக்கு சந்தோஷமா இருக்கும். இந்த திட்டத்தை பரவலாக்கி திருமணமாகும் தம்பதியினருக்கும் பரிசாக மரக்கன்றுகளை வழங்கி வந்தேன். கொரோனாவின் போது இது குறித்து நிறைய விழிப்புணர்வினை ஏற்படுத்தினேன். அரசு அனுமதியுடன் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகளுக்கான முகாம்களை நடத்தினேன். அதில் மாதவிடாய் சுகாதாரம் குறித்த விழிப்புணர்வினை தொடர்ந்து போதித்தேன். ஒரு கட்டத்திற்குப் பிறகு என் சேவையை புரிந்து கொண்டு பலர் உதவ முன்வந்தார்கள். சானிட்டரி நாப்கின்களை கொரியர் மூலம் எனக்கு அனுப்பினார்கள். அவற்றை நான் கிராமப்புற பெண்களுக்கு

வழங்குவேன். தனி மனிதனாய் ஒவ்வொரு வீட்டுப் பெண்களுக்கும் இதனை வழங்குவது கஷ்டமாக இருந்தது. அந்த சமயத்தில் கிராமத்து சிறுவர்கள் என்னுடன் இணைந்து செயல்பட துவங்கினார்கள். மேலும் கிராமத்தில் பல்வேறு இடங்களில் 'பேட் பேங்க்' என்ற பெயரில் நாப்கின்களை வழங்க ஆரம்பித்தோம். தன்னார்வலர்களும் தங்களால் முடிந்தவரை நாப்கின்களை பெண்களிடம் கொண்டு போய் சேர்த்தார்கள். இதனைத் தொடர்ந்து 'நிஷ் சய்' என்ற பெயரில் அமைப்பு ஒன்றை துவங்கினேன். அமைப்பின் மூலம் நாப்கின்களை தானம் செய்ய விரும்புபவர்கள் செய்யலாம். பல இடங்களில் நாப்கின்கள் வழங்கும் இந்த நிகழ்வு லிம்கா சாதனை புத்தகத்தில் இடம்பெற்றுள்ளது" என்ற தருண்குமார் பலரின் உதவியும் ஆதரவும் கிடைத்தால் பின்தங்கிய நிலையில் இருக்கும் பெண்களுக்கு நாப்கின்களை வழங்க முடியும் என்ற கோரிக்கையை முன்வைத்தார்.

SheThePeople
January 28 ·

Tarun is a changemaker who has dedicated his life to breaking the stigma around menstruation, especially in rural India. He travels to villages, engaging with women and schoolgirls, educating them about menstrual hygiene and distributing sanitary pads. But he doesn't stop there—Tarun also encourages these women and girls to plant a sapling in exchange for a pad, fostering a sense of responsibility towards both the environment and their own health.

What makes Tarun's work even more remarkable is that he runs this campaign on a crowdfunding model, with no support from the government or donor agencies. His efforts have been entirely self-driven, powered by his passion to make a change. To tackle the deep-rooted taboo around menstruation, especially in rural areas, Tarun launched the "Chuppi Todo" (Break the Silence) campaign in 2017, aiming to normalize conversations about periods.

Tarun's relentless efforts didn't go unnoticed. In recognition of his pioneering work, he set up the "Nishchay Foundation," and his name was even enlisted in the Limca Book of Records for his impactful campaign. Over the past five years, Tarun has reached out to over 75,000-80,000 adolescent girls and women through "Chuppi Todo," educating them about menstruation and providing them with the tools they need to manage it with dignity.

His work has earned him immense respect, and teenagers across the country now affectionately call him "Padman Bhaiya," as he continues his mission to break the silence and challenge the taboos surrounding menstruation. Through his unwavering commitment, Tarun is helping to create a future where menstruation is no longer a topic of shame but one of empowerment and awareness.

#shethepeople #goodmen #padman #periods d

SheThePeople's post

him "Padman Bhaiya," as he continues his mission to break the silence and challenge the taboos surrounding menstruation. Through his unwavering commitment, Tarun is helping to create a future where menstruation is no longer a topic of shame but one of empowerment and awareness.

#shethepeople #goodmen #padman #periods d

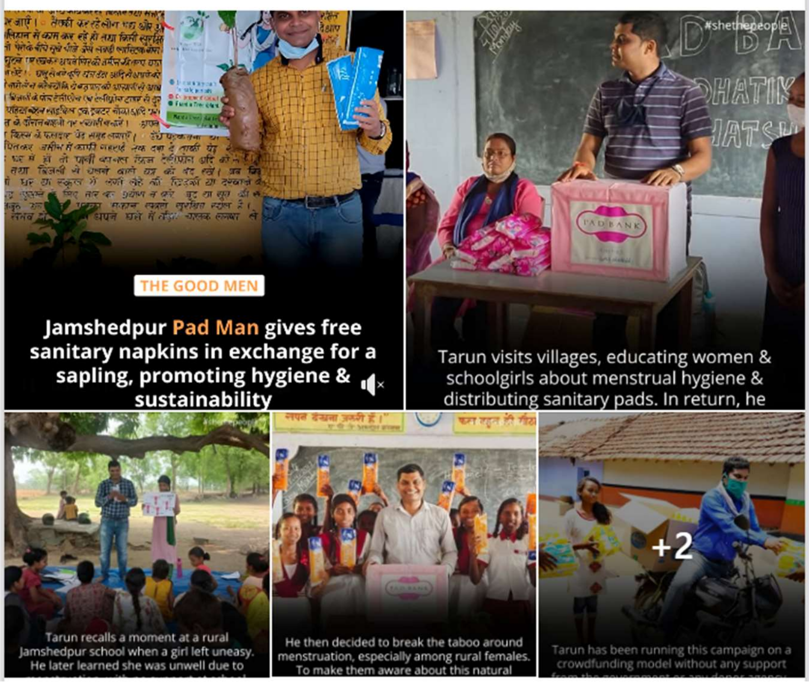

केरूवाडूंगरी पंचायत के सभी गांवों में चलेगा माहवारी स्वच्छता जागरूकता अभियान

■ उत्क्रमित मध्य विद्यालय भीतरदाढ़ी से मुखिया कान्हु मुर्मू ने किया अभियान का शुभारंभ

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर स्थित केरूवाडूंगरी पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भीतरदाढ़ी से पंचायत स्तरीय जागरूकता अभियान की शुरूआत पंचायत के मुखिया कान्हु मुर्मू के द्वारा किया गया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुखिया कान्हु मुर्मू ने बच्चों व अभिभावकों को संबोधित करते हुए बताया कि ग्रामीण महिलाओं व किशोरियों में माहवारी स्वच्छता व महिला स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता काफी अहम है। सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार, जिन्हें झारखंड का पैडमैन भी कहा जाता है, के द्वारा पंचायत के सभी गांवों में कार्यशाला आयोजित कर माहवारी स्वच्छता व बच्चों से जुड़े मुद्दों पर जागरूक किया जायेगा।

माहवारी जागरुकता अभियान के दौरान छात्राओं से संवाद करते निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार।

मौके पर उपस्थित तरुण कुमार ने बच्चों व अभिभावकों को माहवारी स्वच्छता व बच्चों की शिक्षा से जुड़े कई अहम मुद्दों पर जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बच्चियों व महिलाओं को प्रोजेक्ट बाला रियूजेबल पैड का भी उपहार मिला, जिसे पाकर बच्चे व महिलाएं प्रफुल्लित नजर आए। अगले एक माह में केरूवाडूंगरी पंचायत के केरुआ, धोडांगा, आहरघुट्टू, बंदुहुडांग, बड़ा तालसा, छोटा तालसा, तुरामडीह, भूरीडीह, भीतरदाड़ी, बाहरदाड़ी, हाकेगोडा, चांगिरा गांवों टोलो में अलग अलग कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को जागरूक करने का प्रयास किया जायेगा। अभियान के शुभारंभ के मौके पर प्राचार्य ओम प्रकाश, शिक्षक गजेन्द्र हेंब्रम, जल साहिया मंजू महतो, वार्ड सदस्य चंपा व अन्य मुख्य रूप से मौजूद थे। उत्क्रमित मध्य विद्यालय भीतरदाढ़ी में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के बाद पंचायत के चांगिरा गांव में भी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गांव की किशोरियों व महिलाओं ने शिरकत किया।

दैनिक भास्कर नई दिल्ली 24-06-2025

जमशेदपुर के इस गांव में दो साल से पैड कचरा नहीं

रांची | झारखंड के 35 साल के तरुण कुमार गांवों में महिलाओं और स्कूली बच्चियों को पीरियड्स में स्वच्छता की अहमियत बताते हैं। इको फ्रेंडली रियूजेबल पैड्स बांटते हैं। उनके प्रयासों से अब जमशेदपुर के धातकीडीह गांव की लगभग सभी महिलाएं पिछले दो सालों से रियूजेबल पैड का इस्तेमाल कर रही हैं।

दैनिक भास्कर इंदौर 24-06-2025

जमशेदपुर के इस गांव में दो साल से पैड कचरा नहीं

रांची | झारखंड के 35 साल के तरुण कुमार गांवों में महिलाओं और स्कूली बच्चियों को पीरियड्स में स्वच्छता की अहमियत बताते हैं। इको फ्रेंडली रियूजेबल पैड्स बांटते हैं। उनके प्रयासों से धातकीडीह गांव की सभी महिलाएं रियूजेबल पैड का इस्तेमाल कर रही हैं। इसकी वजह से अब इस गांव में पैड का कोई कचरा नहीं निकलता।

दैनिक भास्कर अमृतसर 24-06-2025

पहले नो निगेटिव

चाय की दुकान में चेस, पूरे गांव में शराब की लत छूटी

तिरुवनंतपुरम | केरल के त्रिशूर जिले में मारोत्तिचल गांव शराबियों का अड्डा था। गांव में चाय की दुकान चलाने वाले सी उन्नीकृष्णन ने चेस की ओर लोगों को आकर्षित करना शुरू किया। अब वहां 90% ग्रामीण नियमित रूप से शतरंज खेलते हैं। यहां तक कि सोने से पहले भी अब लोग चेस ही खेलते हैं। नतीजा-बच्चे गणित में बेहतर नंबर ला रहे हैं। और सबसे बड़ी बात-अब यहां कोई शराब नहीं पीता।

जमशेदपुर के इस गांव में दो साल से पैड कचरा नहीं

रांची | झारखंड के 35 साल के तरुण कुमार गांवों में महिलाओं और स्कूली बच्चियों को पीरियड्स में स्वच्छता की अहमियत बताते हैं। इको फ्रेंडली रियूजेबल पैड्स बांटते हैं। उनके प्रयासों से अब जमशेदपुर के धातकीडीह गांव की लगभग सभी महिलाएं पिछले दो सालों से रियूजेबल पैड का इस्तेमाल कर रही हैं। इसकी वजह से अब इस गांव में पैड का कोई कचरा नहीं निकलता।

प्रारंभ नो निगेटिव्ह

चहाच्या दुकानात बुद्धिबळ पट, संपूर्ण गाव व्यसनमुक्त

तिरुवनंतपुरम | एखाद्याचे दारूचे व्यसन सोडवणे मोठे आव्हानच असते. केरळमधील त्रिशूर जिल्ह्यातील मारोत्तीचल गाव मद्यपींचे केंद्र होते. पण गाव व्यसनमुक्त केले ते चहाची टपरी चालवणारे सी उन्नीकृष्णन यांनी. त्यांनी लोकांना बुद्धिबळाकडे आकर्षित केले. आता तेथील ९० टक्के गावकरी नियमितपणे बुद्धिबळ खेळतात. झोपण्यापूर्वीही लोक बुद्धिबळ खेळतात. याचा परिणाम असा झाला आहे की मुले गणितात चांगले गुण मिळवत आहेत. आणि सर्वात मोठी गोष्ट म्हणजे आता येथे कोणीही दारू पीत नाही.

जमशेदपूरच्या या गावात आता पॅडचा कचरा नाही

रांची | झारखंडमधील ३५ वर्षीय तरुण कुमार हे गावातील महिला आणि शालेय मुलींना मासिक पाळीच्या काळात स्वच्छतेचे महत्त्व समजावून सांगतात. ते पर्यावरणपूरक पुनर्वापरयोग्य पॅडचे वाटप करतात. त्यांच्या प्रयत्नांमुळे जमशेदपूरमधील धतकिडीह गावातील जवळजवळ सर्व महिला गेल्या दोन वर्षांपासून पुनर्वापरयोग्य पॅड वापरत आहेत. यामुळे, आता या गावात पॅडचा कचरा जमा होत नाही.

छात्रों की हर समय मदद को तैयार रहते हैं तरुण

एक मुहिम के दौरान छात्रा के साथ तरुण कुमार। • हिन्दुस्तान

इनसे सीखें

जमशेदपुर | संवाददाता

गरीबों की मदद हो या बच्चों की प्रतिभा निखारने का काम, शहर के तरुण कुमार जरूरतमंद व असहाय लोगों की मदद के लिए हर समय तैयार रहते हैं। उनका कहना है कि उन्हें लोगों की मदद करने में जो खुशी मिलती हैं, वो दुनिया के किसी भी काम में नहीं हैं।

कई अभियान से जुड़े हैं : आदर्श सेवा संस्था, निश्चय एवं स्माइल झारखंड व कैंपस ग्रीन समेत कई संस्थाओं से जुड़े तरुण कुमार जमशेदपुर समेत पांच से छह जिलों के गरीब परिवारों और अनाथ बच्चों के लिए काम कर रहे हैं, इनके लिए चलाई जा रही कई योजना और अभियान से भी जुड़े हैं। पर्यावरण से सुरक्षा के लिए चल रहे अभियान से जुड़े हैं।

पढ़ाई के दौरान जुड़े समाजसेवा से : तरुण को बचपन से जरूरतमंदों की मदद करने में खुशी मिलती थी। पढ़ाई के दौरान भी वे अपने सहपाठियों की पढ़ने में मदद के अलावा हरसंभव मदद की कोशिश करते थे। डिग्री की पढ़ाई के दौरान तरुण पहली बार समाजसेवी संस्था से जुड़े और तब से निःस्वार्थ भाव से लोगों की मदद कर रहे हैं।

झोपड़पट्टियों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए बच्चों समेत उनके अभिभावकों की काउंसिलिंग के अलावा व गरीब परिवारों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए योजनाओं से जोड़ते हैं और उन्हें सही सलाह देते हैं।

जज्बा

- पढ़ाई के दौरान समाजसेवा से जुड़े तरुण बच्चों की कला को निखार और दे रहे हैं विस्तार
- पांच से छह जिलों के अनाथ बच्चों व गरीब परिवारों के लिए चल रहे कई अभियान से हैं जुड़े

सोनारी के हैं रहनेवाले

सोनारी निवासी तरुण कुमार को-ऑपरेटिव कॉलेज से इंटर की पढ़ाई और इग्नू से बीसीए करने के बाद अभी सोशल वर्क में मास्टर्स कर रहें हैं। तरुण के माता-पिता सरायकेला में रह रहे हैं। पिता गुलाबचंद सिंह एक शिक्षक हैं एवं मां का नाम सुनैना देवी है।

नई दिल्ली में डीईएफ के छठे ईएनजीओ अवार्ड्स के अवसर पर निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक ने अवार्ड ग्रहण किया

पूर्वी सिंहभूम से शुरू हुए अभियान को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

जमशेदपुर | वरीय संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम जिले से शुरू हुई जनभागीदारी से माहवारी स्वच्छता के मुद्दे पर जागरूकता लाने की मुहिम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन द्वारा चलाये जा रहे माहवारी स्वच्छता जागरूकता अभियान को हेल्थ एवं वेलनेस कैटेगरी में दक्षिण एशिया के 10 प्रमुख अभियानों में चुना गया। नई दिल्ली के नेहरू प्लेस स्थित होटल इरोस में डीईएफ द्वारा आयोजित छठे ईएनजीओ अवार्ड्स के मौके पर निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक सचिव तरुण कुमार ने यह अवार्ड ग्रहण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तरुण ने कहा कि संस्था द्वारा झारखंड में चलाया जा रहा माहवारी स्वच्छता अभियान एक जनअभियान है, जिसका मकसद लोगों की चुप्पी व शर्म को तोड़ना एवं जनसहयोग से गांवो के मुद्दों पर काम करना है। संस्था लोगों की सहायता से ग्रामीण विद्यालयों में बच्चियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहित करने हेतु पैडबैंक एवं नैपकिन के पर्यावरण अनुकूल डिस्पोजल हेतु इंसिनिरेटर स्थापित करने की दिशा में प्रयास कर रही है। अभियान से जुड़कर लगभग 2000 से ज्यादा बच्चे और लोग इस संदेश को समुदाय में ले जा रहे है। वही डिजिटल व सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान ने दूर-दूर तक इस संदेश पहुंचाने में सफलता पाई है।

गर्व

- दक्षिण एशिया के 10 प्रमुख स्वास्थ्य अभियानों में जगह
- अभियान का मकसद लोगों की शर्म और चुप्पी को तोड़ना

नई दिल्ली में आयोजित समारोह में अवार्ड लेते तरुण कुमार। ● हिन्दुस्तान

देश-विदेश से आये संस्थाओं के प्रतिनिधि ने की शिरकत

कार्यक्रम मे देश-विदेश से आये सैकड़ो संस्थाओं के प्रतिनिधि शिरकत कर रहे थे। दक्षिण एशिया के भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान एवं मालदीव से 430 से ज्यादा नॉमिनेशन्स में संस्था के प्रयास को चुना गया था। कार्यक्रम में संस्था की कशिश सिन्हा एवं अंकित पाठक ने भी निश्चय द्वारा चलाये जा रहे अभियान का प्रतिनिधित्व किया।

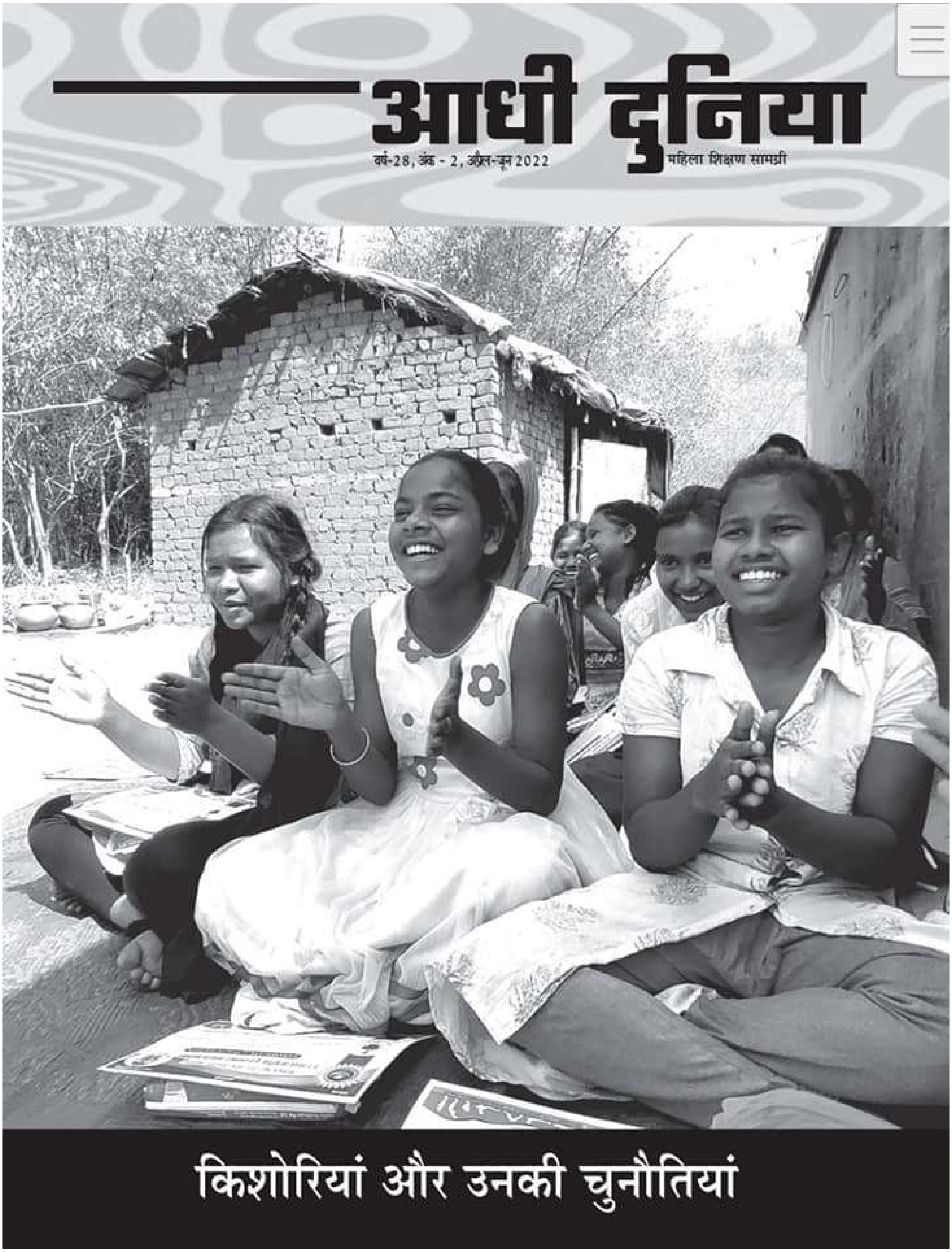
आधी दुनिया
वर्ष-28, अंक - 2, अप्रैल-जून 2022
महिला शिक्षण सामग्री
किशोरियां और उनकी चुनौतियां

किशोरी लड़कियों की कहानियां

पूरबी पाल

पूजा हेम्ब्रम, *हितकु, जमशेदपुर*

पूजा हेम्ब्रम लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज, करनडीह में वर्ग 11वीं की छात्रा है। मजबूत इरादों से भरी पूजा अपने गांव के स्कूल से पढ़ाई पूरी कर अब कॉलेज तक पहुंच चुकी है। कला की छात्रा पूजा बताती है कि आज भी गांव में बच्चों की पढ़ाई करने में ढेरों मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। बच्चे ही देश के भविष्य हैं। अगर बच्चों को सही शिक्षा नहीं प्राप्त होगा, तो समाज कैसे आगे बढ़ेगा? गरीब परिवारों के प्रतिभावान बच्चों का दाखिला अगर नवोदय जैसे स्कूलों में हो जाये, तो बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे। अगर उचित मार्गदर्शन एवं सहयोग मिले तो गांव के बच्चे भी बहुत कुछ कर सकते हैं। इसी सोच के साथ वह अपने गांव के बच्चों को नेतरहाट एवं नवोदय विद्यालय के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी निःशुल्क करवा रही है। अभी 30-35 छोटे बच्चे पूजा के मार्गदर्शन में पढ़ाई कर रहे हैं। पूजा के इस अनोखे कार्य के लिए गांव के लोग उसकी प्रशंसा करते नहीं थकते।

मौद्रिता चटर्जी, *टेल्को, जमशेदपुर*

टेल्को स्थित हिल टॉप विद्यालय के वर्ग 11वीं की छात्रा मौद्रिता चटर्जी बचपन से ही अनोखे कार्यों के लिए जानी जाती है। मौद्रिता स्वच्छता के प्रति बचपन से ही बेहद संवेदनशील है। गांव में शौचालय की समस्या के बारे में पता चलने पर उसने अपने पॉकेट मनी से शौचालय बनवा कर केंदाडीह गांव के लोगों को शौचालय का प्रयोग करने को जागरूक किया। वह अब तक ग्रामीण इलाकों में लगभग 10 शौचालयों का निर्माण करवा चुकी है। मौद्रिता ने पर्यावरण अनुकूल इको ब्रिक्स का उपयोग कर भी गरुणबासा गांव में एक शौचालय का निर्माण करवाया था, जो देश भर में बेहद चर्चित रहा था। नन्हीं मौद्रिता के कार्यों की सराहना भूतपूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी भी कर चुके हैं। स्वच्छता के प्रति अपने कार्यों के लिए मौद्रिता जमशेपुर अक्षेस के ब्रांड अम्बेसडर के रूप में भी कार्य कर रही हैं।

अदिति पांडे, *गोलपहाड़ी, जमशेदपुर*

आज का बचपन शहरों के चकाचौंध और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स में खोता जा रहा है, रसोई में बनने वाले भोजन की सामग्रियां कहां से आती हैं, यह शहर के कई बच्चों के लिए समझ में न आनेवाली पहेली जैसा होता है। इस स्थिति से बचने हेतु अभिभावकों का अपने बच्चों को खेती बागवानी के बारे में अवगत करवाना बेहद अहम है। रामकृष्ण अंग्रेजी स्कूल, बिस्टुपुर के वर्ग 7वीं की छात्रा अदिति पांडे सभी बच्चों एवं बड़ो के लिए प्रेरणा का श्रोत है। गोलपहाड़ी में रहने वाली अदिति बागवानी में बेहद रुचि रखती है। वह अपने घर पर सुंदर डहलिया फूल के साथ-साथ मिर्ची, धनिया, लहसुन, टमाटर, लाल साग, बैंगन इत्यादि पौधों को लगाकर उनकी बखूबी देखरेख करती है। पौधों से नियमित खरपतवार निकालने से लेकर, पौधों में पानी देना, उनमें खाद देना वह कभी नहीं भूलती। इसके अलावा घरेलू कचड़े से कंपोस्ट खाद बनाने का हुनर भी वह बखूबी जानती है। लॉकडाउन में जब स्कूल वंद थे, तब बागवानी और पेंटिंग करना अदिति का पसंदीदा कार्य था। यह सब उसने अपनी मां आशा पांडे और नानी सावित्री देवी से सीखा है।

सुषमा ग्वाला, *बलियागोड़ा, मुसाबनी*

बच्चों को खेलना बेहद पसंद होता है। आज के समय में खेल के माध्यम से भी बुलंदियों पर पहुंचा जा सकता है, ऐसा ही सोच है मुसाबनी के सुदूर गांव बलियागोडा की छात्रा सुषमा ग्वाला का। सुषमा अपने गांव के मैदान में अपने 15-20 सहेलियों के साथ नियमित रूप से फुटबॉल का अभ्यास करती हुई दिखाई पड़ती है। जहां गांव की लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना भी बेहद कठिन होता है, वही सुषमा खेल के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए जी तोड़ प्रयास कर रही है। यह अन्य बालिकाओं के लिए बेहद प्रेरक है। घाटशिला कॉलेज में बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा सुषमा बताती है कि उसके लिए भी यह आसान नहीं था, शुरुआत में गांव घर में लोग कहते थे, अगर खेल में चोट लग गया तो लड़की की शादी कैसे होगी? लेकिन लोगों के दकियानूसी सोच को पीछे छोड़ते हुए, उसने अपने घर में माता-पिता का भरोसा जीता, उसे अब अपने पिता बासुदेव ग्वाला का पूरा समर्थन मिलता है। वह राँची, भुवनेश्वर और पश्चिम बंगाल जाकर भी कई फुटबॉल प्रतियोगिताओं में भाग ले चुकी है। इसी वर्ष मुख्यमंत्री आमंत्रण कप टूर्नामेंट के विजेता दल में भी वह शामिल रह चुकी है। वह अपने गांव की जूनियर फुटबाल टीम की कप्तान और कोच की भूमिका निभा रही है। सुषमा देश के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल खेलने का सपना देखती है।

श्रेया वर्मा, *पटमदा*

अगर समाज में बच्चों का बचपन सुरक्षित बनाना है, तो इसके लिए बच्चों को उनके बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता होती है। बचपन से ही बच्चों के अधिकारों के लिए मुखर पटमदा की छात्रा श्रेया वर्मा ने माहवारी के दिनों में होने वाली परेशानी को महसूस किया और इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाने को ठाना। पटमदा के राज्य संपोषित +2 उच्च विद्यालय में वर्ग 12वीं में पढ़ाई करने वाली श्रेया ने अपने 17वें जन्मदिन के मौके पर समाज के समक्ष अनोखी मिसाल पेश करते हुए अपने विद्यालय में सेनेटरी पैड बैंक की स्थापना की। श्रेया की इस पहल से विद्यालय में पढ़ रही साथी छात्राओं को काफी सहूलियत हुई। अब उन्हें आवश्यकता पड़ने पर विद्यालय के पैड बैंक से नैपकिन मिल जाती है। इससे बच्चियों में आत्मविश्वास बढ़ा है और झिझक भी टूटा है। इससे पहले श्रेया ने बाल विवाह की सूचना मिलने पर उन्हें रोकने का सफल प्रयास भी किया है। वह पढ़ाई से बचे खाली समय का सदुपयोग आसपास के बच्चों को पढ़ाकर करती है। इससे कोरोना काल में बच्चों को काफी लाभ हुआ है।

हीरामनी टुडू, *खुकडाडीह*

देश एवं राज्य के सुदूर इलाकों की शिक्षा व्यवस्था काफी हद तक सरकारी विद्यालयों पर टिकी हुई है। लेकिन संसाधनों और शिक्षकों के अभाव में ज्यादातर सरकारी विद्यालयों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया करवा पाना बेहद मुश्किल बात हो जाती है। लेकिन कई विद्यालयों में शिक्षकों से प्रेरणा लेकर कई बच्चे विद्यालय के पठन-पाठन एवं प्रबंधन में भी बढ़ चढ़ कर सहभागिता निभाते हैं। इससे उनकी नेतृत्व क्षमता में भी निखार आता है, वही उनके सहपाठी बच्चों को भी पढ़ाई में सहायता मिलती है। जमशेदपुर के सुदूर इलाके में स्थित उच्च विद्यालय खुकडाडीह की वर्ग 9वीं की छात्रा हीरामनी टुडू अपने विद्यालय और गांव के बच्चों के लिए एक मिसाल है। हीरामनी अपने सहपाठियों के साथ मिलकर विद्यालय के साफ सफाई का ख्याल रखती है, वही विद्यालय में संचालित पैड बैंक, सोप बैंक, निर्धन छात्र कोष, पुस्तकालय एवं अन्य बाल उपयोगी अभियानों के संचालन में महती भूमिका निभाती है। कोरोना काल में हीरामनी टुडू की भूमिका तब और निखर कर सामने आई, जब गांव के बच्चों को

ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ी। गांव के ज्यादातर बच्चों के परिवारों के पास स्मार्टफोन नहीं था, इस स्थिति में हीरामनी घर-घर जाकर बच्चों को उन बच्चों के साथ जोड़ती थी, जिनके पास मोबाइल उपलब्ध था। ताकि सभी बच्चे एक साथ बैठकर ऑनलाइन पढ़ाई कर सके। वहीं इन दिनों कोरोनारोधी टीका लेने के लिए भी हीरामनी अपने साथियों को जागरुक कर रही हैं।

पूजा प्रामाणिक, *मिर्जाडीह*

बचपन में जो अच्छी बुरी बातें बच्चे सीखते हैं, वह उनके व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाता है। सैलानियों के बीच प्रसिद्ध डिमना झील के नजदीक बसे मिर्जाडीह गांव की पूजा प्रामाणिक गांव के उन बच्चों में से है, जो समूचे गांव के बच्चों को एक सूत्र में पिरोकर रखती है और उनमें साहस भरती है। पूजा और उनके सहेलियों के प्रयासों का असर यह है कि उन्होंने छोटी उम्र में ही दर्जनों बच्चियों को बाल विवाह के चंगुल में जाने से बचाया है। गांव के लोगों को हमेशा डर बना रहता है कि अगर इन बच्चों को किसी लड़की के बाल विवाह की सूचना मिल गयी, तो फिर उनकी खैर नहीं। बच्चों के माध्यम से सूचना तुरंत सामाजिक कार्यकर्ताओं और चाइल्डलाइन तक पहुंच जाएगी। जिससे कानूनी करवाई का भी डर बना रहता है। पूजा गांव के बच्चों के साथ लगातार बैठक करती रहती है। इन बैठकों में पढ़ाई से जुड़ी चर्चा के साथ, बच्चियों के स्वास्थ्य, कैरियर, माहवारी, स्वच्छता, योगा, खेलकूद और नाटक से जुड़ी गतिविधियां आयोजित होती रहती है। जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज के वर्ग 12वीं की छात्रा पूजा प्रामाणिक के करिश्माई बाल नेतृत्व में गांव का माहौल बेहद प्रेरक व अनोखा बना रहता है और वही बच्चों के कार्यों को देखकर बड़े भी प्रेरित होते हैं।

आशा रानी जाना, *भंडारशोल, बहरागोड़ा*

सुदूर गांवो में निवास करने वाले ज्यादातर परिवार अभाव का जीवन जीते हैं। उन परिवारों के बच्चों की पढ़ाई भी अनिश्चित ही होती है, वहीं लड़कियों के मामले में उनका संघर्ष और भी कई गुना बढ़ जाता है। पूर्वी सिंहभूम जिले के सुदूर प्रखण्ड बहरागोड़ा के भण्डारसोल गांव की आशा रानी जाना उन बच्चों में से है जो अपने मनोबल को हमेशा ऊंचा रखते हुए आस पास के बच्चों के लिए भी प्रेरणा बनती है। बहरागोड़ा कॉलेज में 12वी में पढ़ाई कर रही आशा रानी जाना शिक्षक बनकर समाज में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देना चाहती है।

शिक्षक का काम केवल पढ़ाना ही नहीं, अपने नेतृत्व क्षमता से बच्चों एवं बड़ो में कुछ नया करने का ऊर्जा भरना होता है। आशा ने अपने विद्यार्थी जीवन से ही यह जिम्मेवारी बखूबी निभाना शुरु कर दिया है। आशा अपने गांव के बच्चों को पढ़ाई में लगातार मार्गदर्शन देती रहती है, वही अपने गांव में एक पैड, एक पेड़ अभियान के माध्यम से किशोरियों एवं महिलाओं को माहवारी स्वच्छता के प्रति शर्म झिझक तोड़ने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी प्रेरित करती रहती है। आशा ने अपने सहेलियों व महिलाओं के साथ मिलकर अभियान के तहत गांव में सैकड़ों पेड़ लगाए हैं। आशा की पहल से गांव की महिलाओं का ना सिर्फ मनोबल बढ़ रहा है, बल्कि सभी नियमित रूप से पेड़ लगाकर, बागवानी करके पर्यावरण संरक्षण कर रही हैं। उनके बागवानी से किशोरियों को बेहतर पोषण भी मिल रहा है।

आशा के पिता लकड़ी के छोटे मोटे सामान बनाकर घर चलाते हैं। आशा रानी जाना ने वीर शहीद गणेश हांसदा फ़ेलोशिप के पहले वर्ष आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपनी पढ़ाई की मुश्किलों को आसान किया। जिससे गांव के कई बच्चों को अभाव में भी हिम्मत ना हारने और मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा मिलती है। ■

पहली बार देखा पुस्तक मेला

पीपला, हिराचुनी, देवघर, डिमना एवं शंकोसाई मध्य विद्यालयों के 30 बाल पत्रकारों ने पुस्तक मेले का भ्रमण किया. ये सभी बच्चे पहली बार पुस्तक मेला आये थे. सुदूर गांवों के इन बच्चों को जब पुस्तक मेला आने का मौका मिला, सभी अलग-अलग तरह की किताबों को बड़ी कौतुहल से देख रहे थे. बच्चों ने बताया कि उन्हें यहां आकर सचमुच बहुत अच्छा महसूस हुआ, वह इसके बारे में अपने घरवालों को बताएंगे, और आगे से पुस्तक मेले में खुद आने का प्रयास करेंगे.

फोटो ■ प्रभात खबर लाइफ

माहवारी और पैड का झिझक तोड़ रहे तरुण

जिस उम्र में युवा नौकरी और पैसे के पीछे भागते हैं उस उम्र में तरुण कुमार महिला स्वच्छता जैसे मुद्दे को मुहिम बनाकर काम कर रहे हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर किशोरियों व महिलाओं को माहवारी संबंधी जानकारी देते हैं और उन्हें यह समझाने की कोशिश करते हैं कि इस दौरान सेनेटरी पैड का इस्तेमाल क्यों जरूरी है. विगत 28 मई 2017 को विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर तरुण ने डोनेट सेनेटरी पैड्स फॉर रूरल गर्ल्स अभियान की शुरूआत की. निश्चय संस्था के बैनर तले शुरू हुए इस अभियान के तहत तरुण कई गांव में सेनेटरी पैड पहुंचाने में सफल रहे. फेसबुक, व्हाट्सअप एवं विभिन्न कार्यक्रम के जरिये यह कारवां बढ़ता गया और लोग जुड़ते चले गये. सेनेटरी पैड्स माहवारी का मुद्दा हमेशा से महिलाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है. लेकिन सेनेटरी पैड के प्रति समाज में फैली चुप्पी और संवादहीनता मुद्दे को विकराल बना चुकी है. जिससे महिलाएं व किशोरियां लंबे समय से जूझ रही हैं. इस अभियान के तहत समाज के हर वर्ग के लोगों को स्वेच्छा से सेनेटरी नैपकीन डोनेट करने की अपील की गयी. अच्छी बात यह है कि इस अभियान से पुरुष भी जुड़ रहे हैं. माहवारी के दौरान सेनिटरी नैपकिन के उपयोग के प्रति जागरूकता की बेहद कमी है. ग्राम पंचायत एवं विद्यालयों में कार्यशाला के दौरान पैड वितरित कर किशोरियों को जागरूक किया जाता है. सिर्फ महिलाओं को नहीं पुरुषों को भी इस अहम मुद्दे पर जागरूक किया जाना जरूरी है. ताकि समाज में सेनेटरी पैड और माहवारी को लेकर झिझक टूटे.

बोल्ड खेलो...जीत कर लंदन जा रहे सामाजिक कार्यकर्ता तरुण

युवाओं के मुद्दे पर काम कर रहे तरुण 16-20 तक लंदन में

सत्येन्द्र कुमार

जमशेदपुर। किसी भी प्रतियोगिता में अपनी भागीदारी निभानी महत्वपूर्ण होती है, आप प्रतियोगिता में जीतो या ना जीतो, यह कोई खास मायने नहीं रखता, लेकिन अलग-अलग थीम पर आधारित प्रतियोगिताओं में भाग लेना आपको बहुत कुछ सिखलाता रहता है। कुछ ऐसी ही सोच रखने वाले जमशेदपुर के तरुण कुमार को अब लंदन जाने का मौका मिल गया है।

निश्चय संस्था बनाकर झारखंड के ग्रामीण इलाकों में बच्चों, महिलाओं व युवाओं के मुद्दों पर काम करने वाले तरुण 16 मार्च से 20 मार्च तक लंदन के दौरे पर रहेंगे। पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान रयल चैलेंजर बैंगलोर के स्पांसर ब्रांड रयल चौलेंज, डियागो एवम रेडियो पार्टनर बिग एफएम के तत्वाधान के चलाये गए "बोल्ड खेलो, इंग्लैंड जाओ" प्रतियोगिता जीतकर तरुण को इंग्लैंड जाने का मौका मिला है। कांटेस्ट जीतने वाले 17 लोगों की टीम में शामिल तरुण अपने 5 दिनों के लंदन दौरे के दौरान लंदन आई, बर्मिंघम पैलेस, मैडम तुसाद म्यूजियम, क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लर्ड्स समेत कई स्थानों का दौरा करेंगे।

तरुण कुमार।

तरुण बताते है कि उन्होंने सपनों में भी कभी नहीं सोचा था, कि वो इस तरह से लंदन पहुँचेंगे। 2002 में जब लर्ड्स में भारत एवम इंग्लैंड के बीच नेटवेस्ट ट्रफी फाइनल खेला जा रहा था, जिसमें सांस रोक देने वाले मुकाबले में भारत ने मोहम्मद कैफ के शानदार नाबाद 87 रन की बदौलत इंग्लैंड को आखिरी ओवर में भारत ने इंग्लैंड को 2 विकेटों से शिकस्त दी थी। मैच का सीधा प्रसारण आल इंडिया रेडियो पर सुनते हुए उस समय मैंने जरूर सोचा था, कि अभी मैदान का माहौल कितना रोमांचक होगा। कप्तान गांगुली के द्वारा मैच जीतने के बाद ड्रेसिंग रूम से टीशर्ट लहराने का रोमांचक दृश्य आज भी ताजा है। 17 साल बाद लर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड को अपनी आंखों से देखना मेरे लिए सपना सच होने जैसा है। मैडम तुसाद म्यूजियम में सचिन तेंदुलकर एवम भारत के कई हस्तियों की मूर्तियों को देखना भी बेहद रोचक होगा।

बताते चलें कि इसी वर्ष गणतंत्र दिवस के मौके पर एक राष्ट्रीय दैनिक द्वारा देश भर की खेल से संबंधित कहानियों पर आधारित प्रतियोगिता में तरुण के द्वारा भेजी गयी बालक-बालिका समानता के संदेश पर आधरित माटी विलेज क्रिकेट लीग की कहानी को गेस्ट एडिटर सचिन तेंदुलकर ने 4500 से भी ज्यादा कहानियों में से देश की सबसे प्रेरक खेल कहानी के तौर पर चुना था। तरुण बताते है कि हर किसी को अपने पसंद से मिलते-जुलते प्रतियोगिताओ में जरूर हिस्सा लेना चाहिए। क्या पता आपकी मेहनत और किस्मत की जुगलबन्दी आपको कहां लेकर चली जाए।

Fri, 15 March 2019
https://www.readwhere.com/read/c/37605437

बहरागोड़ा | **शहीद जवान गणेश हांसदा पुस्तकालय में क्विज आयोजित**

'झारखंड क्विज' में कोल्हान की टीम रही उपविजेता

प्रतिनिधि, बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड की चिंगड़ा पंचायत के लाधनाशोल स्थित वीर शहीद गणेश हांसदा पुस्तकालय में रविवार को झारखंड स्थापना दिवस पर क्विज का आयोजन हुआ. प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य पुस्तकालय से जुड़े ग्रामीण युवाओं को अपने राज्य झारखंड से जुड़ी बुनियादी जानकारी को पड़खना था. प्रतियोगिता का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर हुआ. शुरुआत में झारखंड के इतिहास व भौगोलिक स्थिति पर संक्षिप्त चर्चा की गयी. इस दौरान टीमों ने झारखंड के पांच प्रमंडल (कोल्हान, संताल परगना, दक्षिण छोटानागपुर, उत्तरी छोटानागपुर व पलामू) का प्रतिनिधित्व किया. 6 राउंड तक चली प्रतियोगिता में टीमों ने झारखंड के भूगोल, राजनीति, सामान्य ज्ञान, प्राकृतिक धरोहर, जनजातियों व अन्य मुद्दों पर आधारित 30 से ज्यादा सवालों के जवाब दिये. प्रतियोगिता में पलामू की टीम चैंपियन बनी. वहीं कोल्हान की टीम उप विजेता रही. विजेता व प्रतिभागियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया. इस दौरान निश्चित फाउंडेशन के संस्थापक सचिव तरुण कुमार जज की भूमिका में रहे. मौके पर अध्यक्ष रामदास हांसदा, सरोज कुमार हेंब्रम, जादूनाथ मांडी, रामदास हेंब्रम, विश्वनाथ मांडी, ईश्वर चंद्र हांसदा, रामदास हांसदा, लखन सोरेन, किसान टुडू,

प्रतियोगिता में शामिल बच्चे.

प्रभात खबर
Mon, 16 November 2020
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/56380582

स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी उपयोगी साबित हो रहा कार्यक्रम, पांच हजार पौधे लगाए गए

एक सेनेटरी पैड के बदले एक पेड़ की मुहिम

इनसे सीखें

पहल

- अमरूद, नीम, साल, आम के पौधे लगाने पर दिया जा रहा जोर
- निश्चय फाउंडेशन चला रहा है जिले में अनूठा अभियान

"एक सेनिटरी पैड के बदले एक पेड़ को पूरे देश व विश्व में ले जाना है, ताकि स्वच्छता के साथ पर्यावरण को भी सुरक्षित रखा जा सके। 10 हजार बच्चियों को जोड़ते हुए 10 हजार पौधे लगाने हैं। - **तरुण कुमार, संस्थापक, निश्चय फाउंडेशन**

"यह अभियान विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए फायदेमंद साबित हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में ठीक से मूलभूत सुविधा भी नहीं मिल पाती। ऐसे में स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण का अभियान बहुत अच्छा है। - **जमुना टुडू, पर्यावरणविद, पद्मश्री**

जमशेदपुर | अजीत मिश्रा

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी किशोरियां मासिक धर्म को लेकर जागरूक नहीं हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक संस्था काम कर रही है। पूर्वी सिंहभूम जिले में निश्चय फाउंडेशन की ओर से पांच महीनों से एक सेनिटरी पैड के बदले एक पौधा लगाने का जनअभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अबतक लगभग 30 से ज्यादा गांवों में लगभग 5 हजार से अधिक फलदार पौधे लगाए जा चुके हैं। इनमें आम, अमरूद, नीम, सागवान, साल आदि के पौधे शामिल हैं। इसके अलावा किशोरियों में एनीमिया दूर करने के लिए उनके घरों में बागवानी कराई जा रही है। पौष्टिक हरी सब्जियों के उगाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि इसके सेवन से खून की कमी दूर हो सके। अभियान के तहत लगभग 6 हजार किशोरियों व महिलाओं को जोड़ा जा चुका है। संस्था प्रथम चरण में 10 हजार पौधे लगाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। 10 हजार किशोरियों व महिलाओं को अभियान से जोड़ने का लक्ष्य है। संस्था सेनिटरी पैड का खर्च खुद वहन करती है।

पैड के उपयोग व इसके निस्तारण के बारे में भी जानकारी दी जा रही : किशोरियों व महिलाओं के बीच पैड के उपयोग व इसके निस्तारण के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम की शुरुआत इस साल विश्व पर्यावरण दिवस पर चाकुलिया प्रखंड के अंधरिया गांव से की गई थी। पर्यावरण संरक्षण के लिए मशहूर लेडी टारजन पद्मश्री जमुना टुडू के मार्गदर्शन में अभियान शुरू हुआ। स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए किशोरियों व महिलाओं में प्रतियोगिता का आयोजन भी कराया जा रहा है। उन्हें पुरस्कृत भी किया जाएगा। इस अभियान से जुड़ने के लिए एक कॉन्टेक्ट नंबर भी जारी किया गया है। इससे सभी लोग जुड़ सकते हैं।

दैनिक भास्कर घाटशिला 23-04-2021

पहल • एक साल से ब्लॉक का चक्कर काट रही दुरी सबर को एसडीओ ने हाथों हाथ बनाकर दिया जाति प्रमाण पत्र

पढ़ाई करने के लिए आवश्यक पुस्तकों की मांगी सूची

भास्कर न्यूज| घाटशिला

दैनिक भास्कर में दूरी सबर की खबर प्रकाशित किए जाने के बाद दूरी को मदद के लिए कई लोग व संस्थाएं सामने आ रही है। गुरूवार को एसडओ सत्यवीर रजक ने दूरी सबर को अपने आवास पर बुलाकर हाथो हाथ जाति प्रमाण पत्र प्रदान की। वह बीते एक साल से जाति प्रमाण पत्र के लिए मुसाबनी ब्लॉक का चक्कर काट रही थी। जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने से वह छात्रवृति पाने से वंचित थी। साथ ही दुरी से वार्ता कर एसडीओ ने पढ़ाई के लिए आवश्यक पुस्तकों

निश्चय फाउंडेशन से स्मार्टफोन फोन पाकर खुश दूरी सबर।

की सूची मांगी। एसडीओ सत्यवीर रजक ने दुरी को आश्वासन दिया कि उसकी पढ़ाई के लिए हर संभव सहायता की जाएगी, जिससे दुरी अपनी पढ़ाई पूरी कर सके। एसडीओ सत्यवीर रजक ने आश्वासन देते हुए बताया कि उसे पढ़ाई के लिए एचसीएल/आइसीसी की ओर से मोबाइल फोन प्रदान करवाया जाएगा। इसके अतिरिक्त भी उच्च शिक्षा के लिए दूरी को जो आवश्यकता होगी उसे उपलब्ध करवाया जाएगा।

निश्चय संस्था ने दुरी को सौंपा मोबाइल फोन

सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे वीर शहीद गणेश हांसदा फेलोशिप से जोड़कर संस्था ने उसके पढ़ाई में मदद करने की पहल की गई है। इसी के तहत प्रतिभाशाली दूरी सबर को ऑनलाइन पढ़ाई करने हेतु स्मार्टफोन प्रदान किया गया है। स्मार्टफोन पाकर दूरी सबर काफी खुश है, उसे उम्मीद है कि वो भी अब दूसरी छात्राओं की तरत अपनी पढ़ाई ऑनलाइन कर सकेगी। लेकिन सिर्फ स्मार्टफोन मिल जाने भर से दूरी की मुश्किलें आसान नहीं हुई। इसे चलाने के लिए दूरी को नेटवर्क की तलाश में ऑनलाइन क्लास में शामिल होने के लिए उसे अपने घर से लगभग 250-300 मीटर दूर पहाड़ पर एक खास जगह पर जाना होता है। इससे उसे परेशानी तो होती है, लेकिन इसके बावजूद दूरी खुश है, कि अब वह ऑनलाइन पढ़ पाएगी।" संस्था के संस्थापक सचिव तरुण कुमार ने बताया कि "कॉलेज स्कूल जाकर पढ़ाई करने जैसा बेहतर कोई विकल्प नहीं, लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन पढ़ाई ही विकल्प है। पर सुदूर गांवों में रहने वाले हजारों हज़ार बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई नहीं कर पा रहे, इसका महत्वपूर्ण कारण दूर दराज के गांवों में मोबाइल नेटवर्क का ना होना है। मोबाइल नेटवर्क की तलाश में घर से बाहर निकलकर सुनसान जगहों पर बैठकर ऑनलाइन पढ़ाई करना खतरनाक है। उन्होंने दूरसंचार कंपनियों से अनुरोध किया है कि ऐसे स्थान पर भी नेटर्वक उपलब्ध करवाया जाए जहां नेटवर्क की समस्या रहती है। जिससे बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई जारी रख सकें।

दैनिक भास्कर घाटशिला 18-04-2021

दैनिक भास्कर
घाटशिला.बहरागोड़ा.चाकुलिया.जादूगोड़ा
जमशेदपुर, रविवार 18 अप्रैल, 2021 | 18

भास्कर इंपैक्ट • 15 अप्रैल को खबर प्रकाशित होने के बाद लोगों ने लिया संज्ञान, जोबला गांव से कॉलेज तक आने-जाने के साथ सभी खर्च में मिलेगा हेल्फ

समाज के कई मदद को आए आगे, अब मिटेगी दुरी की पढ़ाई से दूरी

भास्कर न्यूज | घाटशिला

दैनिक भास्कर में "दम तोड़ती प्रतिभा को मदद की जरूरत" की भावनात्मक ख़बर 15 अप्रैल के अंक में प्रकाशित होने के बाद दुरी सबर को मदद करने के लिए समाज के कई लोग आगे आ रहे है। दुरी सफर की पढ़ाई में होने वाली मुश्किलें कम होने की संभावना बढ़ी है। अखबार में खबर पढ़ने के बाद माहवारी स्वच्छता, शिक्षा एवं बच्चों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रूप से काम करने वाली सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक सचिव तरुण कुमार मुसाबनी के सुदूर गांव जोबला जाकर दुरी सबर व उनके परिवार वालों से मिले और दुरी के पढ़ाई में होनेवाले परेशानियों को लेकर विस्तार से जानकारी ली।

अपने माता-पिता के साथ दुरी सबर।

वीर शहीद गणेश हांसदा फैलोशिप से जुड़ी छात्रा, ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई में मिलेगी सहायता

घर की आर्थिक स्थिति खराब होने के साथ-साथ सामाजिक परिवेश, सुदूर इलाकों में संसाधनों व जागरूकता की कमी, आवागमन की परेशानी, मोबाइल नेटवर्क की समस्या इत्यादि कई बुनियादी समस्याएं भी प्रतिभाशाली दूरी की पढ़ाई में रोड़ा बन रही है। दुरी और उनके घरवालों से बात करके योजना बनी की दूरी को संस्था द्वारा चलाये जा रहे वीर शहीद गणेश हांसदा फैलोशिप से जोड़कर ग्रेजुएशन के बचे हुए पढ़ाई के लिए उसकी पूरी मदद की जाएगी। किताबें, कॉलेज फी, आने जाने के लिए यात्रा खर्च, ऑनलाइन पढ़ाई के लिए मोबाइल एवं क्षमता विकास हेतु नियमित मार्गदर्शन मुहैया जाएगा। वीर शहीद गणेश हांसदा की अमर यादों को युवाओं के बीच स्थायी प्रेरणा बनाने के उद्देश्य से हर वर्ष पांच जरूरतमंद बच्चों को इंटर से लेकर ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई में नियमित सहायता करने हेतु वीर शहीद गणेश हांसदा फैलोशिप की सामाजिक पहल पिछले साल संस्था के द्वारा शुरू की गई है।

निश्चय की पहल पर संकल्प संस्था करेगी सहयोग : निश्चय फाउंडेशन की पहल का साथ देते हुए संकल्प- ए प्लेज ऑफ चेंज संस्था के अध्यक्ष शिवेंद्र शास्त्री ने दुरी सबर की समूची पढ़ाई में सहयोग करने की घोषणा की है। इसके अलावा समाज के लिए अग्रणी सेवा दे रहे कल्याणी कबीर, रवि शंकर, टी एन वर्मा, अंजना सिंह, विकास विनीत झा, रामचंद्र सोरेन एवं अन्य ने भी दुरी व बच्चों की पढ़ाई में मदद करने की नेक पहल की है।

अब दुरी सबर अपने गांव के बच्चों को भी शिक्षित करने का करेगी प्रयास : कोरोना काल में विद्यालयों के बंद होने के कारण सुदूर इलाकों में रहने वाले बच्चों की पढ़ाई पर बुरा प्रभाव पड़ा है। असीम प्रतिभाओं से भरी दूरी सबर भी इस समस्या को बेहद करीब से महसूस करती है। दुरी अब अपने पढ़ाई के साथ-साथ गांव के अन्य बच्चों को भी नियमित रूप से पढ़ाने का कार्य करेगी। इसमें दूरी को गांव एवं संस्था का भी नियमित सहयोग व मार्गदर्शन मिलेगा।

बालिकाओं के लिए माहवारी स्वच्छता बेहद जरूरी : चर्चा के दौरान माहवारी स्वच्छता के प्रति झिझक तोड़ने पर बात करते हुए दूरी को एक वर्ष के लिए सेनिटरी पैड भी मुहैया करवाया गया। मौके पर उनके माता-पिता शुरु सबर, सोमवारी सबर, कापरा मुर्मू, मोहन मुर्मू एवं अन्य ग्रामीण प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

योग फॉर चिल्ड्रेन कैंप में बच्चों ने 40 आसन का किया योगाभ्यास

समापन के दिन योगाभ्यास करते बच्चे.

संवाददाता, गालूडीह

सात दिवसीय योगा फॉर चिल्ड्रेन समर कैंप का समापन पर्यावरण दिवस के मौके पर बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ किया. सात दिनों तक चले योगा फॉर चिल्ड्रेन में हरिद्वार एवं जमशेदपुर के आधा दर्जन योग शिक्षकों ने बच्चों को सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, भ्रामरी, नाड़ी शोधन प्राणायाम, अनुलोम विलोम समेत 40 से ज्यादा आसनों का योगाभ्यास कराया. कैंप के दौरान बच्चों की उत्सुकता दिखी. सुबह सात बजे से शुरू ऑनलाइन कार्यक्रम में बच्चे शामिल हुए. योगा फॉर चिल्ड्रेन में जमशेदपुर, घाटशिला, जादूगोड़ा, चक्रधरपुर, हाता, बहरगोड़ा, बोकारो के अलावा ओडिशा, बिहार एवं पश्चिम बंगाल से भी बच्चे जुड़े. लॉकडाउन के कारण बच्चों को खेलने का मौका भी नहीं मिल रहा था. योगा फॉर चिल्ड्रेन में भाग लेने से योग सीखने का मौका मिला. अभिभावकों ने कहा कि कोरोना के कारण बच्चे काफी समय से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं. इन विषम परिस्थिति में कार्यक्रम ने बच्चों में नये ऊर्जा का संचार किया है. पर्यावरण दिवस के मौके पर समापन होने वाले कैंप को लेकर बच्चों ने पूरी तैयारियां की थी, सभी बच्चों ने अपने घरों से बेकार प्लास्टिक खोज कर उससे ढेरों इको ब्रिक्स बनाये. वहीं सभी बच्चों ने अपने घरों में एक साथ पौधरोपण कर ऑनलाइन पर्यावरण दिवस मनाया. बच्चों को पौधरोपण, किचन गार्डेन आदि के बारे में भी बताया गया. इस दौरान बच्चों ने प्लास्टिक का उपयोग ना करने और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने के बारे में सीखा. योगा फॉर चिल्ड्रेन का आयोजन निश्चय फाउंडेशन, एआर इंस्टीट्यूट ऑफ योगा एंड साइंस एवं नन्हें रचनाकार ने संयुक्त तत्वावधान में किया गया. कार्यक्रम के आयोजन में योग शिक्षिका व नेचुरोपैथी चिकित्सक पुजा कुमारी की अहम भूमिका रही, वहीं तरुण कुमार ने तकनीकी सहयोग दिया. योगा फॉर चिल्ड्रेन में अलग-अलग जगहों से लगभग 100 से ज्यादा बच्चों ने रोजाना जुड़कर नियमित योगाभ्यास किया. 21 जून को विश्व योगा दिवस के मौके पर बच्चे फिर से ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लेंगे.

प्रभात खबर Sun, 06 June 2021 https://epaper.prabhatkhabar.com/

शर्मिंदगी मुझे नहीं, इस समाज को होनी चाहिए

दैनिक जागरण बेटियों की डायरी PLAN

दीपा पाल, कक्षा : 12वीं
एसडीएसएम स्कूल, सिदगोड़ा

हर माह लड़कियों को एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। यह आधी जिंदगी उसके साथ रहती है। इस दौरान लड़कियों को अशुद्ध कहा जाता है। उन्हें जमीन पर सोना होता है। सफेद कपड़े पहनने की मनाही होती है। मासिक धर्म के समय अचार और पौधे छूने की मनाही होती है।

जब मुझे पहली बार मासिक धर्म हुआ तो मुझे इसे गुप्त रखने को सिखाया गया। यहां तक कि अपने पिता व भाई से इसे नहीं शेयर कर सकती। जब मैं दवा की दुकान पर सैनिटरी नैपकिन लाने गई तो दुकानदार ने अपनी पत्नी को मेरे पास भेज दिया। उनकी पत्नी मुझे एक तरफ ले गई और नैपकिन को काले रंग की पॉलीथीन में डालकर धीरे से थमा दिया। वह दिन मुझे आज भी याद है, जब पहली बार मुझे पीरियड हुआ। पहली बार खून के धब्बे अपने कपड़े पर देखे। मुझे पता नहीं था, यह क्या हो रहा है। क्यों शरीर से खून निकल रहा है, जबकि मुझे कोई चोट नहीं लगी थी। जब मैंने अपनी मां को बताई तो उन्होंने मेरे हाथ में एक कपड़ा थमा दिया और मुझे बताया गया कि इसे कैसे उपयोग करना है। धीरे-धीरे मुझे इस बात का पता चला कि यह तो मेरी जिंदगी का हिस्सा है। 'पीरियड' समाज का सबसे गुप्त व शर्मिंदगी भरा शब्द है। भले ही आज हम आधुनिक होने का दंभ भर रहे हो, लेकिन हमारी सोच पुरातन ही है।

भारत की लाखों लड़कियों की तरह मुझे भी अशुद्ध, गंदी चीज, अकेलापन जैसे खोल में जीना पड़ता है। मेरी मां ने बताया कि इस दौरान हमें क्या करना है, क्या नहीं करना है। मुझे बाल नहीं धोना है, पौधे को नहीं छूना है। खट्टा चीज नहीं खाना है। पूजा घर में नहीं जाना है और यह अंतहीन सूची है। लेकिन मुझे आजतक यह नहीं बताया गया कि पीरियड का अर्थ क्या है। बाद में मुझे पता चला कि मेरी सहेलियां उन दिनों में स्कूल से क्यों अनुपस्थित रहती है। आज मैं 'निश्चय' संस्था से जुड़ी हुई हूं, जो कि महिलाओं व बच्चों के विकास के लिए कार्य करती है। आज हमारी संस्था ऐसे ही गंभीर मुद्दों को लेकर महिलाओं को जागरूक कर रही है। पीरियड महिलाओं के लिए अभिशाप नहीं, बल्कि वरदान है।

वह ऐसा रक्त है जो सृष्टि के संचार में सहायक है। धीरे-धीरे मुझे पता चला कि आज भी लाखों महिलाएं हैं जो इस मुद्दे पर किसी से बात नहीं करना चाहती। वहीं पुरातन रीति रिवाज पर चल रही हैं। ओडिशा में तो पीरियड होने का उत्सव मनाया जाता है, जिसे रोजो कहा जाता है। इस दौरान भोज का आयोजन किया जाता है। पीरियड को लेकर हमें शर्मिंदगी नहीं होनी चाहिए। हमें तो खुद पर गर्व करना है, जो मानव जीवन के चक्र को बरकरार रख रहे हैं।

महिलाओं को जागरूक कर रही निश्चय संस्था

आज समाज में लड़कियों पर बचपन से कुछ न कुछ बंदिशें लगाई जाती है। उन्हें कई कार्यों के लिए समझाया जाता है कि उन्हें क्या कार्य करना है और क्या नहीं। इससे उनमें आत्मविश्वास की कमी आती है और वह समाज में क्या हो रहा है इससे दूर रह जाती है। इसीलिए आज निश्चय नामक सामाजिक संस्था महिलाओं को जगरूक कर रही है।

प्रभात खबर 11.03.2023

अरका जैन विवि में महिला दिवस मना

जमशेदपुर. अरका जैन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शुक्रवार को शक्ति दी सेलिब्रेशन ऑफ वीमेन पॉवर कार्यक्रम का आयोजन हुआ. छात्राओं ने मासिक धर्म और सेनेटरी नैपकिन के बारे में जागरूकता विषय पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की. छात्राओं और महिला स्टाफ के लिए तरह तरह के प्रतियोगी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. महिला कर्मियों को मौके पर सम्मानित किया गया. मुख्य अतिथि पैड मैन के नाम से प्रसिद्ध व निश्चय फाउंडेशन के तरुण कुमार व विशिष्ट अतिथि के रूप में आकाश महतो मौजूद थे. कार्यक्रम में विवि के कुलपति डॉ एसएस रजी, निदेशक अमित श्रीवास्तव, डॉ अंगद तिवारी मौजूद रहे.

आर्का जैन यूनिवर्सिटी में शक्ति दा सेलिब्रेशन ऑफ वूमेन पावर का आयोजन

जमशेदपुर, 10 मार्च (रिपोर्टर): अर्का जैन यूनिवर्सिटी में महिला दिवस के उपलक्ष्य में शक्ति द सेलिब्रेशन ऑफ वूमेन पावर नामक कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. यूनिवर्सिटी के कुलपति डा. एस एस रजी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बढ़ते महत्व के बारे में बताया, जो महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा, प्रेम व देखभाल के उत्सव के रूप में प्रकट होता है. मुख्य अतिथि निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार मासिक धर्म और सेनेटरी नैपकिन के बारे में जागरूकता के बारे में जानकारी दी. अर्का जैन यूनिवर्सिटी के निदेशक अमित श्रीवास्तव ने कहा कि एक समाज केवल तभी विकसित हो सकता है जब महिलाओं को न केवल सम्मानित किया जाता है, बल्कि उन्हें समान अधिकार दिए जाते हैं. डा. चारू वधवा ने कहा कि एक महिला, जो एक बच्चे को जन्म और जीवन देने का सबसे महत्वपूर्ण कार्य कर सकती है. इस दुनिया में कुछ और कर सकते हैं और इसलिए सभी को दहेज, महिला प्रताड़ना, बाल विवाह आदि जैसी बुराइयों को खत्म करने के लिए आगे आना पड़ता है.

पूर्व छात्रा ने स्कूल को दी इंसीनेटर मशीन

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

साकची हाई स्कूल प्लेटिनम जुबिली मना रहा है. इसी क्रम में शनिवार को स्कूल की पास आउट छात्रा पूरबी घोष ने सैनिटरी नैपकिन डिस्ट्रॉय करने के लिए इंसीनेटर मशीन डोनेट किया है. इस मशीन के साथ सीएसआर के तरफ से एक वेंडिंग मशीन भी प्रदान की है. यह दोनों मशीन छात्राओं के स्वास्थ्य एवं हाइजीन को देखते हुए दी है. इस दौरान स्कूल में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें मुख्य अतिथि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ इंदु चौहान शामिल हुईं. उन्होंने छात्राओं को महावारी के बारे में जानकारी दी. विशिष्ट अतिथि डॉ रघुमोनी ने स्वच्छता और स्वास्थ्य की जानकारी दी. विशिष्ट अतिथि तरुण कुमार ने अपना अनुभव शेयर करते हुए बच्चों को प्रेरित किया. सुविधा कंपनी के तरफ से पवन कुमार ने बच्चियों को मशीन के ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी. सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ और पौधा देकर स्वागत किया गया. स्कूल के हेड मास्टर प्रणब कुमार घोष ने धन्यवाद ज्ञापन और पूरबी घोष को आभार प्रकट किया. कार्यक्रम में स्कूल के बच्चे, शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ स्कूल गवर्निंग काउंसिल बॉडी के सदस्य अजय चटर्जी, शिवानी घोष, शुभोदिप मंडल, शुभेंदु विश्वास और अन्य उपस्थित थे. अंत में श्रीपर्णा बनर्जी द्वारा प्रस्तुत दिल है छोटा सा छोटी सी आशा संगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ.

स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि.

प्रभात खबर Sun, 03 September 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/73358608

दैनिक भास्कर घाटशिला 29-02-2024

धाधकीडीह स्कूल में बच्चों को सुनाई गई धरती पर जीवन की उत्पति की कहानी

भास्कर न्यूज़ | गालूडीह

बच्चों व युवाओं में वैज्ञानिक चेतना का विकास समाज में सकारात्मकता लाने के साथ साथ तमाम सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के अवसर पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय धतकीडीह में एक दिवसीय विज्ञान परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के इतिहास के बारे बच्चों को विस्तार से बताते हुए कहा कि डॉ सीवी रमन भारतीय भौतिक शास्त्री व वैज्ञानिक थे, एक बार पानी के जहाज की यात्रा करते हुए उनके मन में प्रश्न आया की समुद्र का जल नीला क्यों दिखाई देता है। उनके मन में उठे प्रश्न ने प्रकाश के परावर्तन के सिद्धांत को जन्म दिया, जो रमण इफेक्ट के नाम से जाना जाता है। 28 फरवरी 1928 को किए गए उनके खोज, जिसे नोबेल पुरस्कार भी मिला था, को याद करते हुए भारत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है।

परिचर्चा के दौरान बच्चों में वैज्ञानिक चेतना के विकास व दैनिक गतिविधियों के दौरान मन में उभरने वाले प्रश्नों को बेहिचक पूछने की आदत विकसित करने की कोशिश की गई। फिर बच्चों ने वैज्ञानिक खोजों से जुड़े कई सवाल पूछे, इसी क्रम में बच्चों को दिल की धड़कन मापने वाले स्टेथस्कोप, कंप्यूटर, टेलीफोन, बिजली, तड़ित चालक, आग इत्यादि के अविष्कार की कहानी विस्तार प्रायोगिक तरीके से बताई गई। इस दौरान बच्चों ने बिग बैंग से ब्रह्मांड सौरमंडल के निर्माण व धरती पर जीवन के उत्पति की कहानी भी बच्चों को सुनाई गई। सम्पूर्ण चर्चा के माध्यम से बच्चों ने प्रकृति व समाज से जुड़े घटनाओं को वैज्ञानिक नजरिए से देखने का महत्व सीखा।

परिचर्चा के दूसरे सत्र में प्रयोगशाला में विज्ञान शिक्षक बापी पाल व प्रभारी प्रधानाध्यापक साजिद अहमद ने बच्चों के साथ कई विज्ञान प्रयोग कर उत्प्लावन के सिद्धांत, घर्षण के सिद्धांत, टेलिस्कोप व सूक्ष्मदर्शी के उपयोग के बारे में प्रायोगिक जानकारी दी। बच्चों में वैज्ञानिक चेतना के विकास हेतु आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी प्रधानाध्यापक साजिद अहमद के मार्गदर्शन से आयोजित किया गया, जिसमे बाल संसद के प्रधानमंत्री अवन्ति मुर्मू, शिक्षा मंत्री सागेन सोरेन एवं छिता हांसदा,प्रीति मुर्मू, पूर्णिमा सिंह एवं अन्य सदस्यों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। मौके पर गांव के शिक्षाविद बादल चंद्र मुर्मू, विज्ञान शिक्षक बापी पॉल, वैद्यनाथ हांसदा, विश्वनाथ दत्ता, तरुण कुमार व अन्य महत्वपूर्ण रूप से उपस्थित थे।

प्रभात खबर

पोटका-पटमदा

पटमदा हाइस्कूल में चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन

पेंटिंग्स से बेटी बचाओ का दिया संदेश, लक्ष्मी को पहला स्थान

बाल विवाह व महिला हिंसा के प्रति किया जागरूक

प्रतिनिधि, पटमदा

अपनी-अपनी पेंटिंग्स के साथ प्रतिभागी .

पटमदा प्लस टू उच्च विद्यालय में शनिवार को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ चेतना सत्र व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान बाल विकास परियोजना कार्यालय, पटमदा की महिला पर्यवेक्षिका सुमन कौरिया, ममता देवी ने किशोरियों को बेटियों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की.

इस दौरान बच्चियों को सावित्री बाई फुले योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ बाल विवाह से बचाव, महिला हिंसा व डायन प्रथा जैसे सामाजिक कुरीतियों से बचने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम के बाद बच्चियों ने चित्रां...

किशोरियों ने अपनी पेटिंग्स से बेटी बचाओ का संदेश दिया. प्रतियोगिता में लक्ष्मी प्रमाणिक (वर्ग-12) प्रथम, हेमंती सिंह द्वितीय व पूर्णिमा मंडल, नेपाली गोराई, मौसमी प्रमाणिक के दल...

बच्चियों को समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया. वहीं विद्यालय में आयोजित चेतना सत्र के दौरान स्कूल के बच्चों ने दीवार पेंटिंग की. बच्चों ने...

की दीवारों को काफी खूबसूरत बनायेंगी. कार्यक्रम में निश्चय फाउंडेशन के तरुण कुमार, प्रधानाध्यापक डॉ मिथिलेश कुमार, अनीता मुर्मू, तुलसी महतो, कौशलेंद्र सिंह व अन्य शिक्षक ... रहा.

बोड़ाम : बच्चियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

बोड़ाम. बोड़ाम के दिघी भुला प्लस टू हाइस्कूल में सोमवार को माहवारी स्वच्छता व जेंडर समानता पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानाध्यापक जितेंद्र ने किशोरी को बताया कि माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूक होना अहम है.

कार्यक्रम के दौरान झारखंड के पैडमैन नाम से लोकप्रिय सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने बच्चों को महत्वपूर्ण जानकारियां दी. तीन घंटे के इस कार्यशाला में छात्राओं को विस्तार से बाल विवाह के दुष्प्रभाव, बालिकाओं की शिक्षा से समाज में आने वाले परिवर्तन, सेनिटरी पैड के उपयोग आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी. कार्यशाला में लगभग 110 किशोरियों ने भाग लिया, कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्राचार्य जितेन्द्र कुमार, श्रीमती मधु, डॉ अरुणा कुमारी एवं काफी संख्या में शिक्षक मौजूद थे.

पटमदा के एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय में चला रूआर बैक टू स्कूल अभियान

बच्चियों को माहवारी स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

प्रतिनिधि, पटमदा

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व शिक्षक.

रूआर बैक टू स्कूल अभियान के तहत शनिवार को एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, पटमदा में माहवारी स्वच्छता व जेंडर उन्मुखीकरण का आयोजन हुआ. कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ मिथिलेश कुमार ने बच्चों को बताया कि स्कूल रूआर के माध्यम से बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, वहीं किशोरी बच्चियों में माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूकता जरूरी है. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखंड के पैडमैन के नाम से प्रसिद्ध निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने बच्चों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी. इस दौरान छात्राओं को विस्तार से बाल विवाह के दुष्प्रभाव, बालिकाओं की शिक्षा से समाज में आने वाले परिवर्तन, किशोरी व महिला स्वास्थ्य में माहवारी स्वच्छता व उचित पोषण की भूमिका, सेनेटरी पैड का उपयोग, माहवारी के दौरान होने वाले दर्द से निवारण के लिए उपाय इत्यादि मुद्दों पर चर्चा की. कार्यक्रम के सफल आयोजन में विज्ञान शिक्षिका डॉली डे, अनीता मुर्मू, अल्पा रोशनी बाखला, दिनेश अधिकारी आदि मौजूद थे.

टोंटो प्रखंड के पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय में किशोरियों को दी गई स्वास्थ्य की जानकारी

भास्कर न्यूज़ | चाईबासा

झारखंड के पैडमैन सह सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने बुधवार को टोंटो प्रखंड के पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय बामेबासा में किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। किशोरियों को चित्र, पोस्टर व कहानियों के माध्यम से बताया कि अपने शरीर के बारे में हमें जानकारी रखना जरूरी है। उन्होंने जानकारी दी कि हमें शरीर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। ऐसा नहीं करने से कई गंभीर बीमारियों से सामना करना पड़ सकता है। तरुण कुमार ने कहा कि बालिकाओं को माहवारी के दौरान विशेष साफ सफाई की जरूरत है।

इस दौरान होने वाली पीड़ा और खून की कमी से बचने के लिए उचित पोषण पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने किशोरियों को सुझाव दिया कि अधिक से अधिक हरी सब्जियां खाना और विद्यालयों में वितरित किए जा रहे आयरन गोली का सेवन अवश्य करें और सुरक्षित नैपकिन का उपयोग करें। कार्यक्रम में तरुण कुमार ने 150 किशोरियों के बीच प्रोजेक्ट बाला रि-यूजेबल पैड का वितरण किया। जानकारी दी कि उक्त पैड का इस्तेमाल अच्छी तरह धोकर और सुखाकर लगभग दो साल तक इस्तेमाल किया जा सकता है। रियूजेबल पैड का इस्तेमाल कर पैड के निस्तारण से जुड़ी समस्याओं से निपटा जा सकता है,वही इससे हर महीने महंगा पैड खरीदने से भी निजात मिल सकेगी। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक चैतन्य बिरुवा, डॉ.आशुतोष कुमार,शैलेन्द्र हेम्ब्रम,हिमानी पुरती,रुबी गुप्ता, मिथलेश कुमार,लक्ष्मण लागुरी,प्रीति पुरती,पूनम हांसदा,अमित कुमार जायसवाल समेत बाल संसद के पार्वती खंडाइत आदि उपस्थित थे।

JUROR'S NOTE >>>

Importance of Tech in Post-Pandemic World

Tarun Kumar
Founder & Secretary,
Nischay Foundation

The post-pandemic world has highlighted the importance of tech, especially in reaching marginalized communities. However, there is a challenge in ensuring that tech spaces are affirmative to diverse communities' needs. The benefit of using tech is greater reachability and network building across sections, and many projects discussed during the evaluation process were people-centric. The eNGO Challenge Award is a meaningful contributor to the transition towards using tech in social justice interventions. The applicants' collective purpose is to imagine a just world, and the evaluation process has been a reflective and learning journey for all involved. The hope is that these Awards will continue to nurture this space in the coming years and grow to its full potential.